(प्रायोगिक संस्करण)

भाषा भारती

कक्षा 1

आ

क

प

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़े सब बढ़े
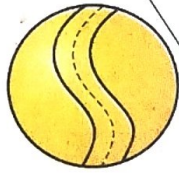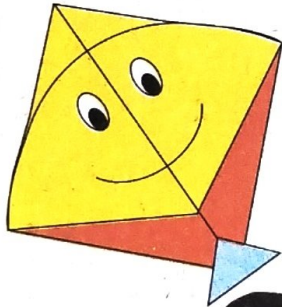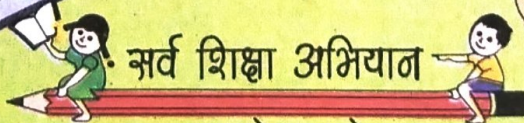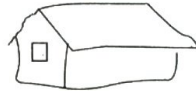
मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

देश हमारा सबसे प्यारा
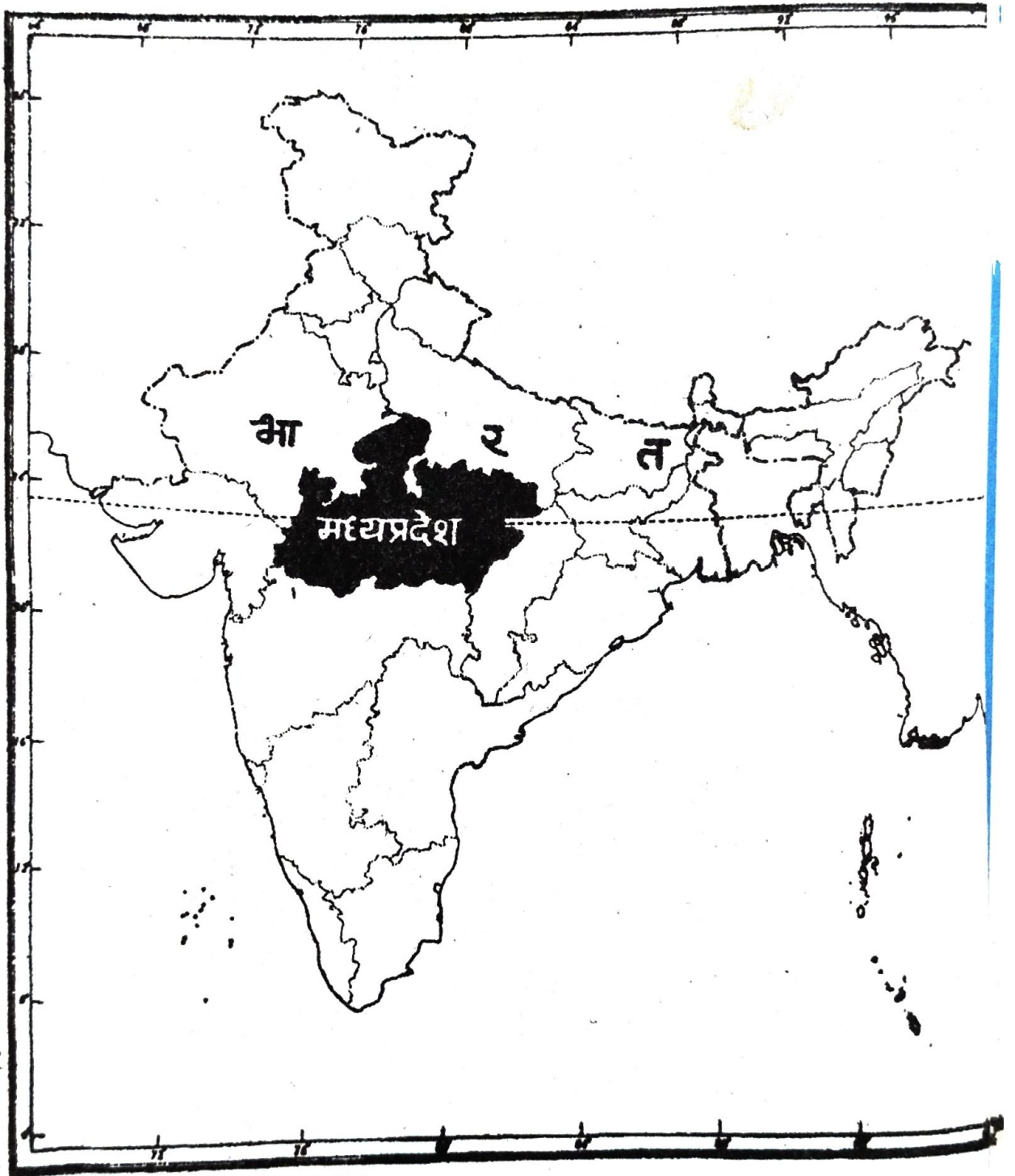
Based upon survey of India Outline Map printed in 1987.
The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
The interstate boundaries between Arunachal Pradesh, Assam and Meghalaya shown on this map are as per interpreted from the North-Eastern Areas (Reor
Act. "1971", but yet to be verified.
Responsibility for correctness of internal details shown on the map rests with the publisher.
"इस मानचित्र में उत्तरप्रदेश एवं उतरांचल, झारखण्ड एवं बिहार, छत्तीसगढ एवं मध्यप्रदेश के बीच की राज्य सीमाएँ सम्बन्धित सरकारों द्वारा सत्यापित नहीं की गयी है।

© Government o

मेरा भारत महान

भाषा भारती

कक्षा-1

मध्यप्रदेश

राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

वर्ष 2006

मूल्य : 21.00

"पुस्तक क्रय करते समय पृष्ठों पर पा.पु.नि. का वाटर मार्क अवश्य देखें।"

प्रकाशन वर्ष 2006

© मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम

◆ **निदेशन** ◆

नीलम शमी राव (आय. ए. एस.)
संचालक, म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

◆ **मार्गदर्शन** ◆

अभय बेडेकर, अपर संचालक, म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

◆ **संयोजन** ◆

शकुन्तला श्रीवास्तव, म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

◆ **समन्वयक** ◆

सुधा मिश्रा, म.प्र. राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

◆ **सम्पादक** ◆

डॉ. इंदु बाला पाटनी
साहब सिंह तौमर

◆ **मॉडरेटर** ◆

डॉ. प्रेम भारती

◆ **लेखकगण** ◆

अरुण नामदेव, रेचल जोब, सुधा शर्मा,
सरोज दबे, डॉ. वन्दना पाराशर, सुमन सिंह

◆ **मुख पृष्ठ** ◆

विकास मालवीय

◆ **चित्रांकन** ◆

सुनील शर्मा

◆ **आकल्पन** ◆

पी. एण्ड पी. कम्प्यूटर्स, भोपाल

◆ **मुद्रक** ◆

आदर्श प्रिन्टर्स एण्ड पब्लिशर्स भोपाल द्वारा
मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के लिए मुद्रित

पर्यावरण अध्ययन

कक्षावार न्यूनतम अधिगम स्तर

कक्षा-1 एवं 2

विशिष्ट उद्देश्य

1. घर परिवार के रिश्तों, शाला, दोस्त, जीव-जन्तु, पेड़-पौधे व अन्य वस्तुओं के बारे में जानकारी एवं जीवन में उनके महत्व को जानकारी देना।
2. स्थानीय 'परिवेश के पशु-पक्षी, पौधे एवं प्राकृतिक दृश्यों की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. भोजन पानी, आवास, खेलकूद एवं मनोरंजन की आवश्यकताओं की जानकारी देना।
4. सामान्य दुर्घटनाओं जैसे खेलते समय गिर जाना, घायल होना, कटना, छिलना, नुकीली वस्तुओं तथा आग आदि से बचाव की जानकारी देना।
5. अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता तथा आस-पास की सफाई की जानकारी देना और अच्छी आदतों के बारे में बताना।

इकाई क्रमांक	अधिगम क्षेत्र	अधियम प्रतिफल
1.	बच्चे एवं उनका पर्यावरण परिवार घर शाला दोस्त जीव-जन्तु पेड़-पौधे एवं अन्य वस्तुओं के संबंध में	घर, परिवार के रिश्तों, शाला, दोस्त, जीव-जन्तुओं, पेड़-पौधे व अन्य वस्तुओं के बारे में जानेगा तथा जीवन में उनके महत्व को समझ सकेगा।
	स्थानीय परिवेश के पशु-पक्षी और पौधे स्थानीय वनस्पति जगत एवं प्राकृतिक दृश्य की विशेषताएं।	स्थानीय वनस्पति तथा कुछ प्रमुख स्थानीय धरातलीय विशेषताएं- जैसे-नदी, तालाब, पर्वत श्रेणी, टीला आदि के बारे में जानेगा।
2.	पर्यावरण एवं बच्चों की आवश्यकताएँ भोजन, पानी, आवास खेलकूद एवं मनोरंजन	भोजन, पानी, आवास, खेलकूद एवं मनोरंजन की आवश्यकता को जानेगा।
	दुर्घटनाओं (सड़क दुर्घटना, खेलते समय गिरना) नुकीली वस्तुओं, आग आदि से सुरक्षा।	दुर्घटनाएं-खेलते समय गिर जाना एवं घायल होना। कटना, छिलना, नुकीली वस्तुओं का चुभना, जलना एवं बिजली के उपकरणों एवं करंट से सुरक्षा, प्राकृतिक बिजली की दुर्घटनाओं से बचाव को जान सकेगा।
3.	पर्यावरण की स्वच्छता एवं उसकी देखभाल व्यक्तिगत स्वच्छता एवं अच्छी आदतें।	व्यक्तिगत तथा अपने आस-पास की स्वच्छता और उसके महत्व को जानेगा।

आभार - प्रस्तुत पुस्तक में बालगीतों, चित्रों, कहानियों, पहेलियों आदि का संकलन विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं से किया गया है। केन्द्र उन सभी रचनाकारों, प्रकाशकों, संस्थाओं एवं प्राथमिक शिक्षा से जुड़े समस्त व्यक्तियों का हृदय से आभारी है।

समय विभाजन

विषयवस्तु	कालखण्ड
मौखिक अभिव्यक्ति (वर्ण पहचान, चित्रों पर बातचीत, कविता, कहानी, चित्रकथा आदि अपने परिवेश की समझ)	80
पढ़ना	60
लिखना	40
कुल	180

मूल्यांकन	अंक
मौखिक अभिव्यक्ति, वर्ण पहचान, शब्द चित्रकथा, पर्यावरण की अवधारणाएँ चित्रों के आधार पर मौखिक प्रश्न	80
लिखित	20
कुल	100

पुस्तक के बारे में....

भाषा अध्ययन - अध्यापन मात्र एक विषय के रूप में सीमित न रहते हुए सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास की महत्वपूर्ण धुरी है। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल का यह प्रयास रहा है कि पुस्तक सर्व शिक्षा अभियान का अभिन्न अंग बन सके। इस दृष्टि से प्रयास है कि पुस्तक बस्ते से बाहर निकल कर दैनिक जीवन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा सके। नवीन पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है कि शिक्षा मात्र विषयवस्तु याद कराने तक सीमित न रहकर भाषा शिक्षण की अपेक्षित दक्षताओं को प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करे।

छात्रों, पालकों, शिक्षकों और भाषा विशेषज्ञों द्वारा मिले सुझावों को आधार मानकर पुस्तक को नए कलेवर में रचा गया है। पुस्तकें सीखने में प्रमुख सहयोगी होती हैं यदि पुस्तक से बच्चों की मित्रता हो जाए तो वो बोलने लगती हैं। प्रत्येक अभ्यास के साथ बच्चे खेलने लगते हैं। आकर्षक आवरण, चित्रात्मक प्रस्तुति, बोधगम्य भाषा, विषयवस्तु की क्रमबद्धता, रोचक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रस्तुत पुस्तक को आकर्षक और सार्थक बनाने का प्रयास किया है।

कक्षा एक की पुस्तक भाषा सीखने का प्रथम सोपान होने के कारण अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस पुस्तक में भाषा के साथ ही पर्यावरण अध्ययन का पाठ्यक्रम भी समाहित है।

प्रस्तुत पुस्तक में पर्यावरण सम्बन्धी अवधारणाओं को चित्रों, कविताओं तथा चित्रात्मक अभ्यासों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। चित्रों के माध्यम से मैत्रीपूर्ण वातावरण में बच्चों की अभिव्यक्ति और अन्य भाषाई कौशलों को सुदृण किया जा सकता है।

कविताएँ गाने गुनगुनाने के लिए हैं। ऐसा वातावरण निर्मित करने का प्रयास करें कि बच्चे सभी कविताओं का गायन लय-ताल हाव-भाव के साथ कर पाएँ। बच्चे पढ़ना नहीं जानते फिर भी उनसे प्रत्येक शब्द पर उँगली रखवाएँ। जिससे वे पढ़ने के तरीके से परिचित हो सकें।

वर्णों का परिचय कराने के लिए एक से अधिक चित्र दिए गए हैं। बच्चे उनका मानक नाम जानें इस आश्य से चित्र के नीचे शब्द दिया गया है। जैसे 'ल' से 'लड़की' को स्थानीय भाषा में बताने पर उसकी भाषा को महत्व देते हुए 'लड़की' शब्द से परिचय करवाना आवश्यक है। तभी 'ल' की ध्वनि से परिचय होगा।

कक्षा 'एक' में बच्चे पहली बार पाठशाला आते हैं। अपने आसपास के परिवेश को स्थानीय बोली के माध्यम से ही समझते हैं। बच्चे चित्रों को देखें अपनी बोली में बात करें, उन्हें मुखर अभिव्यक्ति के अवसर दें। स्थानीय बोली को महत्व देते हुए मानक शब्दावली से परिचय कराने के लिए सम्पूर्ण पुस्तक में चित्रात्मक प्रस्तुति पर विशेष ध्यान दिया गया है। अपेक्षित दक्षताओं की प्राप्ति के लिए अभ्यासों में विविधता देने का भरपूर प्रयास किया गया है।

सम्पूर्ण सत्र की शिक्षण प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए पुस्तक मुख्यतः तीन भागों में विभक्त है पहला भाग सितम्बर अन्त तक दूसरा भाग दिसम्बर अन्त तक तथा तीसरा भाग मार्च अन्त तक पूरा होना अपेक्षित है। प्रत्येक भाग के बाद विविध प्रश्नावली दी गई है। जिसमें विभिन्न तरीकों के प्रश्न दिए गए हैं। ये सुझावात्मक हैं। इस प्रकार के अन्य प्रश्न बनाए जा सकते हैं ताकि बच्चे किसी भी तरीके से पूछने पर प्रश्नों के उत्तर दे सकें। तभी रटकर उत्तर याद करने के स्थान पर समझकर दक्षता विकास सम्भव हो सकता है। पुस्तक के अन्त में प्रारूप प्रश्न पत्र दिया गया है। यह भी सुझावात्मक है इससे शिक्षकों को प्रश्न पत्र बनाने में सुविधा होगी।

आशा है यह पुस्तक आपकी कसौटी पर खरी उतरेगी। भाषा शिक्षण को प्रभावी बनाने की दृष्टि से पुस्तक के सम्बन्ध में आपके बहुमूल्य सुझाव सदैव आमन्त्रित हैं।

संचालक
मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल

कक्षा-1

पाठ क्र.

पाठ 1

जिसने सूरज चाँद बनाया

जिसने सूरज चाँद बनाया
जिसने तारों को चमकाया।
जिसने फूलों को महकाया
जिसने चिड़ियों को चहकाया।
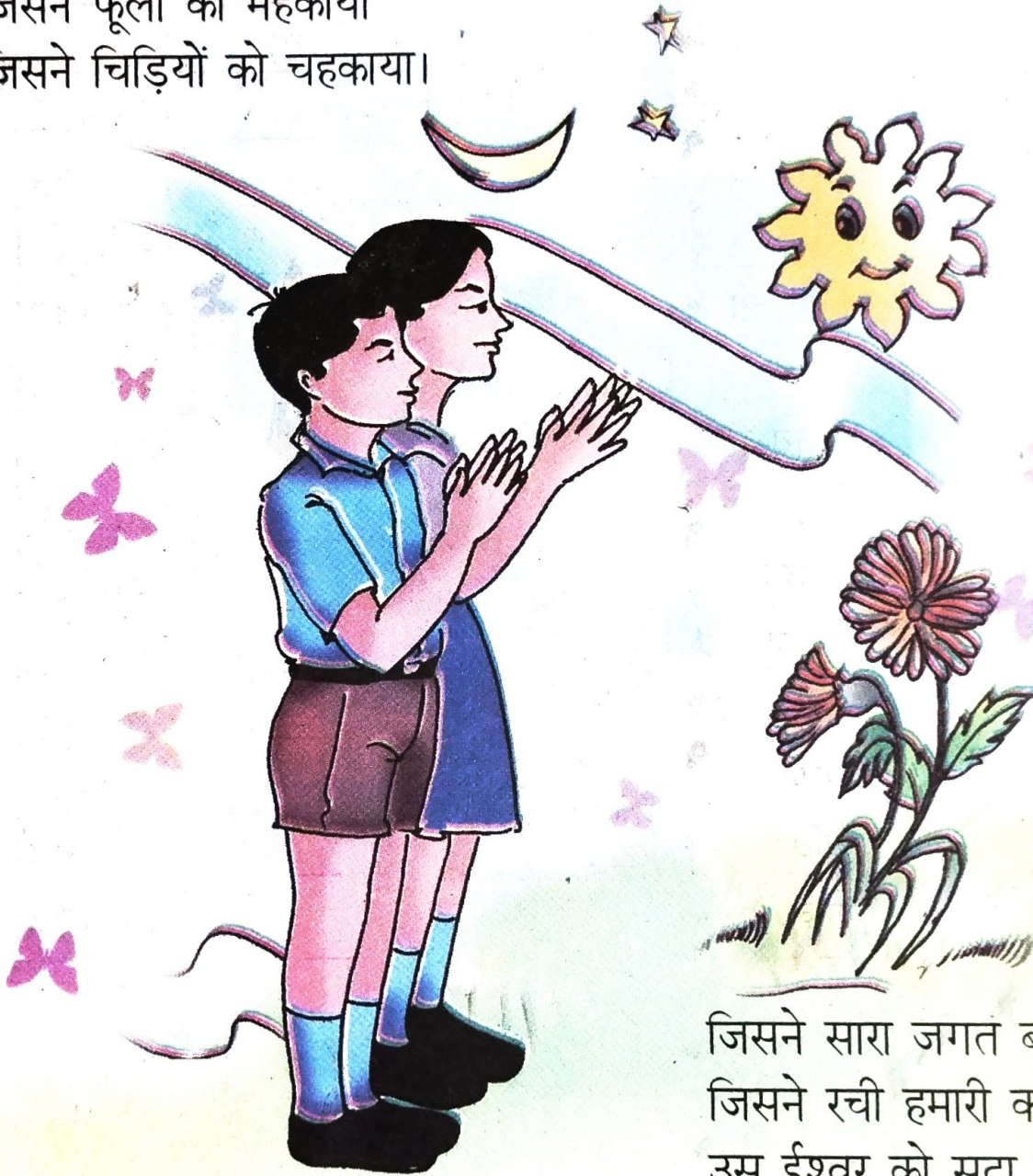
जिसने सारा जगत बनाया।
जिसने रची हमारी काया।
उस ईश्वर को सदा मनाएँ
उसे प्रेम से शीश झुकाएँ।

शिक्षक संकेत :- यह कविता प्रार्थना की तरह याद करवाएँ।

पाठ 2

मेरा घर

शिक्षक संकेत - बच्चों से घर परिवार के बारे में बातचीत करें। चित्र पर बातचीत करने के अवसर दें। उनके परिवार के सदस्यों के बारे में चर्चा करें।
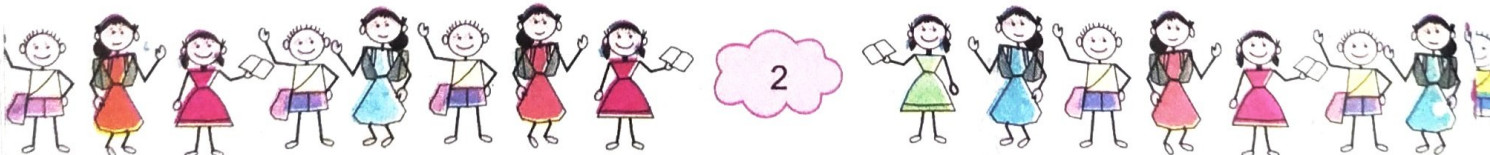
ओ-चिड़िया

चिड़िया ओ चिड़िया
कहाँ है तेरा घर?
उड़-उड़ आती है
जहाँ से फर-फर।
उड़-उड़ जाती है
जहाँ को फर-फर।

शिक्षक संकेत :- कविता का हाव-भाव के साथ सस्वर वाचन करवाएँ। बच्चे पढ़ना नहीं जानते फिर भी उनको शब्दों पर उँगली रखने को कहें। चिड़िया के घर के साथ-साथ अन्य पशु-पक्षियों के घरों के बारे में चर्चा करें।
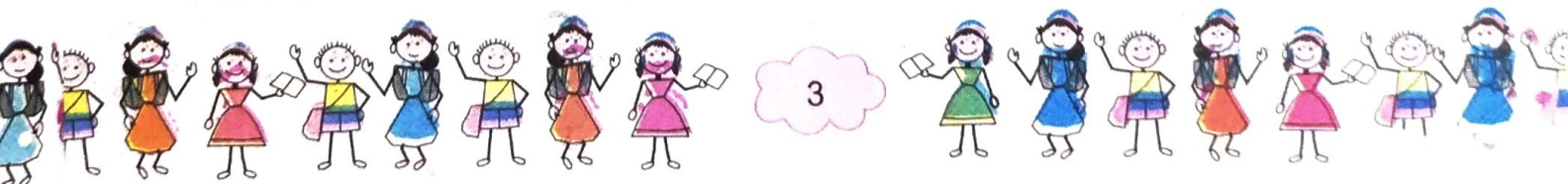
1. जोड़ी मिलाओ-
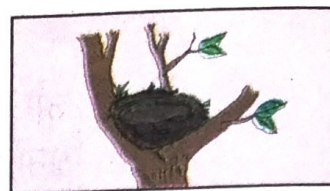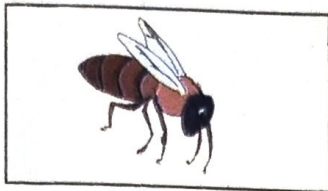
2. अपने घर का चित्र बनाओ -

शिक्षक संकेत - पशु-पक्षियों के आवास पर चर्चा करवाएँ। रेखा खींचकर जोड़ी मिलवाएँ। घर के चित्र बनवाएँ और रंग भरवाएँ।
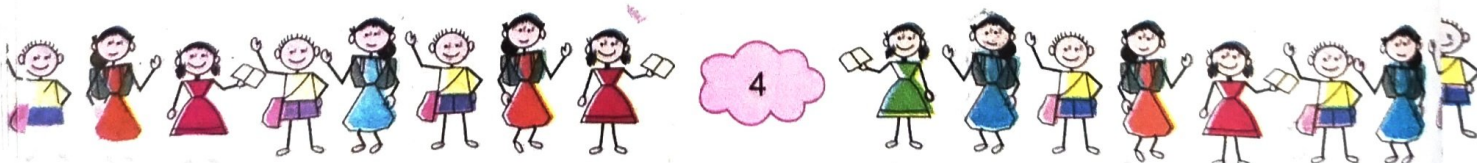
पाठ 3
ताकधिना

गोल बनाकर आओ नाचें
झूमे गाएँ-ताक धिना
दोनों हाथों को फैलाकर
हाथ मिलाएँ ताकधिना

ओ हो हो, हम सब कितने हैं
सब आ जाएँ-ताक धिना
ताली दे देकर के नाचे
मिलकर गाएँ-ताक धिना

एक साथ ही पाँव उठेंगे
नीचे ऊपर-ताक धिना
एक साथ गोला घूमेगा
चक्कर खाकर-ताक धिना।

शिक्षक संकेत :- यह कविता लय और ताल के साथ बच्चों को याद करवाएँ। गोला बनवाकर गाते हुए इसका अभिनए करवाएँ।

पाठ 4

जंगल की सैर
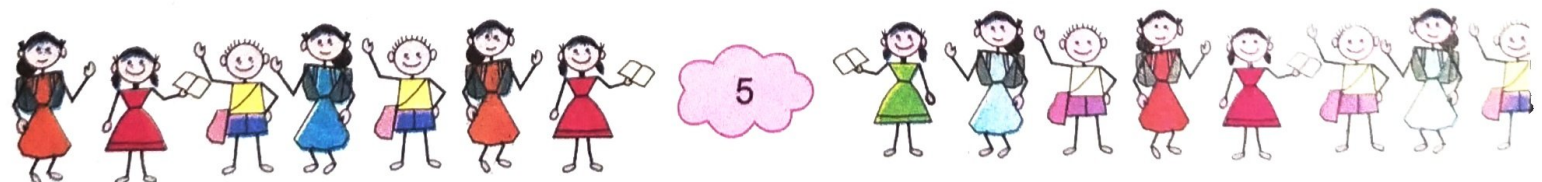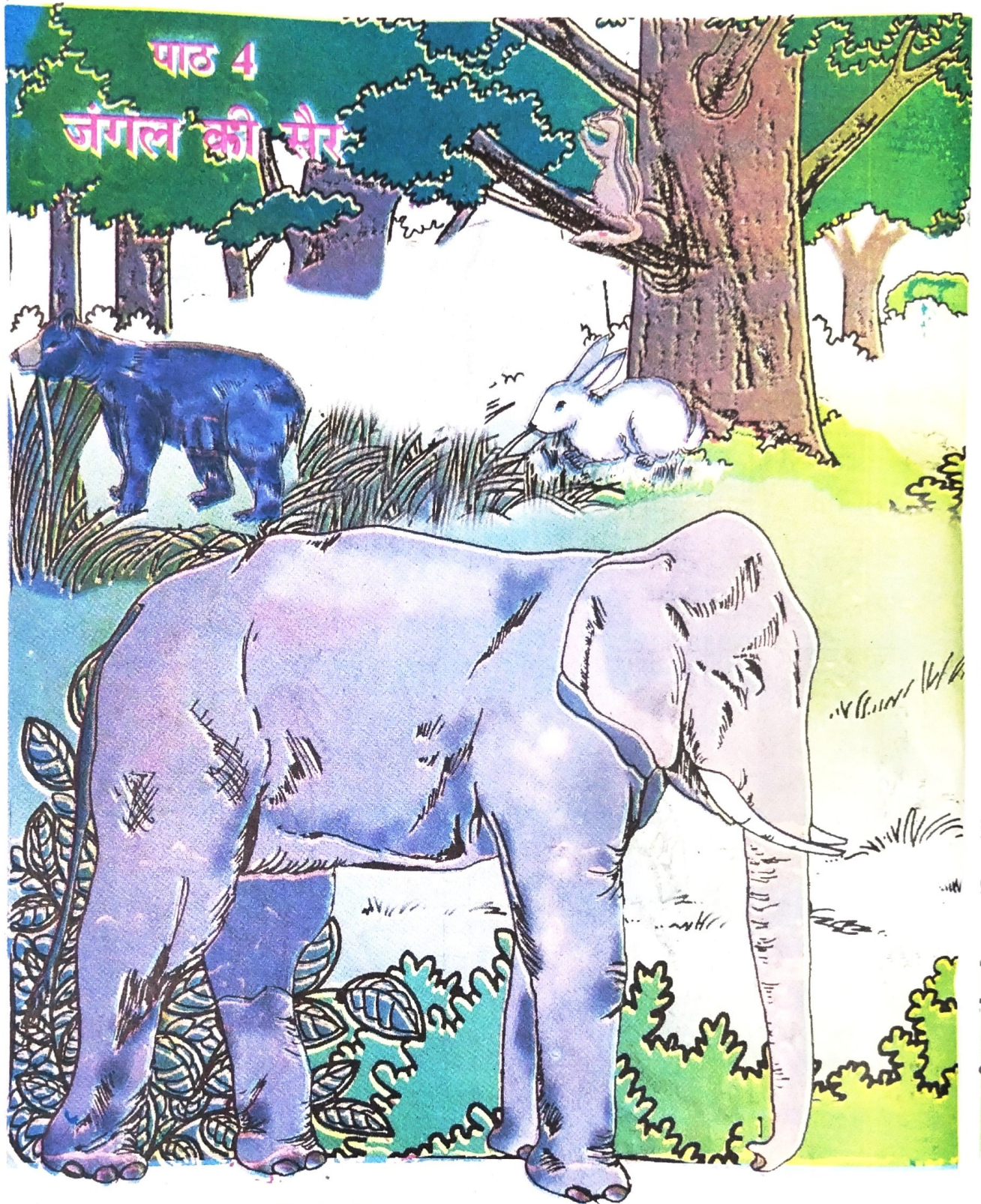
शिक्षक संकेत:- जंगल तथा जंगली जानवरों के बारे में बातचीत करें।

पाठ 5
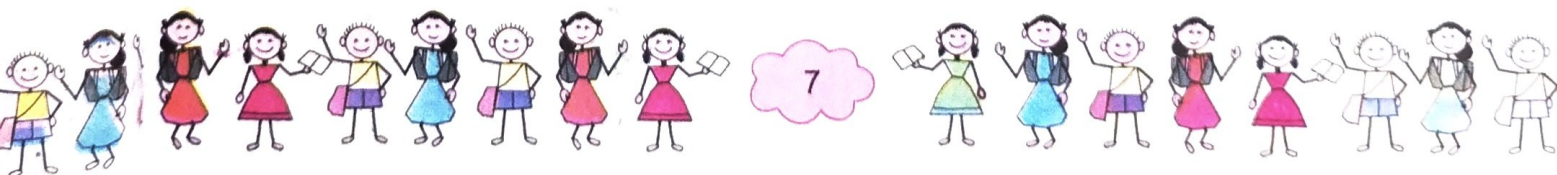
मैं तो सो रही थी

मैं तो सो रही थी
मुझे किसने जगाया?
मुझे मुर्गे ने जगाया
बोला कुकड़ूँ कू।

मैं तो सो रही थी
मुझे किसने जगाया
मुझे चिड़िया ने जगाया
बोली-चीं, चीं, चीं।

मैं तो सो रही थी
मुझे किसने जगाया
मुझे बिल्ली ने जगाया
बोली म्याऊँ-म्याऊँ-म्याऊँ।

मैं तो सो रही थी
मुझें किसने जगाया
मुझे कुत्ते ने जगाया
बोला...
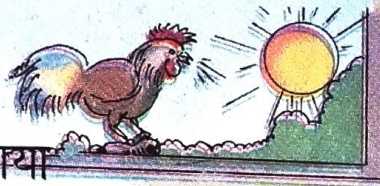
शिक्षक संकेत : बच्चों को कविता याद करवाएँ। विभिन्न पशु-पक्षियों की बोली से परिचित करवाएँ। कविता के अंत में दिए गए चित्रों की मदद से कविता को आगे बढ़वाते हुए पशु-पक्षियों की आवाज भी निकलवाएँ।

1. खोजो तो जानें -
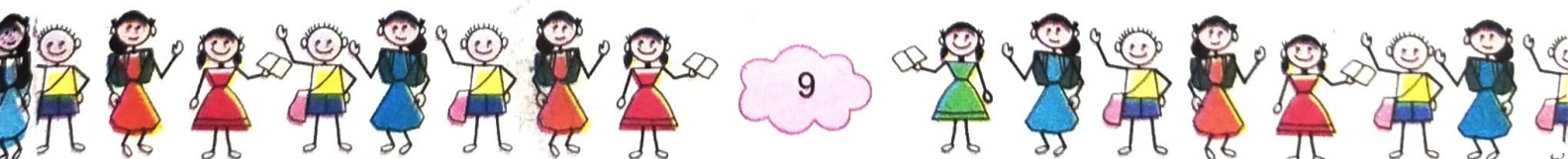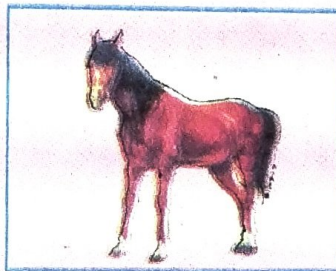
शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र में से जानवर खोजने दें। खोजे गए जानवरों के चित्रों पर गोला लगवाएँ।
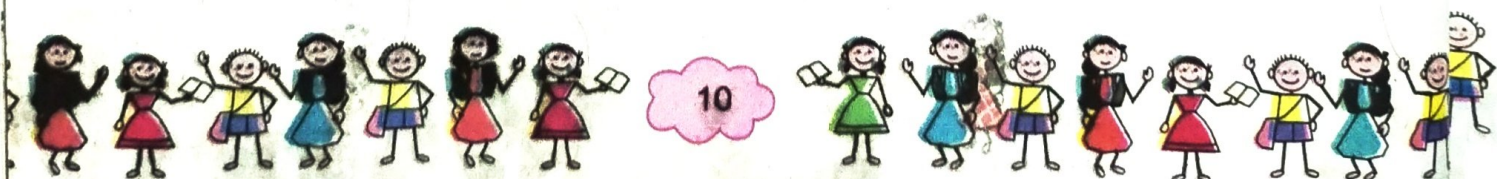
पाठ 6

शेर और चूहा

शिक्षक संकेत :- शेर और चूहे की चित्रकथा सुनाएँ और बच्चों से सुनें। बच्चों को आपस में बातचीत करके अपनी कहानी बनाने दें।

पाठ 7
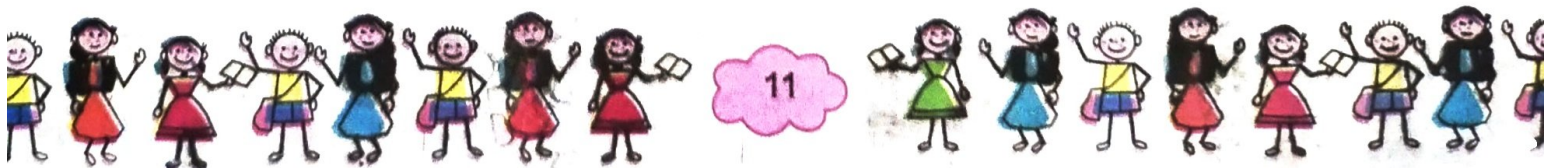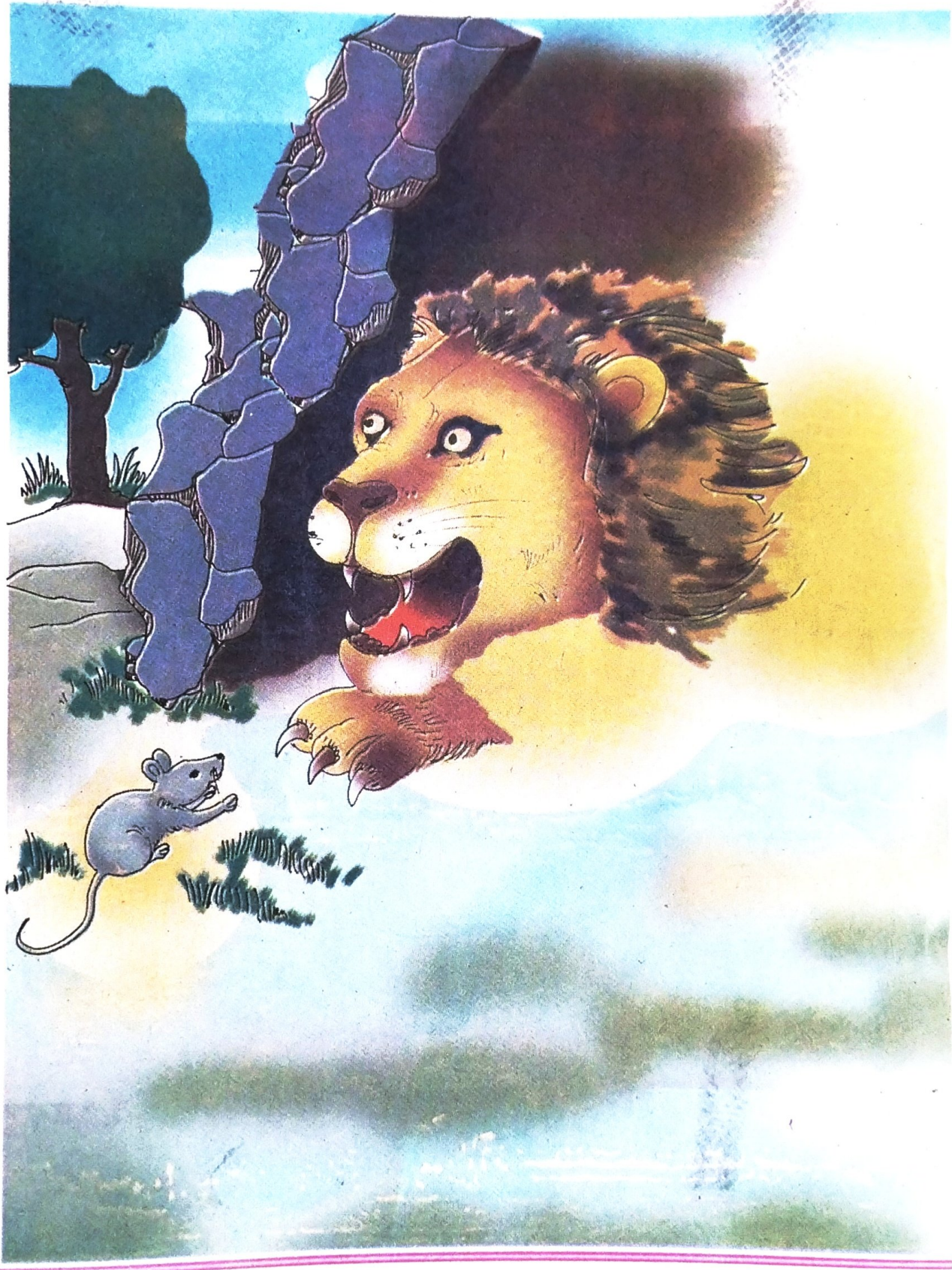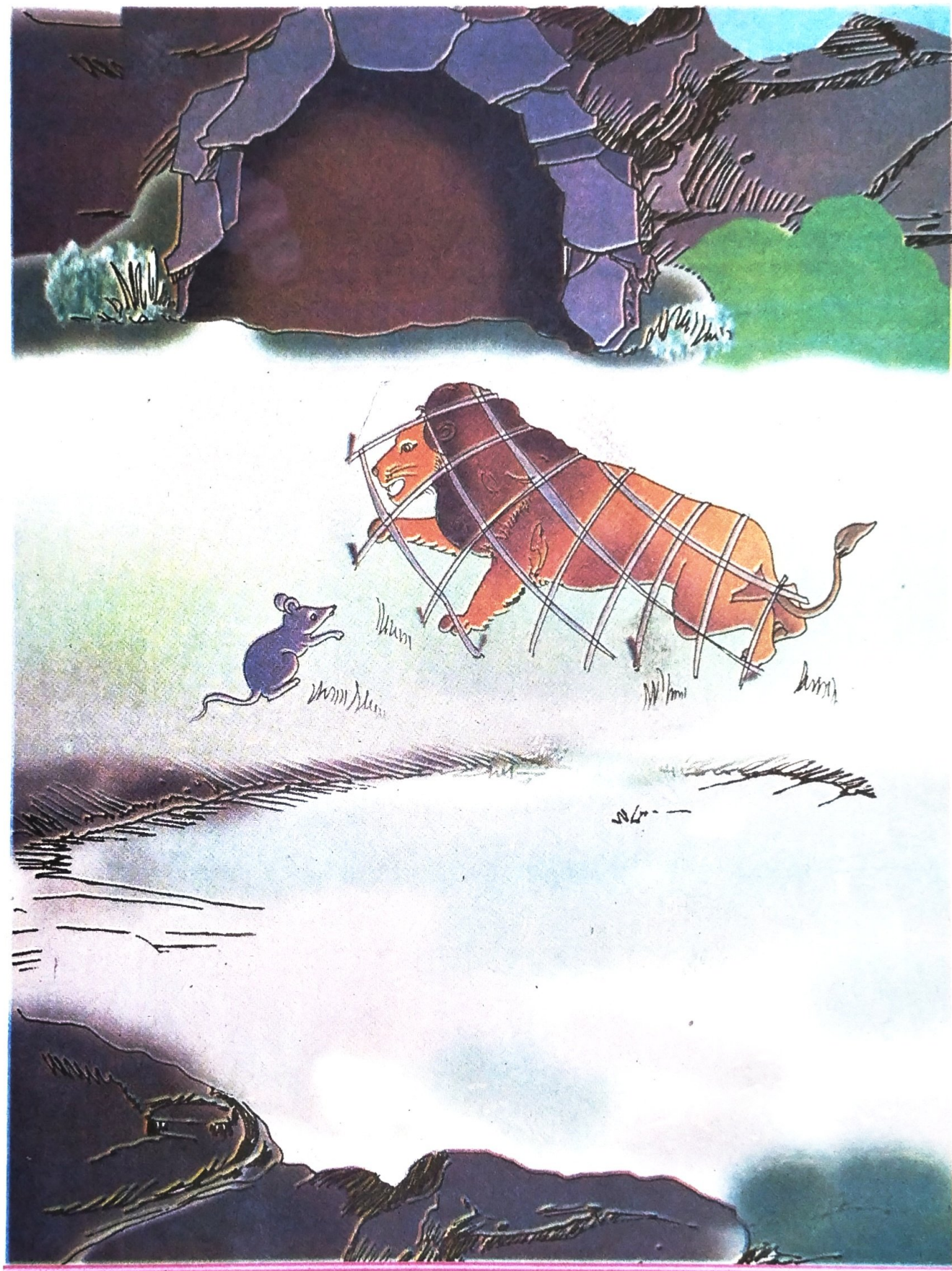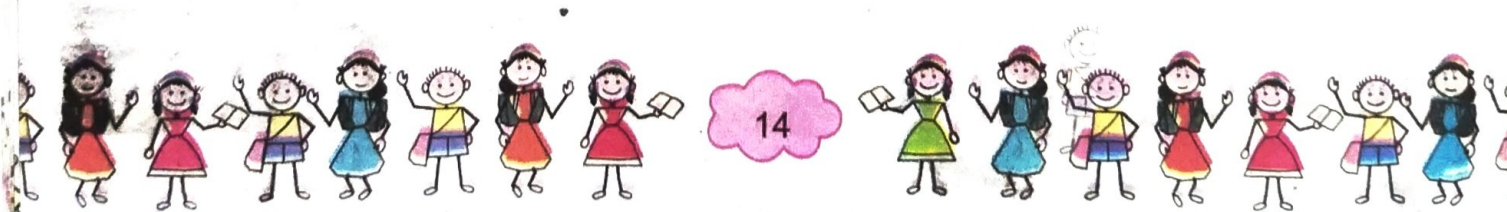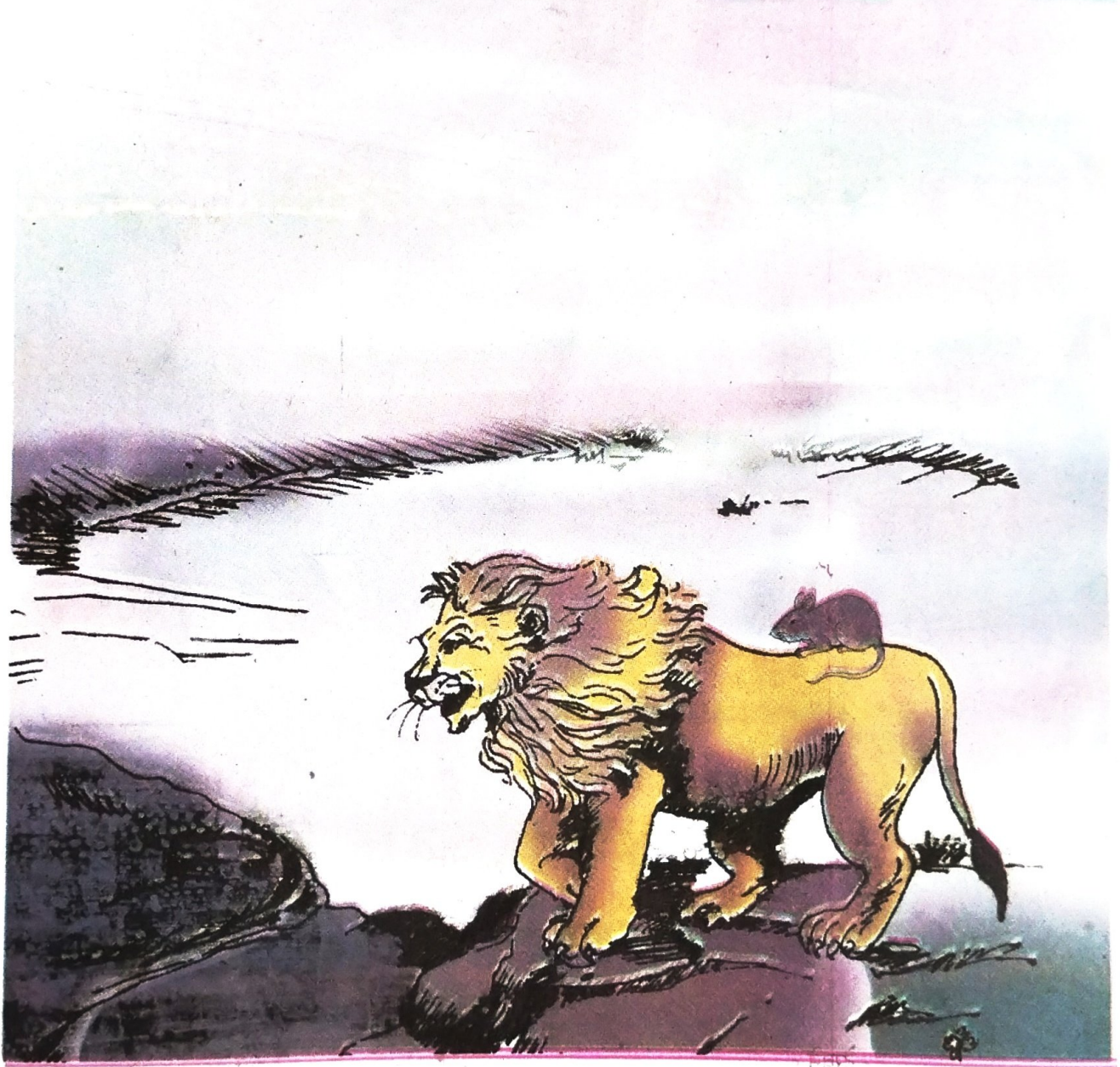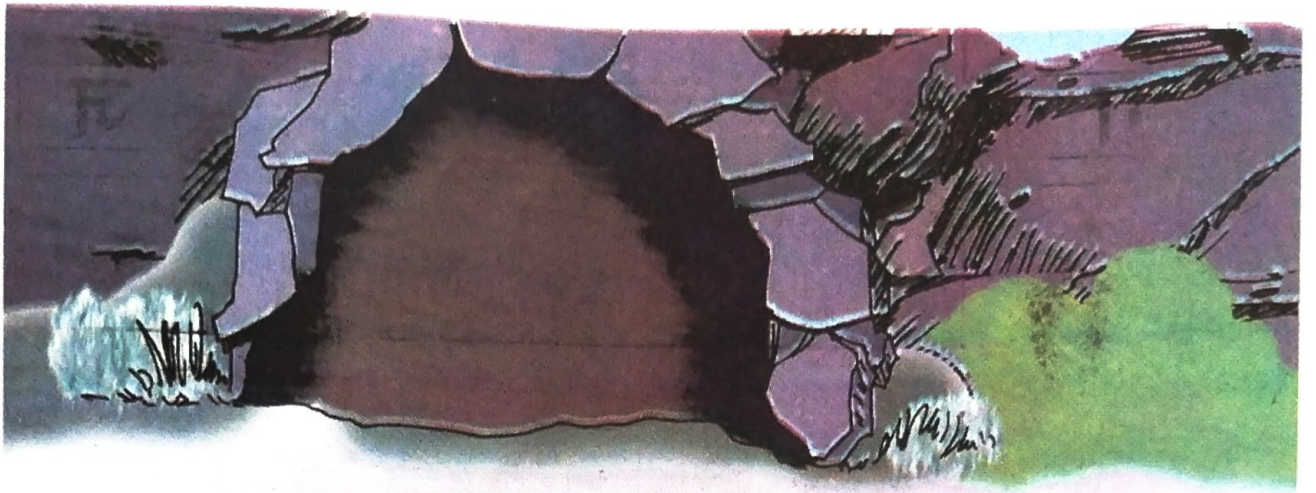
ग	म	न	ल	ज
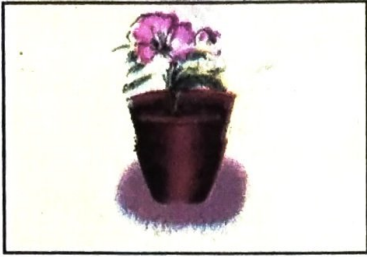
गमला

ग	म	ला

ग

मगर

म	ग	र

म
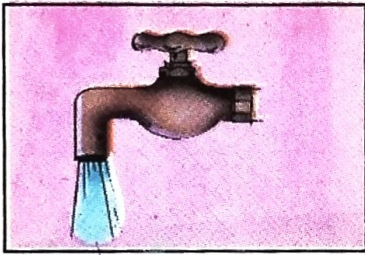
नल

न	ल

न

लड़की

ल	ड़	की

ल
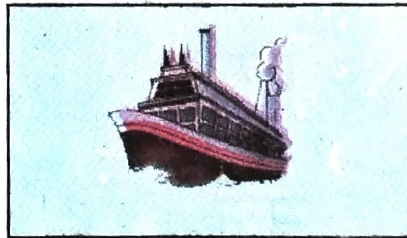
जहाज

ज	हा	ज

ज

शिक्षक संकेत :- पहले चित्र देखने को कहें।.चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात वर्ण से परिचय कराएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।
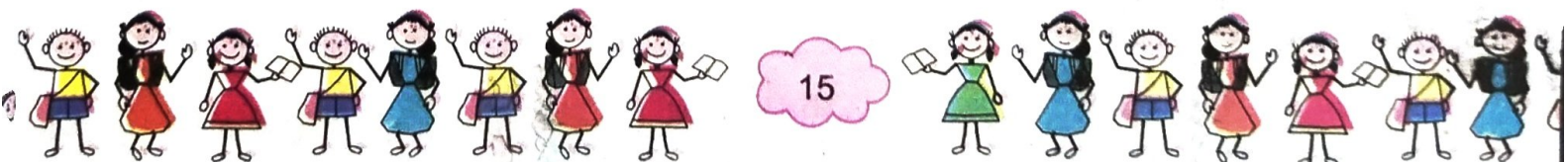
1. वर्ण पहचानो और गोला लगाओ-

जैसे:-

ग	म	(ग)	घ	द
म	ग	न	घ	म
न	म	न	ल	ग
ल	त	न	ल	म
ज	प	त	प	ज

2. पढ़ो-

गम	जग	गगन
मन	मग	मगन
नग	नल	नमन
लग	लगन	जगन

शिक्षक संकेत :- यह अभ्यास कार्य नए सीखे गए वर्णों की पहचान को पुख्ता करने के लिए है। वर्ण की पहचान कराएँ तथा गोला लगवाएँ।
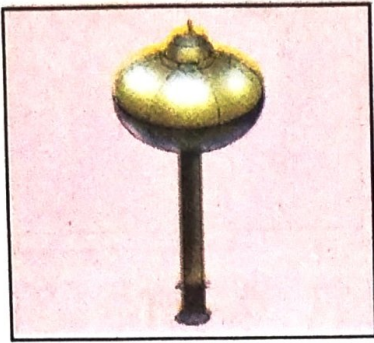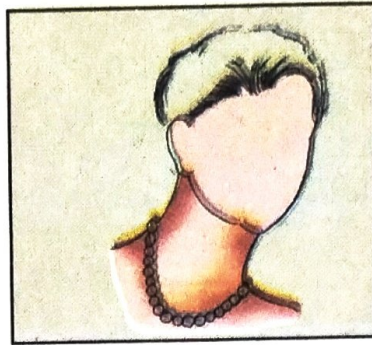
3. चित्र पहचानो, बोलो और लिखो-

गदा गला गणेश

ग

ग
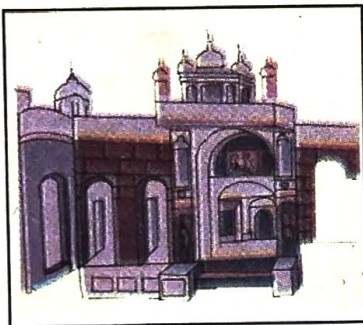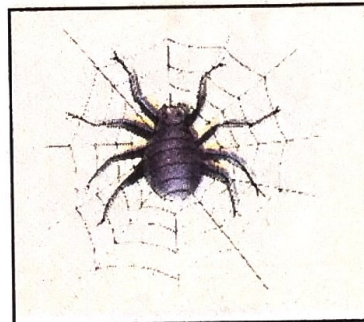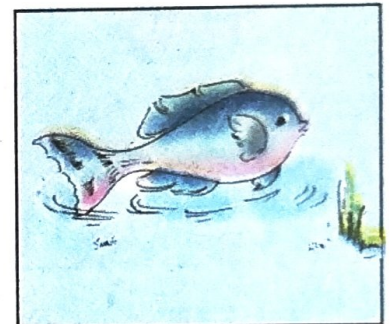
महल मकड़ी मछली

म

म

शिक्षक संकेत :- • बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ एवं चित्र के बारे में चर्चा करें।
• दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

नगाड़ा   नहर   नल

न

न

लट्टू   लड़की   लड्डू

ल

ल
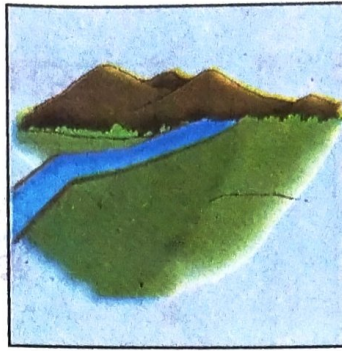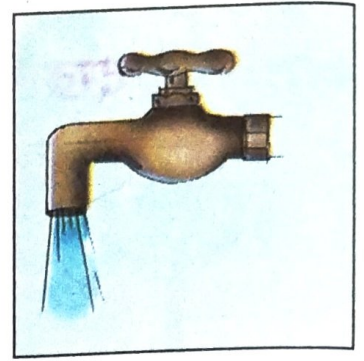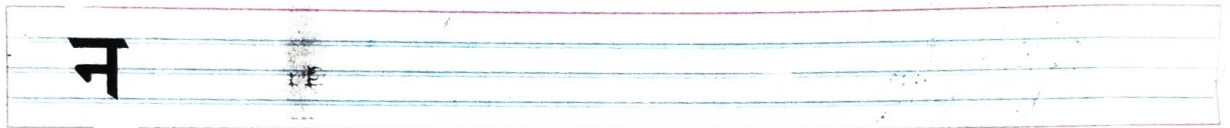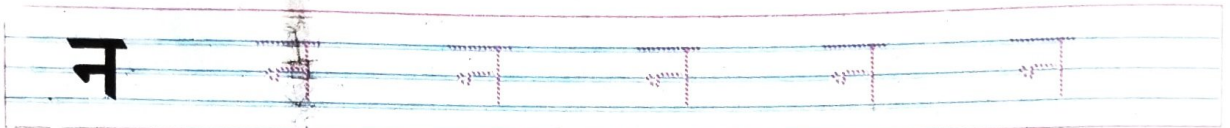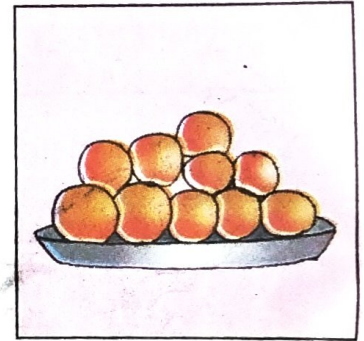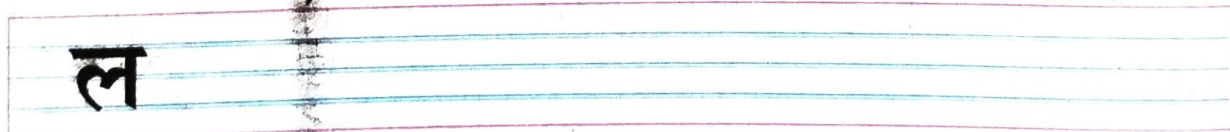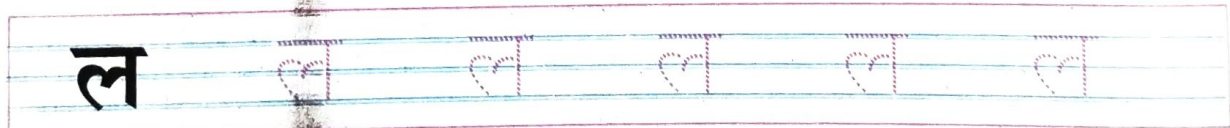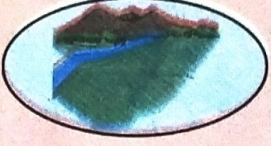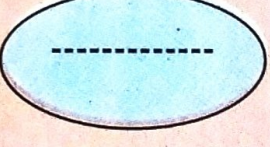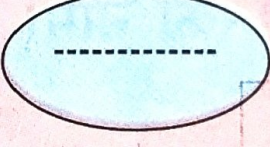
शिक्षक संकेत :- वर्णों को लिखना सिखाने के लिए, मोटे वर्ण के दाहिनी ओर बने वर्णों पर पेंसिल चलवाएँ। बाद में नीचे की पंक्ति में देखकर लिखना सिखाएँ।

4. चित्र देखकर वर्ण पहचानो और लिखो-

5. शब्दों को चित्रों से मिलाओ-

शिक्षक संकेत :- • चित्र की पहचान करवाएँ और उसके नाम के प्रथम वर्ण को खाली गोले में लिखवाएँ, यह गतिविधि वर्ण की पहचान के लिए है। • शब्दों का चित्र से मिलान करवाएँ। इसमें बच्चे वर्ण की पहचान के साथ-साथ शब्द की भी समग्र रूप से पहचान करना सीख सकेंगे।
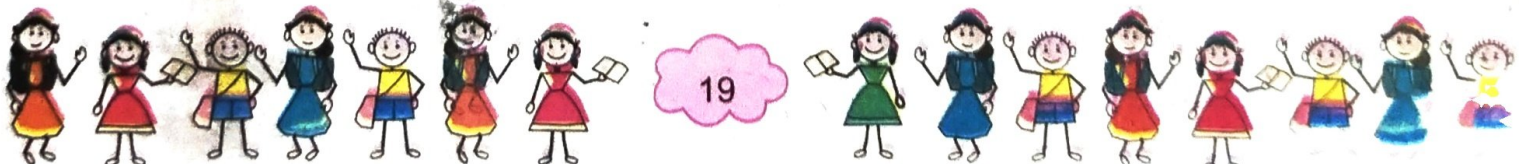
पाठ 8

आम

कच्चे आम पक्के आम
मीठे आम खट्टे आम
करते पेड़ों पर आराम
मुँह में पानी भर आता है
जब हम लेते इनका नाम।

पाठ 8

अ	आ	क	स	र
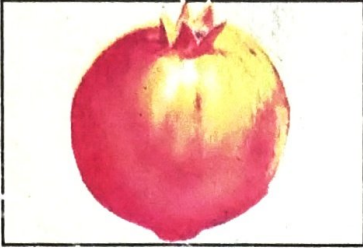
अनार

अ	ना	र

अ

आम

आ	म

आ

कमल

क	म	ल

क
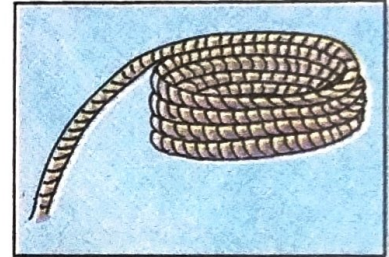
रस्सी

र	स्	सी

र

सड़क

स	ड़	क

स

शिक्षक संकेत :- पहले चित्र देखने को कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात् वर्ण से परिचय कराएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।

1. वर्ण पहचानो और गोला लगाओ-

अ	--	उ	अ	स
आ	--	ऊ	आ	अ
क	--	व	क	ब
ख	--	स	ख	र
र	--	र	स	प

2. पढ़ो-

अज	अमर	अमन
आम	आज	असन
कम	कलम	कमल
सर	सरल	सरगम
रज	रमन	

शिक्षक संकेत:- यह अभ्यास कार्य नए सीखे गए वर्णों की पहचान को पुख्ता करने के लिए है। वर्ण की पहचान करवा कर गोला लगवाएं।

3. चित्र देखो और वर्ण पहचानकर गोला लगाओ
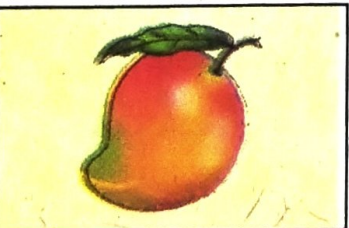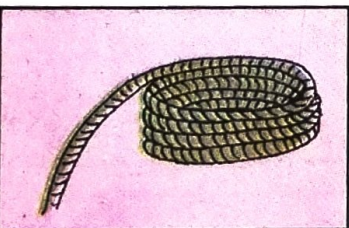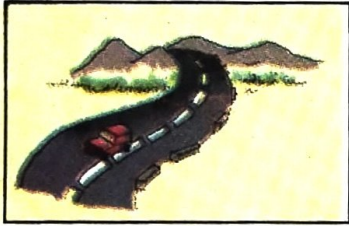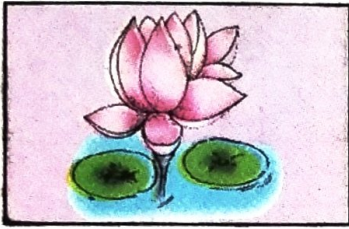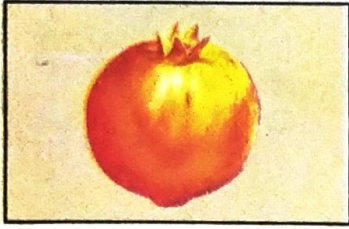
जैसे:-

ऊ	(अ)	आ	ख
च	ख	क	ट
न	स	र	ख
च	क	ज	फ
र	ह	ख	स
उ	अ	आ	क

शिक्षक संकेत:- चित्रों के नाम के प्रथम वर्ण की पहचान करवाकर गोला लगवाएँ। यह अभ्यास सीखे गए वर्ण की पहचान को पुख्ता करने के लिए है।

4. चित्र पहचानों, बोलो और लिखो-

अनार

अलमारी

अजगर

अ

अ

आम

आग

आठ
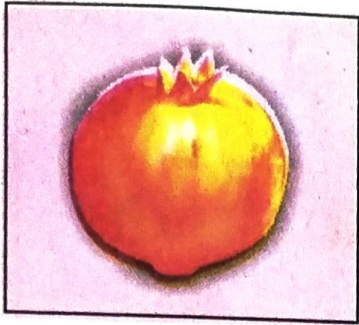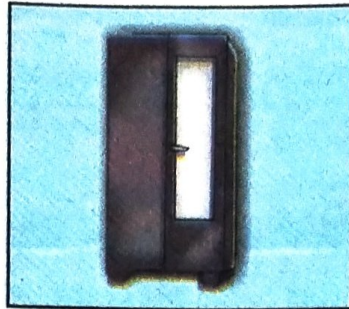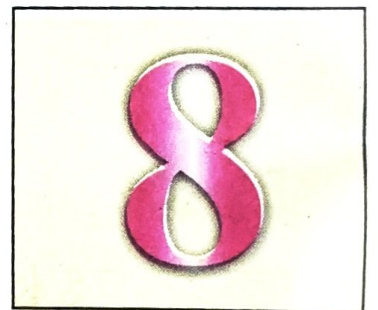
आ

आ

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों में स्ट्रोक के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

कमल कलम कबूतर
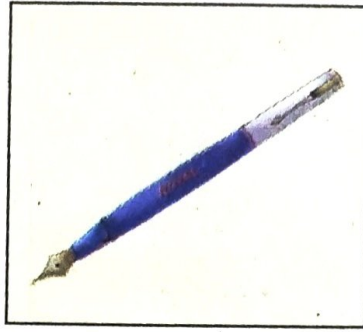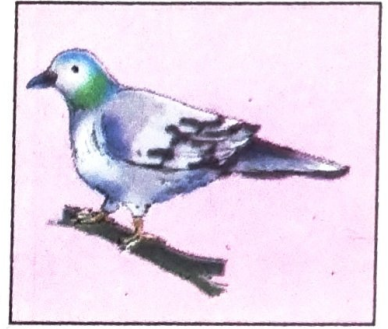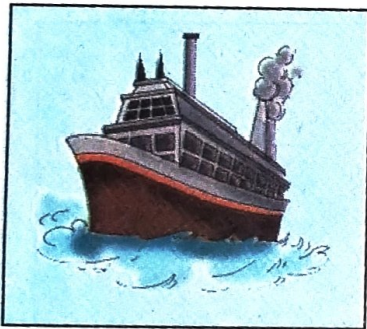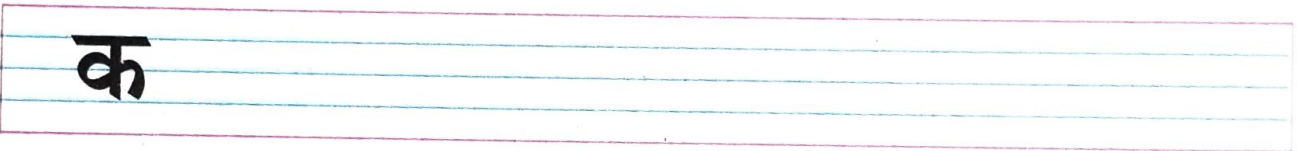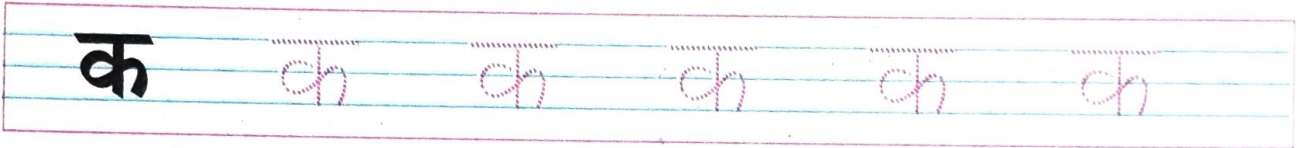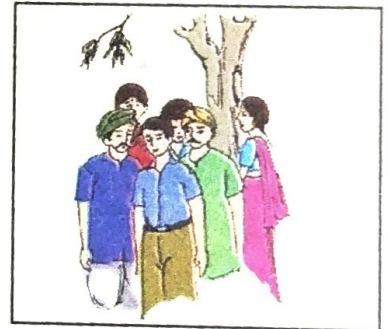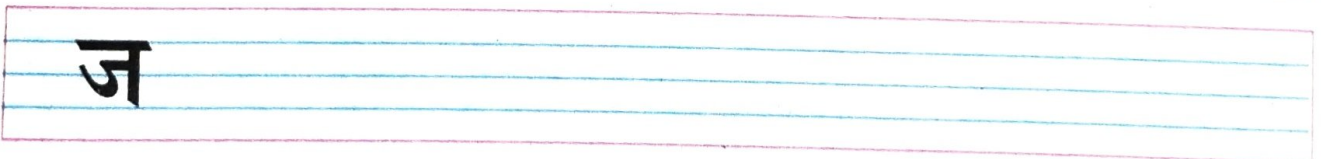
क क क क क क

क

जहाज जग जन

ज ज ज ज ज ज

ज

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों में स्ट्रोक के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।
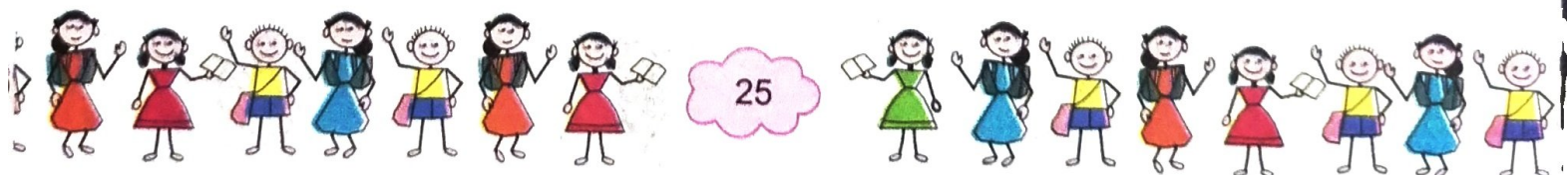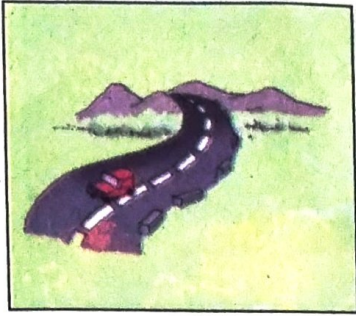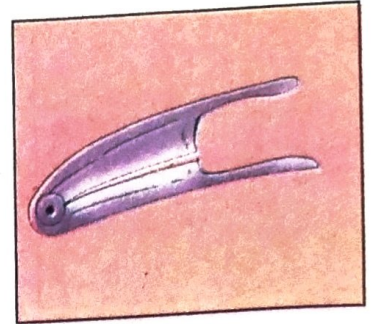
सड़क सपेरा सरौता

स स स स स स

स
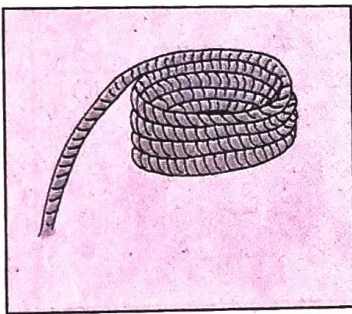
रस्सी रथ रबड़
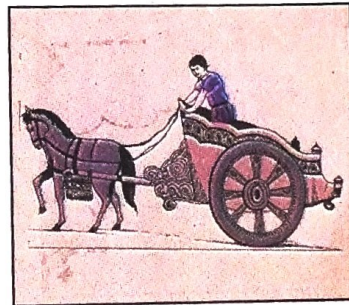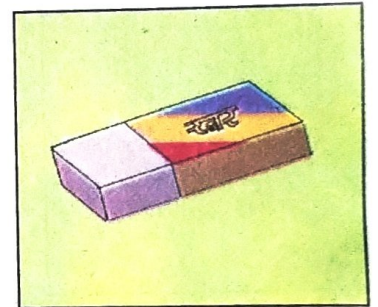
र र र र र र

र

शिक्षक संकेत - बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों में स्ट्रोक के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएं।

5. नए शब्द बनाओ और पढ़ो-

आ	आग	— म	— ज
क	— र	— म	— ल
ज	— ल	— न	— ग
स	— म	— र	— न
र	— स	— म	— ग
म	— न	आ —	क —
न	— र	— स	— म

शिक्षक संकेत - दिए गए वर्णों को खाली स्थानो में भरवाकर नए शब्द बनवाएँ और पढ़वाएँ।

पाठ 9

ढोल बजाओ

ढोल बजाओ ढम, ढम, ढम,
बादल गरजे धम, धम, धम।
बिजली चमके चम, चम, चम,
पानी बरसे छम, छम, छम।
ढोल बजाओ ढम, ढम, ढम
ढोल बजाओ ढम, ढम, ढम।

शिक्षक संकेत :- बच्चों को लय ताल के साथ कविता याद करवाएँ। बरसात के मौसम के बारे में चर्चा करें।

1. बरसात से संबंधित चित्रों पर गोला लगाओ-
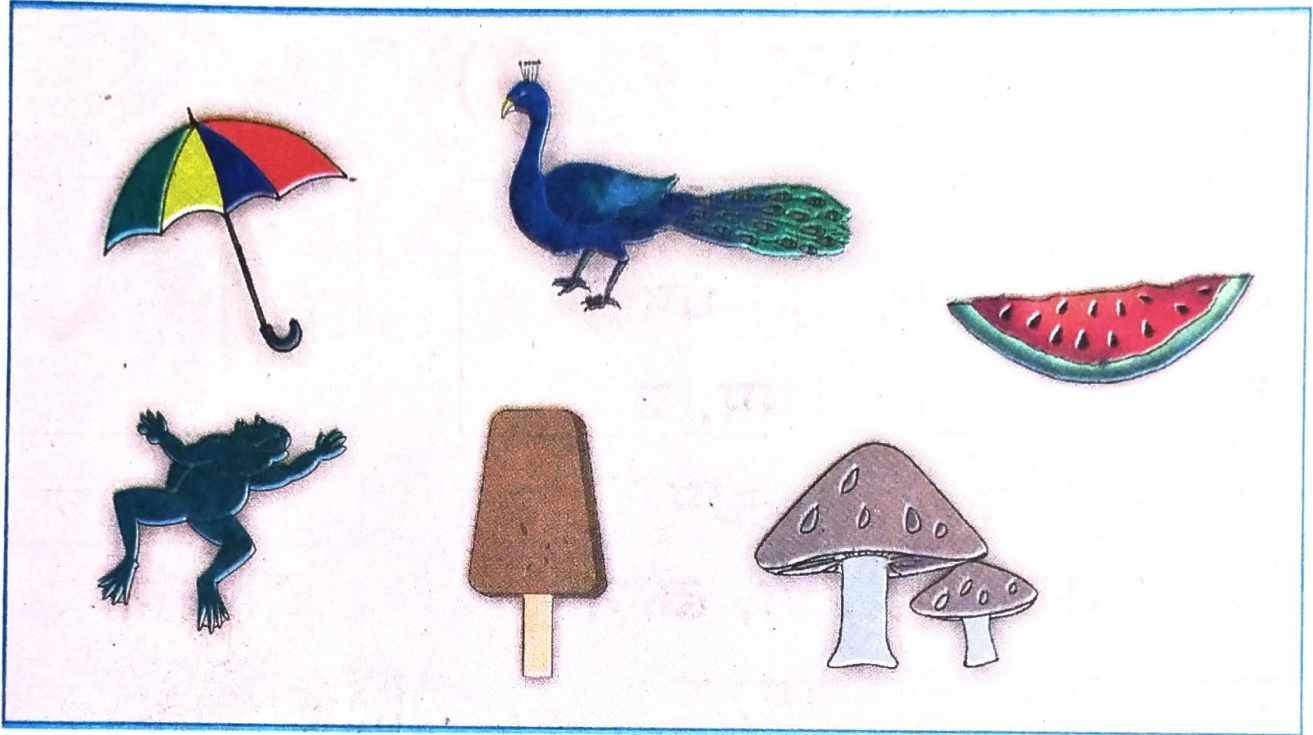
2. मौसम को पहचानकर जोड़ियाँ बनाओ-

शिक्षक संकेत:- बच्चों से मौसम और उससे संबंधित वस्तुओं पर चर्चा करें। उनकी सहभागिता से जोड़ी बनवाएँ और गोला लगवाएँ।

पाठ 10

'आ' (ा)

न	ा	क

नाक

क	ा	न

कान
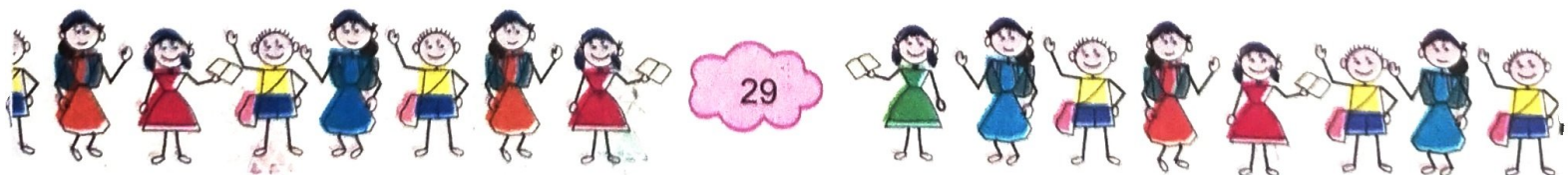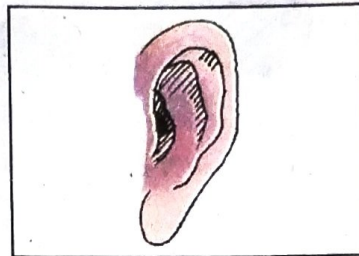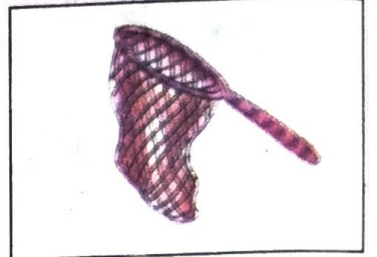
ज	ा	ल

जाल

पढ़ो-

क ग म न ज स र

का गा मा ना जा सा रा

काल गाल माल नाल जाल साल राल

लाल गान मान नाज जान साम राज

नाम राम जाम

गमला **कमला** **मनका**

काम **नाम**	**माल** **जाल**	**मकान** **मलाल**	**कजरा** **सरला**

शिक्षक संकेत :- 'आ' की मात्रा का परिचय करवाएँ। मात्रा लगाकर वर्णों तथा शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

1. खाली जगह भरो और पढ़ो-

जैसे-

का — ···काल, ···ला

ना — ···क, ···म

सा — ···ग, ···र

रा — ···ग, ···ज
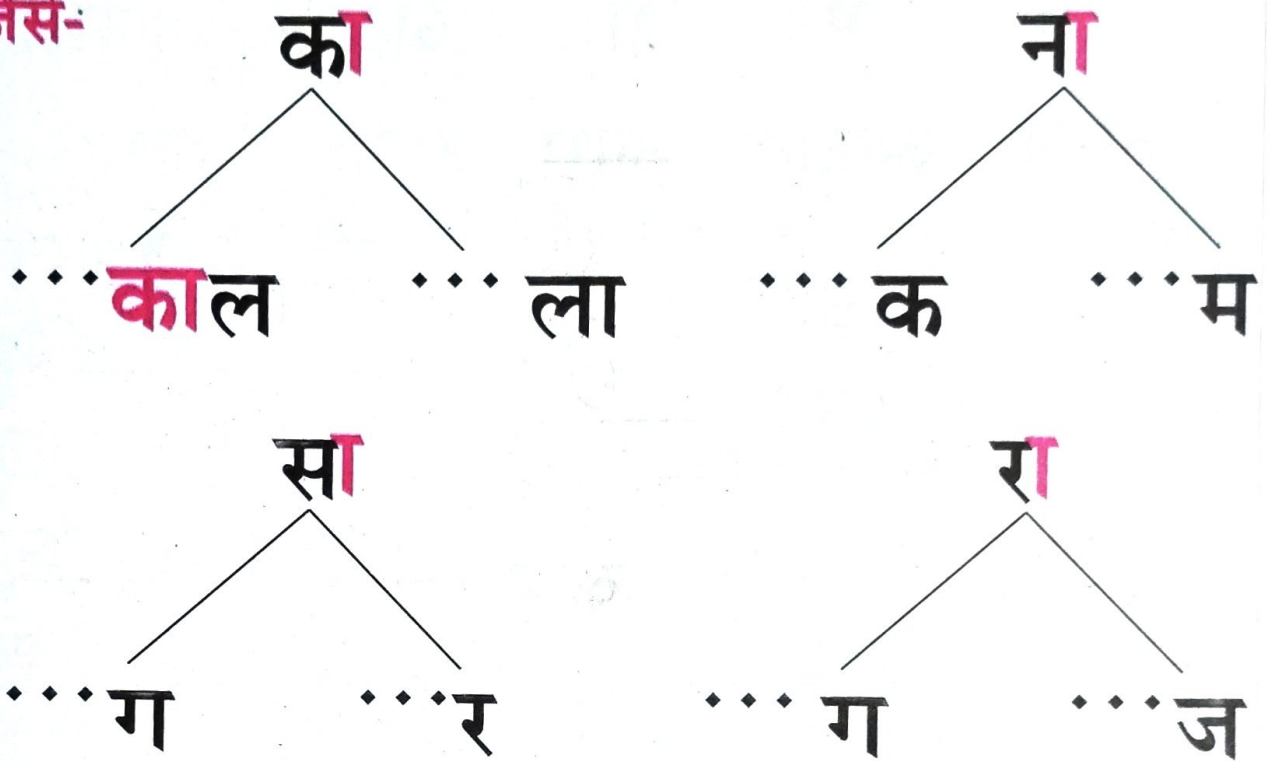
2. नीचे लिखे शब्दों को पलटकर लिखो :-

गाज = जगा

नाम	–	______	मामा	–	______
गाल	–	______	नाना	–	______
नाज	–	______	काका	–	______
राज	–	______	लाला	–	______

शिक्षक संकेत :- दिए गए वर्णों को खाली स्थानों में भरवाकर नए शब्द बनवाएँ और पढ़वाएँ। शब्दों को पलटकर बोलने व लिखने का अभ्यास करवाएँ।

3. 'अ' तथा 'आ' वाले शब्द पहचानो और लिखो-

आम अमर आज अगर अजगर

आजा अकाल आग आना अमन

	'अ'	'आ'
जैसे-	अमर	आम

4. नीचे लिखे शब्दों में 'आ' की मात्रा लगाओ और पढ़ो-

शिक्षक संकेत:- 'अ' तथा 'आ' वर्ण की पहचान करवाएँ तथा 'आ' की मात्रा लगाकर नए शब्द बनवाएँ।

कमला गमला सजा

गगन आ ।

कागज कलम ला।

कमला जा।

आम अनार ला।

कमला गमला सजा।

राम गाना गा।

शिक्षक संकेत :- परिचित वर्णों से बने छोटे-छोटे शब्द तथा वाक्य पढ़वाएँ। प्रत्येक शब्द का उच्चारण करवाएँ। वाक्य पढ़ने का तरीका बताएँ।

पाठ 11

तितली

प्यारी तितली, प्यारी तितली
पंख कहाँ से लाई हो?
तुम रंगों की राजकुमारी
परी लोक से आई हो।

फूल तुम्हें अच्छे लगते,
फूल हमें भी भाते हैं
वो तुमको कैसे लगते
जो फूल तोड़ ले जाते हैं?

पाठ 11

इ	ई	प	व	ब	त

इमली

इ	म	ली

इ

ईख

ई	ख

ई

पपीता

प	पी	ता

प

वन

व	न

व

बकरी

ब	क	री

ब

तबला

त	ब	ला

त
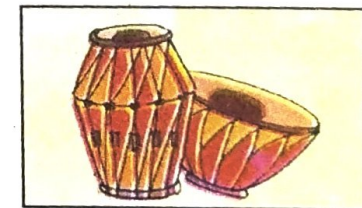
शिक्षक संकेत – पहले चित्र देखने को कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात वर्ण से परिचय कराएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।
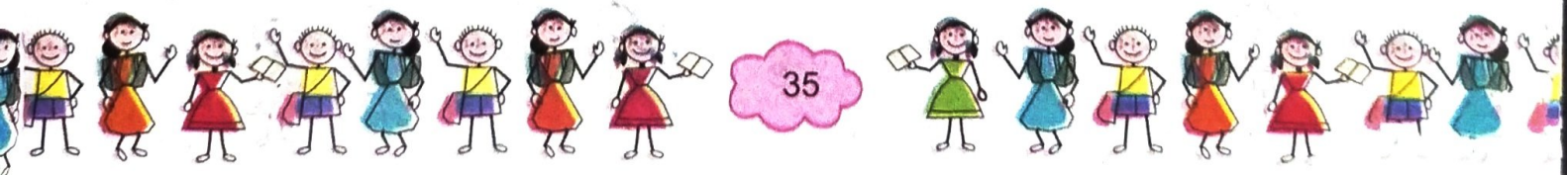
1. शब्दों को उनके पहले वर्ण से मिलाओ-

ईख	बतख	वन
ब	इ	ई
त	प	व
तपन	पवन	इधर

2. समान वर्ण मिलाओ

ब	त	ई	प	व	इ
त	ई	ब	इ	व	प

3. शब्दों को चित्रों से मिलाओ-

ईख

इमली
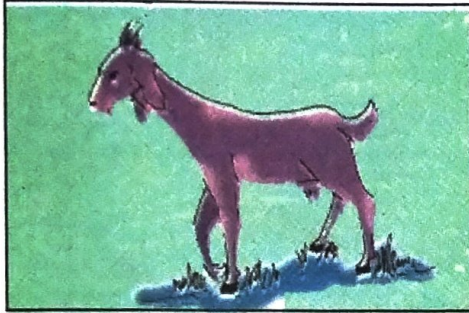
बकरी

वन

पपीता

तबला

4. 'इ' को खोजकर मिलाओ-

5. वर्ण पहचानो और चित्र पर गोला लगाओ-

इ			
ई			
प			
व			
ब			
त			

शिक्षक संकेत - दिए गए वर्ण के अनुसार उनके सामने बने चित्र की पहचान कर चित्र पर गोला लगाएँ। यह अभ्यास सीखे गए वर्ण की पहचान को पुख्ता करने के लिए है।

6. चित्र पहचानो बोलो और लिखो
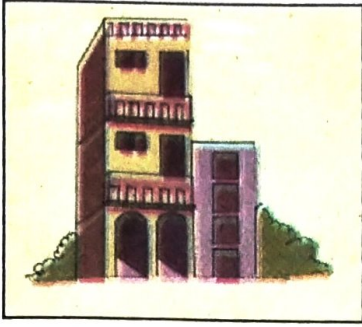
इमारत
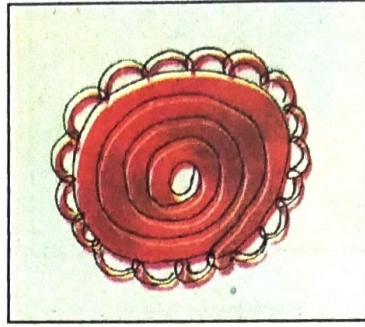
इमरती

इलायची
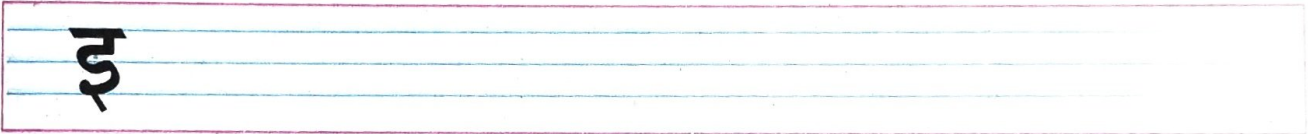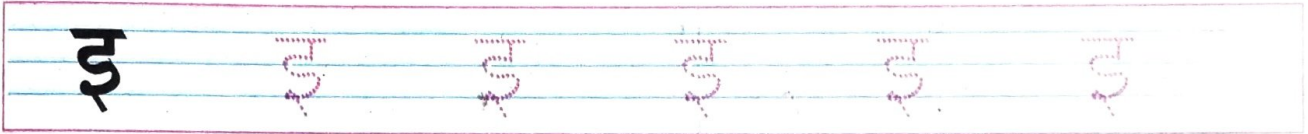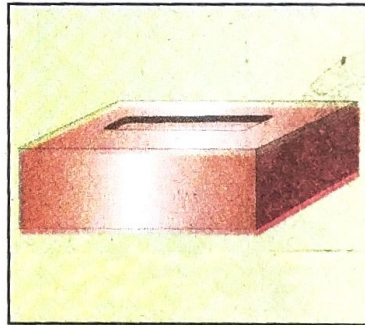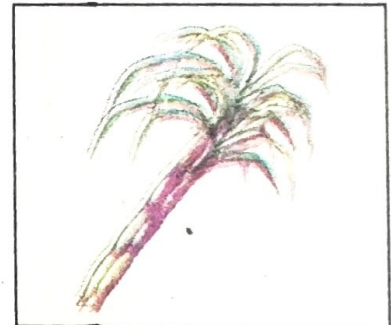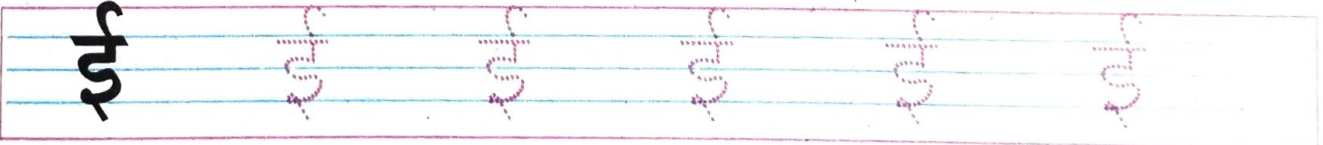
इ इ इ इ इ इ

इ

मसजिद

ईंट

ईख

ई ई ई ई ई ई

ई

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

पलंग

पपीता

पत्र
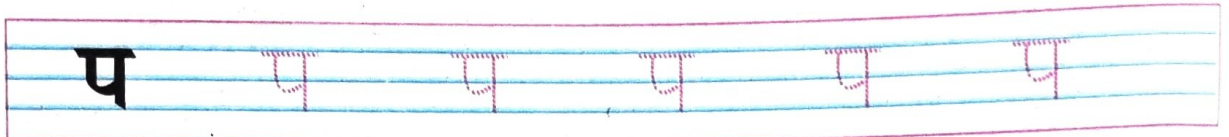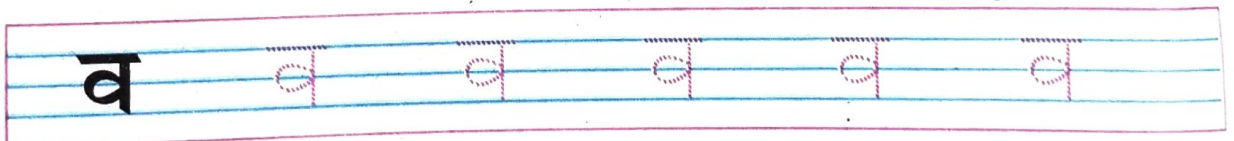
प प प प प प

प

वक

वर्षा

वजन

व व व व व व

व

शिक्षक संकेत:- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

बतख　　बस्ता　　बरगद
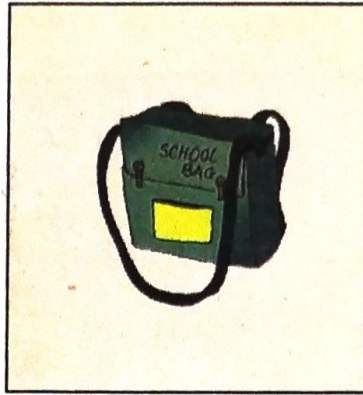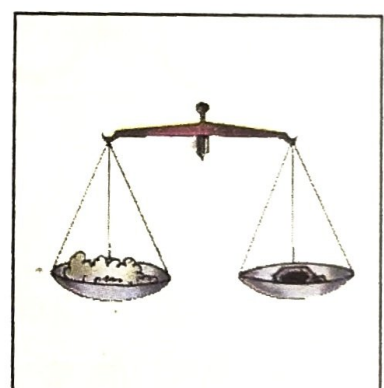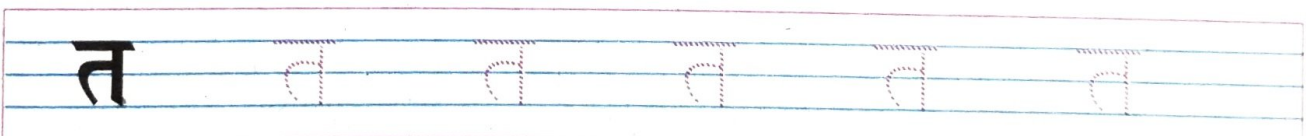
ब

ब

तलवार　　तबला　　तराजू

त

त

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

विविध प्रश्नावली-1

(शिक्षक सभी बच्चों से मौखिक प्रश्न पूछें)

प्रश्न-1 चित्र देखकर नाम बताओ

(अ)
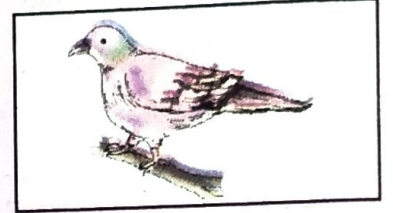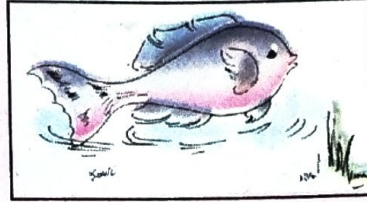
(ब)

प्रश्न-2 किन्हीं पाँच फूलों के नाम बताओ।

प्रश्न-3 किन्हीं पाँच फलों के नाम बताओ।

प्रश्न-4 किसी पालतू पशु के बारे में बताओ।

प्रश्न-5 नीचे लिखे जानवरों की आवाज निकालकर बताओ

बकरी, कोयल, कुत्ता
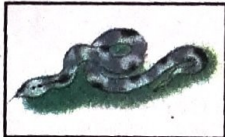
प्रश्न-6 बरसात से बचने के लिए हम किन-किन चीजों का उपयोग करते हैं?
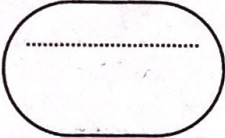
प्रश्न-7 शेर और चूहे की चित्रकथा देखकर सुनाओ।
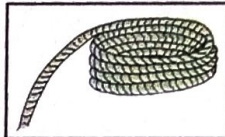
प्रश्न-8 अपने परिवार के सदस्यों के बारे में बताओ।

लिखित

1. चित्र देखकर पहचानो और लिखो-

....

....

....

....

....

....
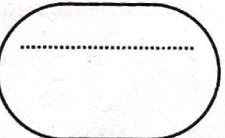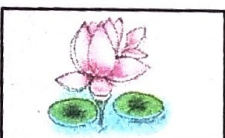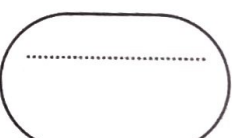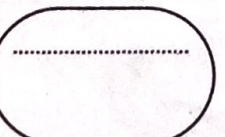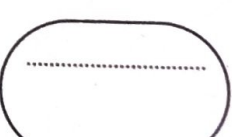
2. चित्र पहचानकर सही वर्ण मिलाओ-

म	ग	ल	प
स	न	म	ग
प	त	ल	स
अ	इ	आ	क
आ	ह	इ	ई

3. चित्र पहचानकर शब्दों से मिलाओ-

अनार
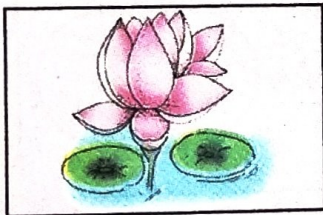
रस्सी

आम
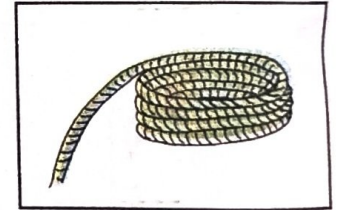
कलम
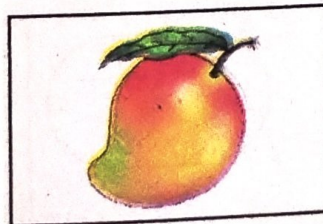
जहाज

सड़क

शिक्षक संकेत:-

● शब्दों का चित्र से मिलान करवाएँ। इसमें बच्चे वर्ण की पहचान के साथ-साथ शब्द की भी समग्र रूप से पहचान करना सीखेंगे।

प्रश्न-4. प्राणियों को उनके घर तक पहुँचाओ -
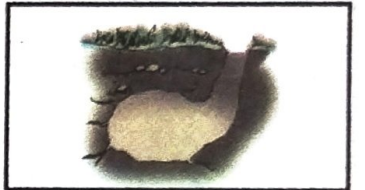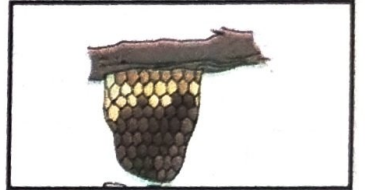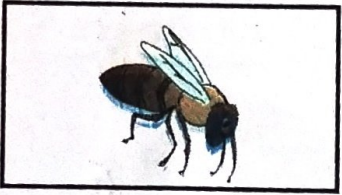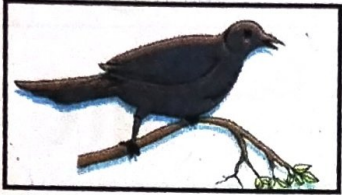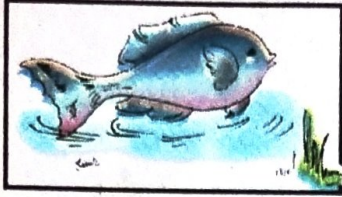
5. प्राणियों को उनके भोजन तक पहुँचाओ-
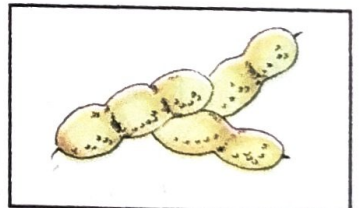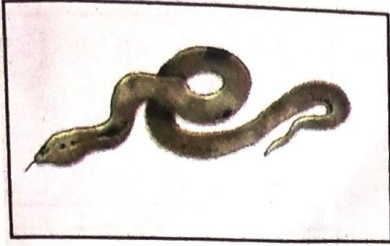
6. चित्र देखकर नाम पूरे करो-

अ___गर   ब___तन   _____वार
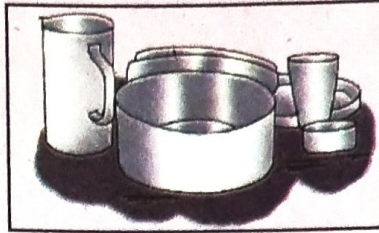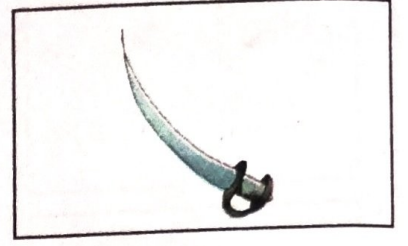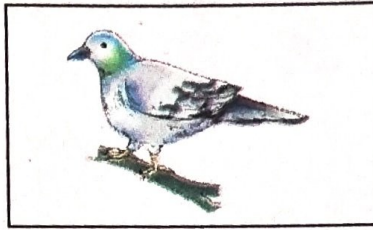
इ___ली   कबू___र   _____ड़क

7. शब्द को पलटकर नये शब्द बनाओ-

लाज - ________	तरा - ________
गम - ________	लगा - ________
मना - ________	मरा - ________

8. चित्र पहचानकर अक्षर मिलाओ-

 ज | त

  न | र

 म | व

पाठ 12
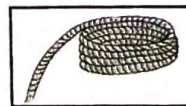
चींटी

छोटी सी चींटी,
शक्कर थी मीठी,
उठा लिया झप से,
खा गई गप से
ये न कभी थकती
काम बहुत करती।
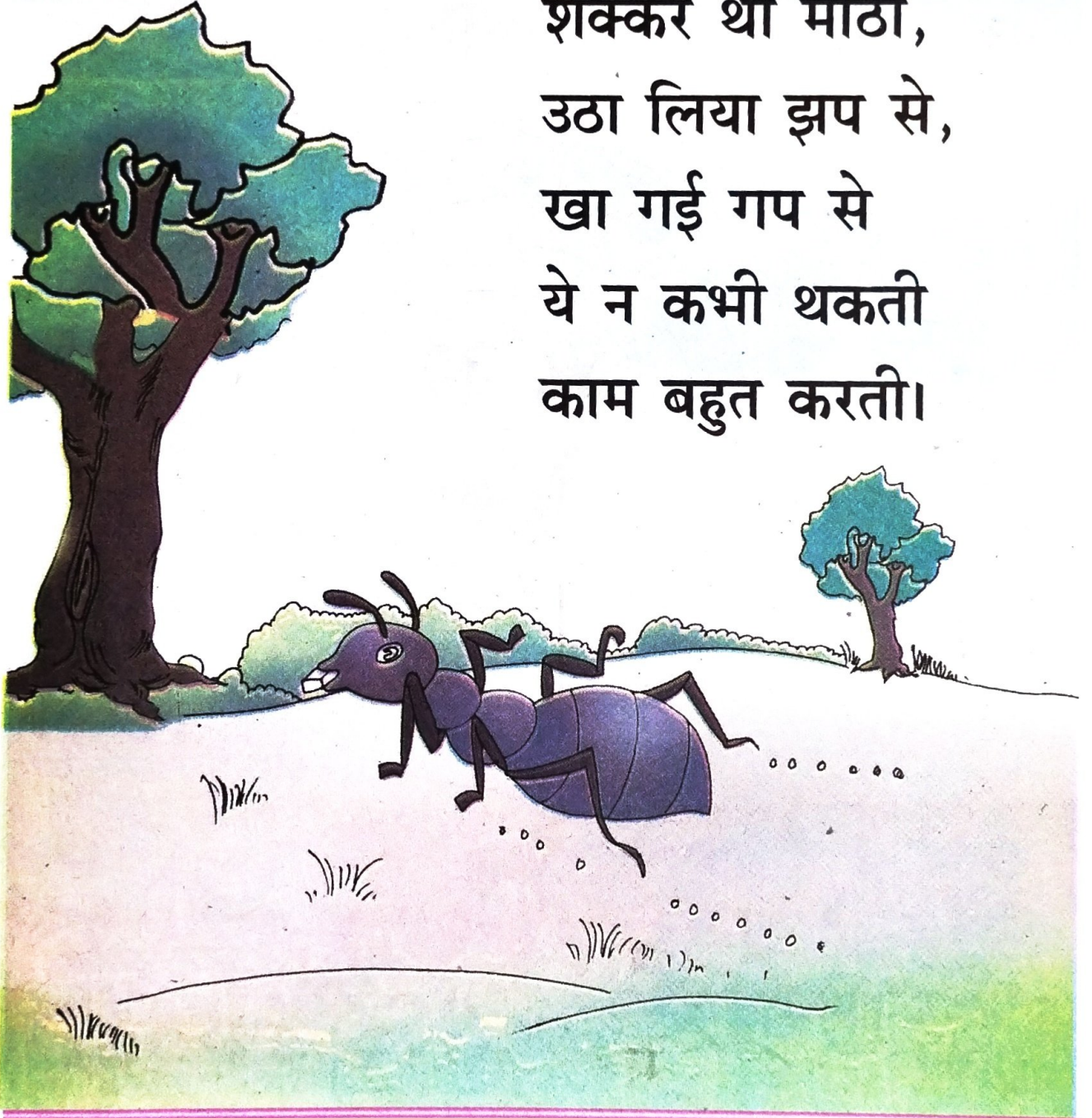
शिक्षक संकेत बच्चों को कविता लयताल हाव-भाव के साथ याद करवाएँ। चींटी क्या खाती है। अन्य पशु-पक्षियों के भोजन पर चर्चा करें।
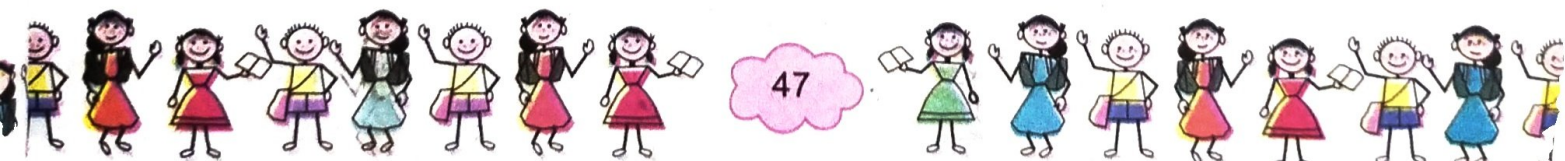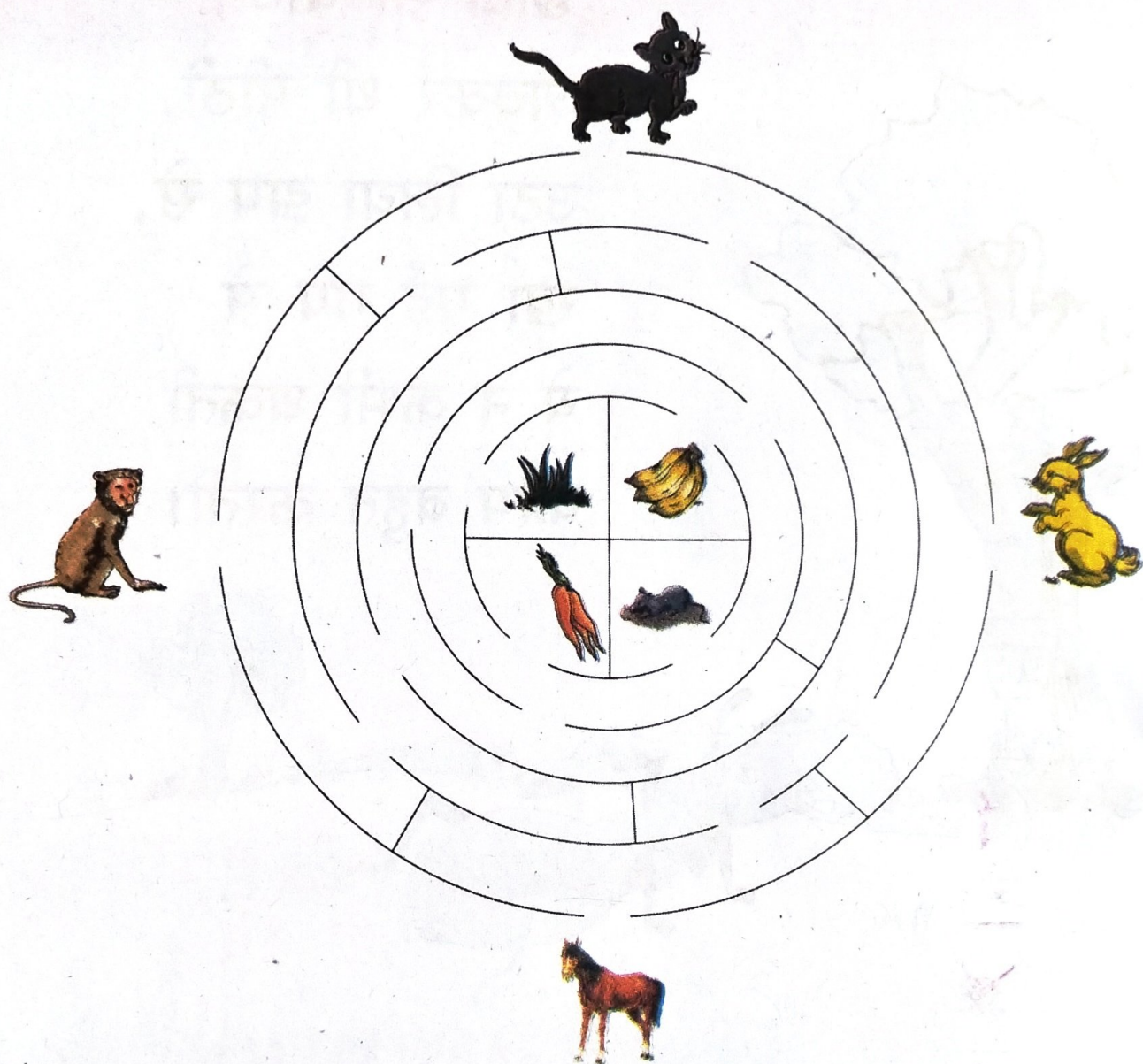
प्राणियों को उनके भोजन तक पहुँचाओ-

शिक्षक संकेत :- पशु-पक्षियों के भोजन पर चर्चा करें। अन्य पशु-पक्षियों के चित्र दिखाकर पूंछे कौन क्या खाता है।

पाठ 13
तितली आई

इ	ि	ई	ी

निब

ि	न	ब

ि

तीर

त	ी	र

ी

गिलास

ि	ग	ल	ा	स

ि

पपीता

प	प	ी	त	ा

ी

साइकिल

स	ा	इ	ि	क	ल

ि
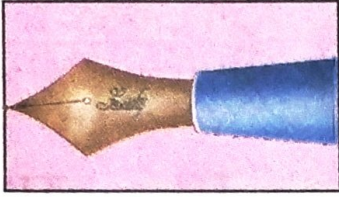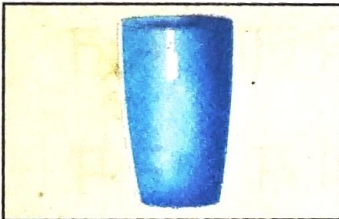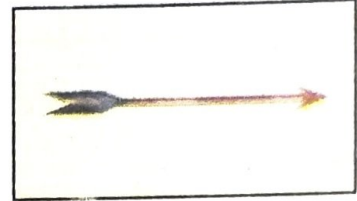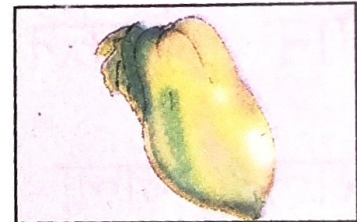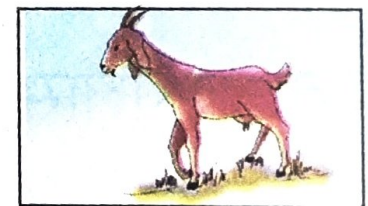
बकरी

ब	क	र	ी

ी

शिक्षक संकेत :- 'इ' तथा बड़ी 'ई' की मात्रा का परिचय करवाएँ मात्रा वाले शब्दों का उच्चारण करवाएँ।
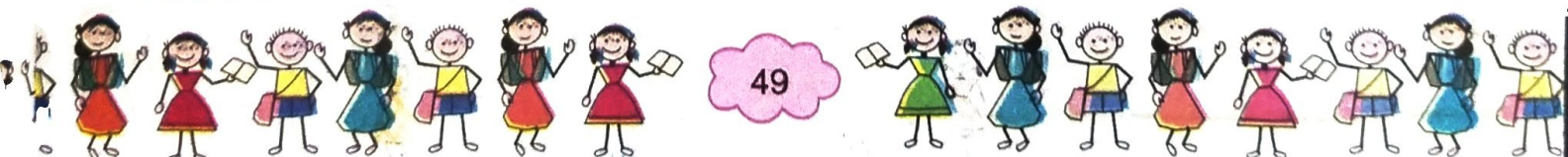
शब्द रचना

इ 'ि' की मात्रा वाले शब्द	ई 'ी' की मात्रा वाले शब्द
गि नि कि सि	गी पी मी सी
जि मि पि	बी नी ती जी
गिन निकल किला	गीत पीला मीत
सिल जिला मिल	सीला बीस नीम
पिन कवि रवि	तीर जीत कली
पिता मति गति	गली नली बनी
पति गिलास निवास	धनी फली गरीब
निकास कितना	गरीबी अमीर अमीरी
	गिनती बिकती विनती

तितली आई

तितली आई, तितली आई
नीली पीली, तितली आई
मीना आजा, राजा आजा
कविता आजा, सविता आजा
आजा सीता, गीता आजा
तितली आई, तितली आई
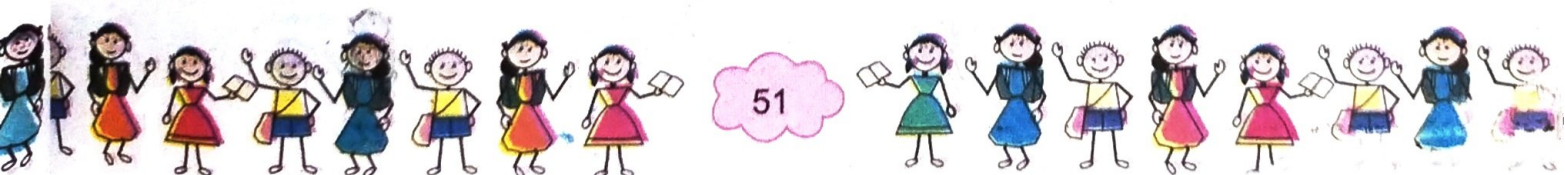
1. पहले वर्ण पर इ (ि) की मात्रा लगाओ-

जैसे- गन	गिन	गलास	गिलास
हल	________	नकास	________
तल	________	कतना	________
जस	________	गनना	________

2. अंतिम वर्ण पर ई (ी) की मात्रा लगाओ-

जैसे- कल	कली	बकर	बकरी
माल	________	गगर	________
पान	________	असल	________
जाल	________	तकल	________

3. सही वर्ण चुनकर शब्द बनाओ-

(ली नि बि री)

जैसे- निकली ....जली

तित....... बक........
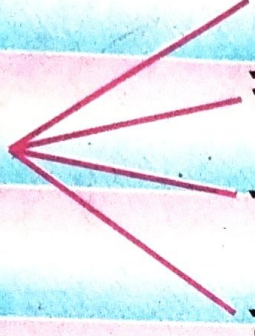
4. मात्रा लगाकर लिखो और बोलो-
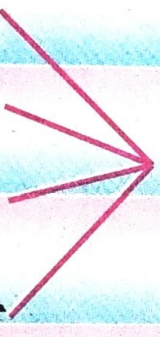
	ा	ि	ी
क	का	कि	की
ग			
ज			
त			
न			
प			
ब			
म			
र			
ल			
व			
स			
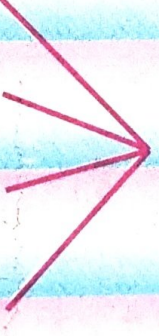
शिक्षक संकेत :- यह अभ्यास मात्राओं को पक्का करने के लिए है। प्रत्येक वर्ण पर मात्रा लगाकर बुलवाएँ तथा लिखवाएँ।

5. पढ़ो और लिखो-

सविता — आ, जा, गा, ला

सविता आ।

____

____

____

किरन, मीना, सीता, कविता — गाना गा

किरन गाना गा।

....

....

....

तितली, बिजली, मीना, कमला — आई

कमला आई।

....

....

....

....
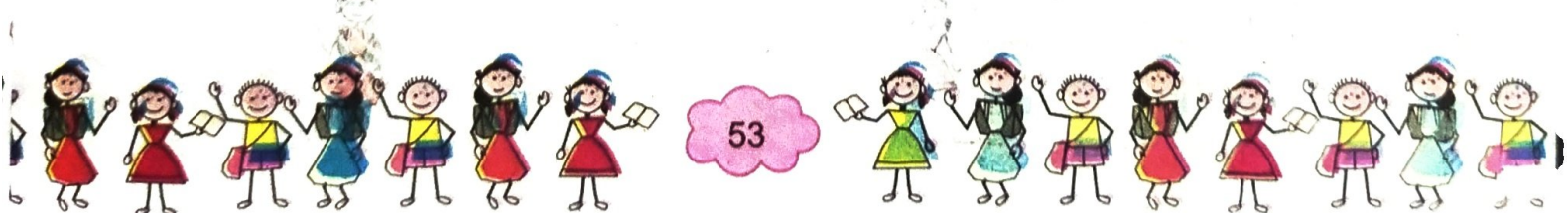
पाठ 14
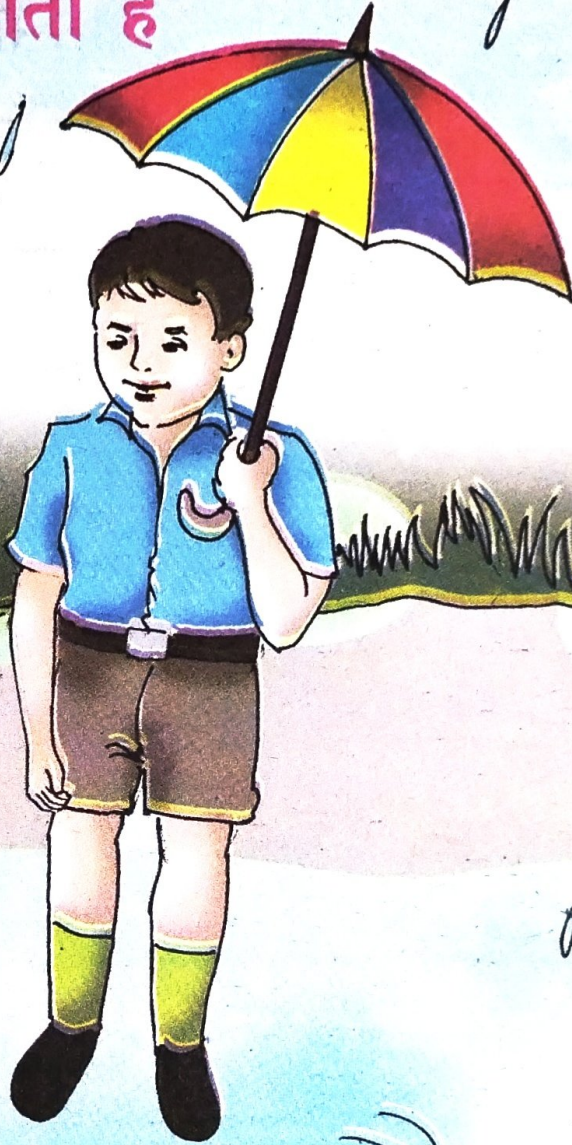
तब-तब ऐसा होता है

विजली धड़-धड़
बादल गड़-गड़
बूँदें पड़ती
पड़-पड़, पड़-पड़
जब बारिश का आए पानी
तब-तब ऐसा होता है

कागज फड़-फड़,
पत्ते खड़-खड़,
द्वार खिड़कियाँ
भड़-भड़, भड़-भड़
जब जोरों की आँधी आती
तब तब ऐसा होता है।

शिक्षक संकेत :- कविता को लय ताल के साथ याद करवाएँ। बच्चों को ऐसी ध्वन्यात्मक कविताएँ अच्छी लगती हैं। ताली बजाने की आवाज, दरवाजा खटखटाने की आवाज और इसी तरह दैनिक जीवन से संबंधित आवाजों पर आधारित गतिविधि करवाएँ।

पाठ 15

कबूतर और जाल

शिक्षक संकेत :- बच्चों को आपस में चित्रों पर बातचीत करने दें। धैर्यपूर्वक सुनने सुनाने के अवसर दें। कबूतर और जाल की कहानी सुनाएँ।

पाठ 16
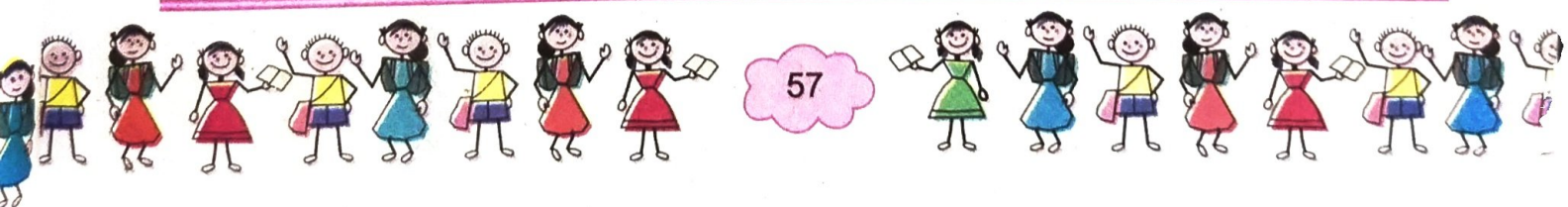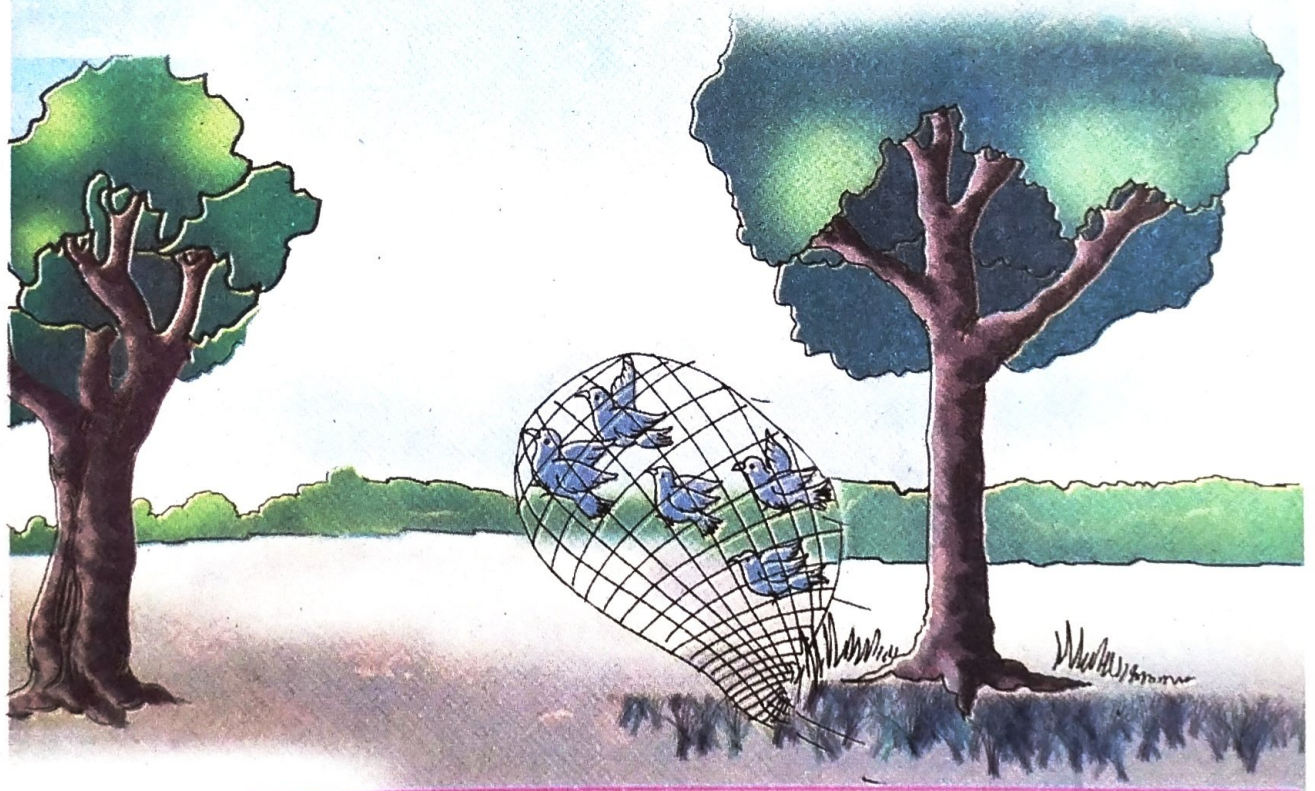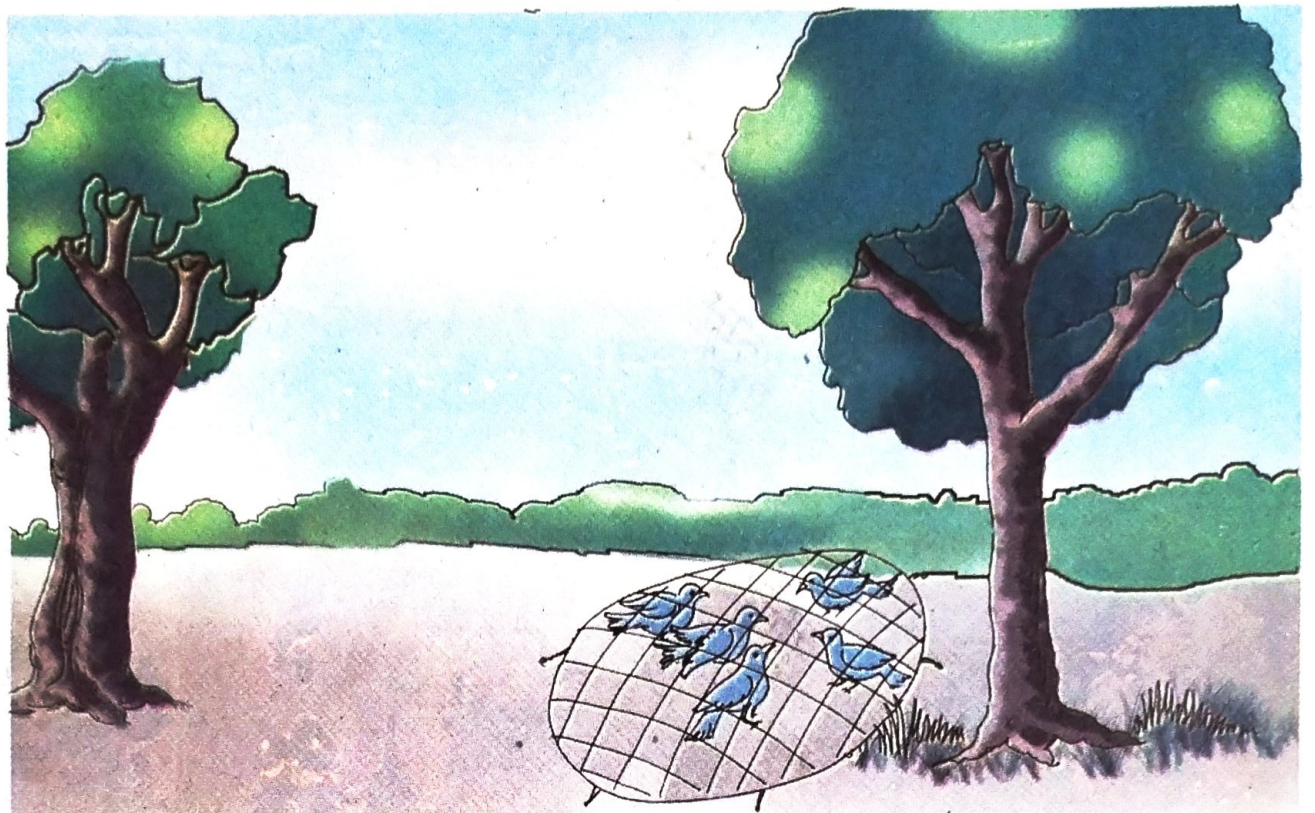
गिलहरी

अरे गिलहरी सुन-सुन-सुन
दाना खा जा चुन-चुन-चुन।
रेशम जैसी पूँछ तुम्हारी
अच्छी लगती काली धारी
कूद-कूद कर चलती है
कितनी प्यारी लगती है।

शिक्षक संकेत:- कविता लयताल के साथ याद करवाएँ। गिलहरी क्या खाती है कैसे खाती है आदि पर चर्चा करें । गिलहरी की पूँछ कैसी होती है। अन्य पशु-पक्षियों की पूँछ कैसी होती है? चित्रों की सहायता से चर्चा करें।

पूँछ मिलाओ

जानवर

पूँछ

पाठ 16

उ	ऊ	च	ख	द	ह

उल्लू

उ	ल	लू

उ

ऊन

ऊ	न

ऊ

चरखा

च	र	खा

च

खरगोश

ख	र	गो	श

ख

दवात

द	वा	त

द
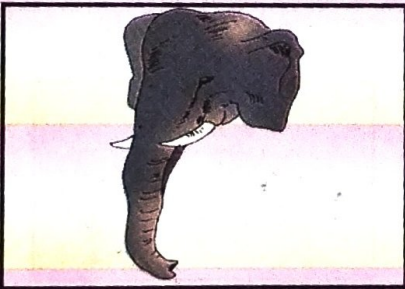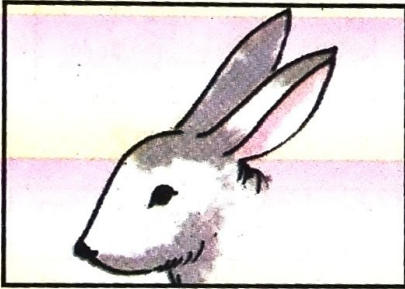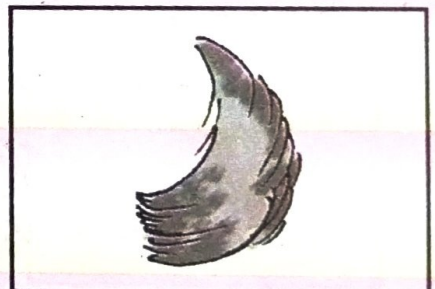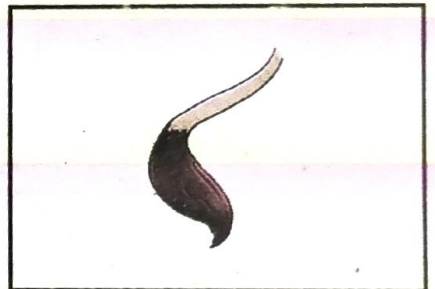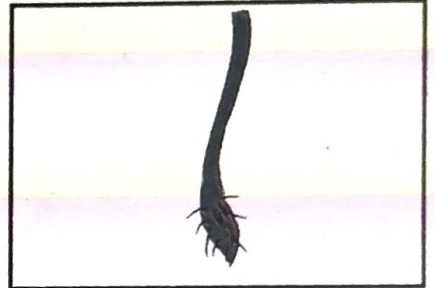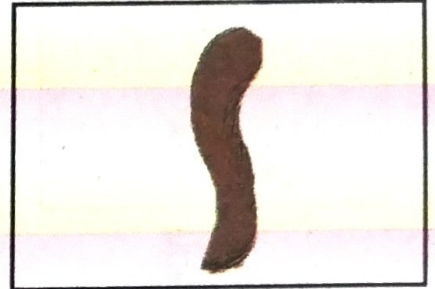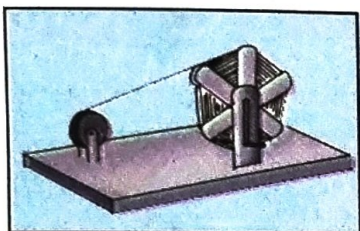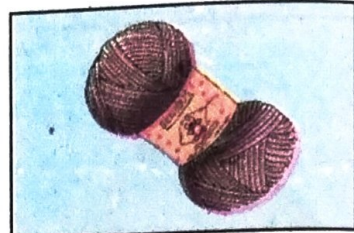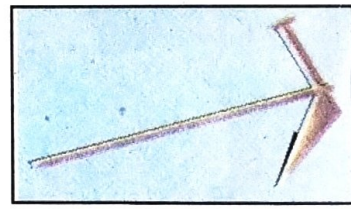
हल

ह	ल

ह

शिक्षक संकेत:-पहले चित्र देखने को कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात वर्ण से परिचय कराएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।

1. समान वर्ण मिलाओ:-

उ — अ, आ, ख, उ, क, उ

द — ट, म, द, प, व, द, ग

ऊ — च, ऊ, ह, ल, ऊ, प

च — ल, स, च, ट, प, च

ह — म, ह, ग, प, च, ह

ख — र, स, ख, म, ख, ग
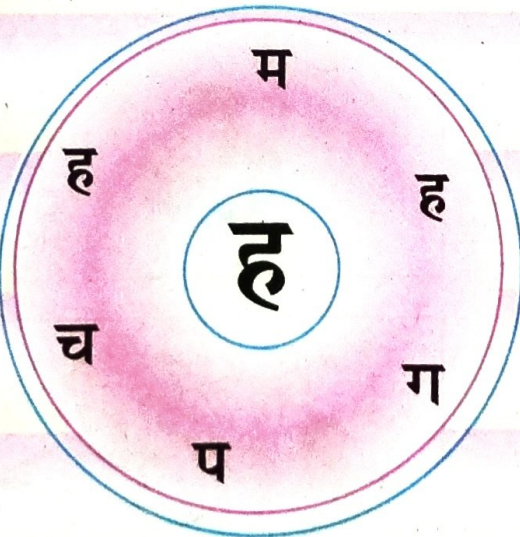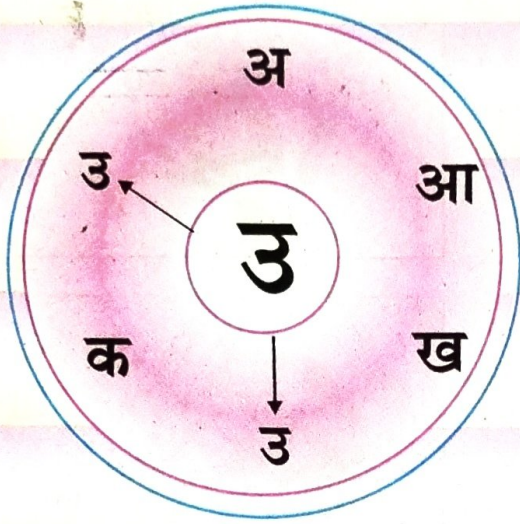
2. चित्र को पहचान कर सही वर्ण से मिलाओ:-

ह

ऊ

उ
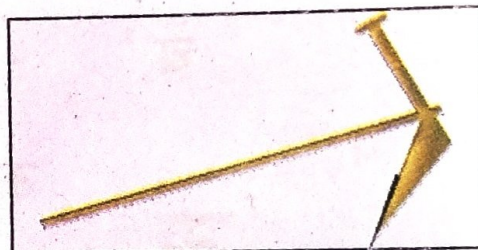
च

ख

द
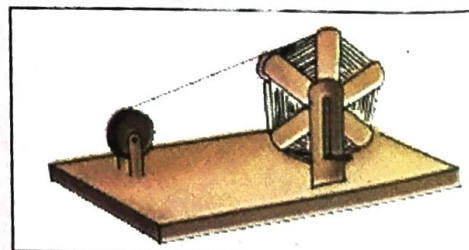
3. चित्र पहचानो बोलो और लिखो-

उल्लू

उपवन
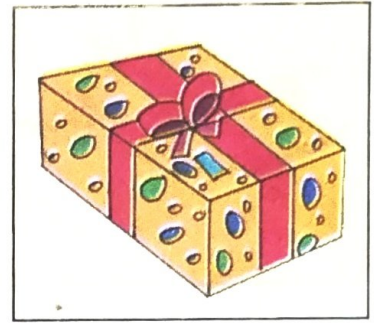
उपहार
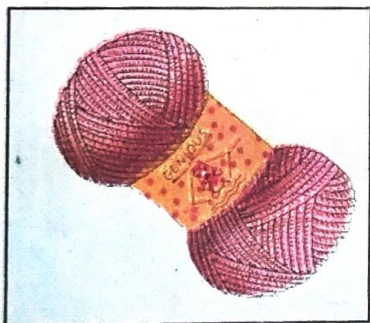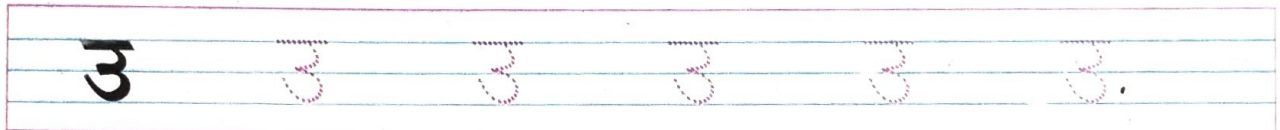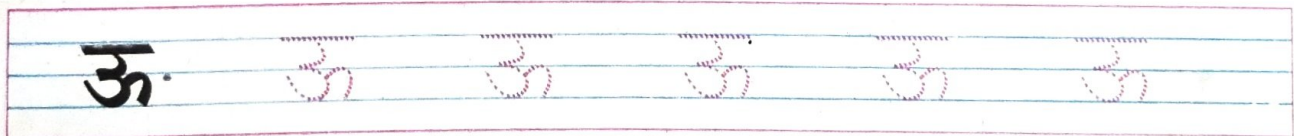
उ उ उ उ उ उ

उ

ऊन

ऊदबिलाव

ऊँट

ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ

ऊ

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।
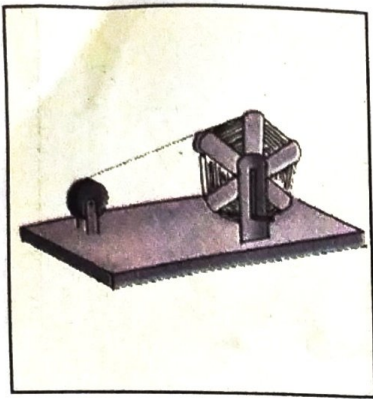
चरखा
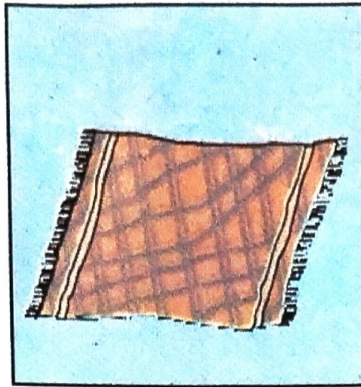
चटाई
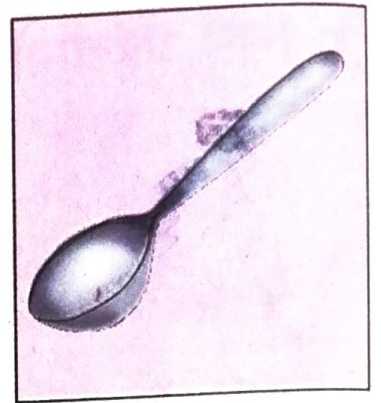
चम्मच

च च च च च च

च

खरगोश
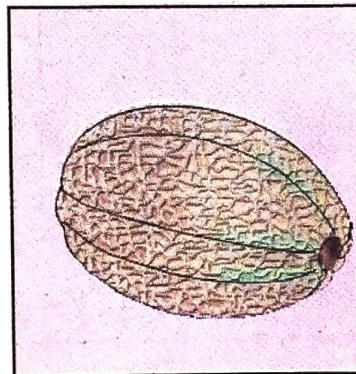
खरबूजा
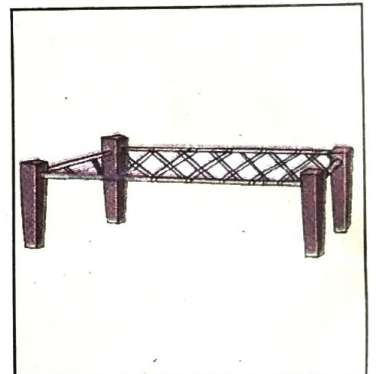
खाट

ख ख ख ख ख ख

ख

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

दवात

दवाई
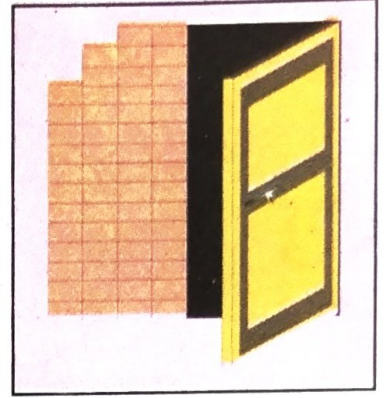
दरवाजा
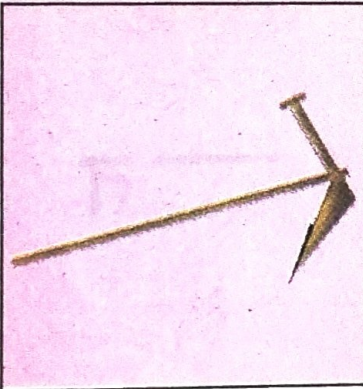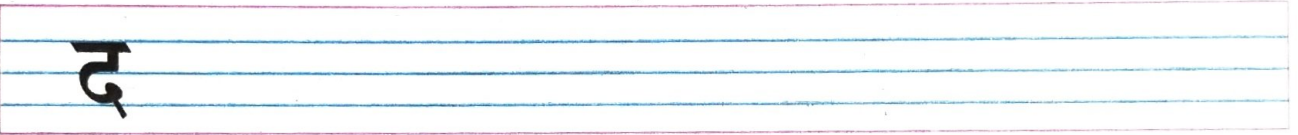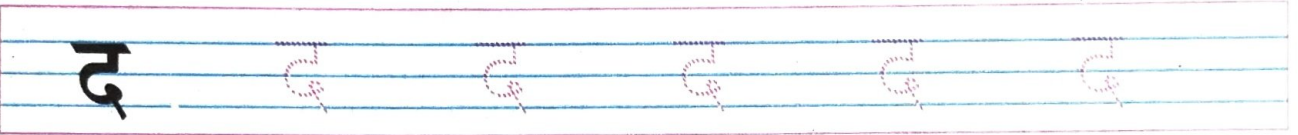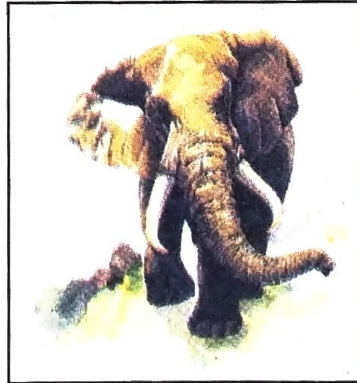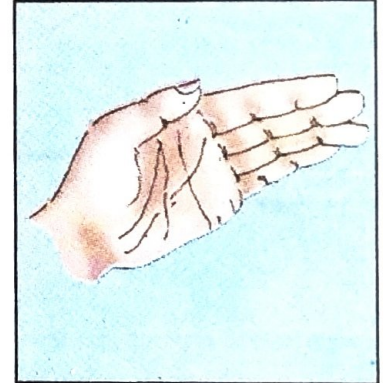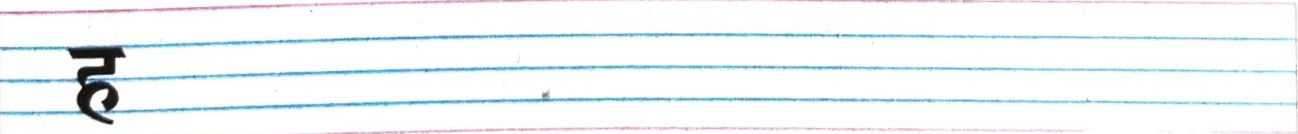
द

द

हल

हाथी

हाथ

ह

ह

शिक्षक संकेत:- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।
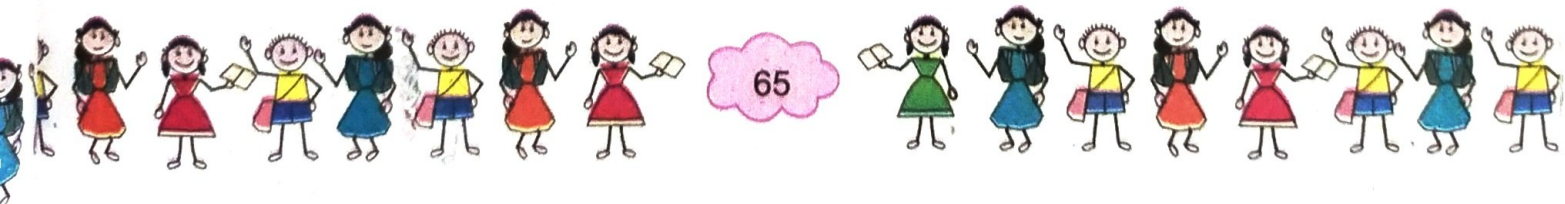
4. नए शब्द बनाओ और पढ़ो-

उ	उग	—स	—र
ऊ	—न	—ब	—ख
च	—ल	—ख	—र
ख	—ल	—ग	—त
द	—ल	—म	—स
ह	—ल	—द	—म

शिक्षक संकेत :- दिए गए वर्णों को खाली स्थानों में भरवाकर नए शब्द बनवाएँ और पढ़वाएँ।

5. चित्र देखकर वर्ण पहचानो और लिखो-

पाठ 17
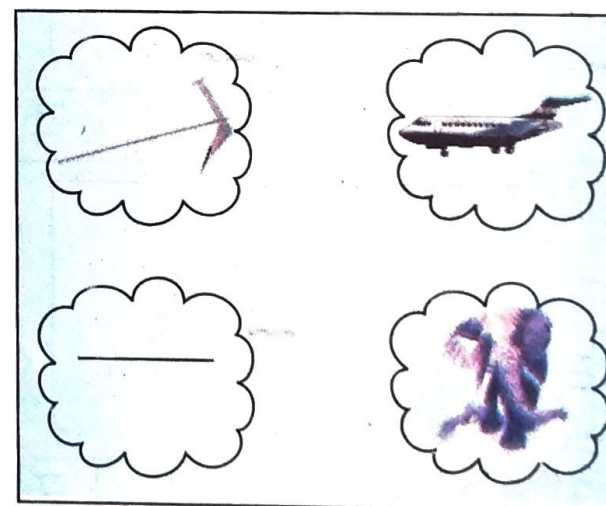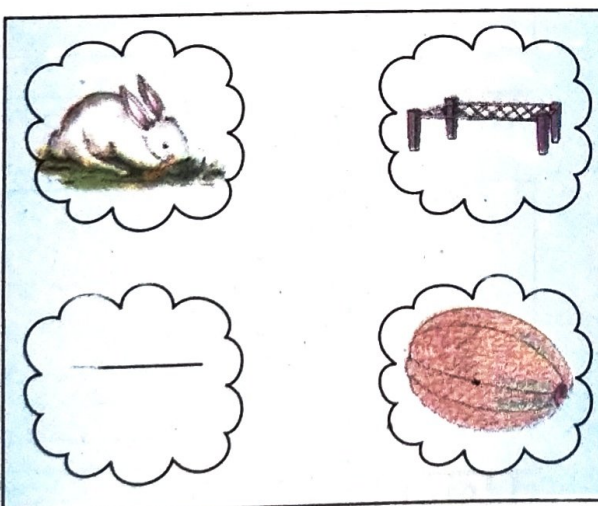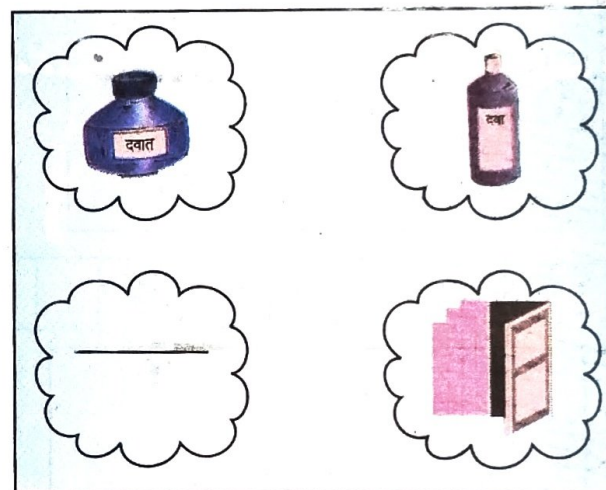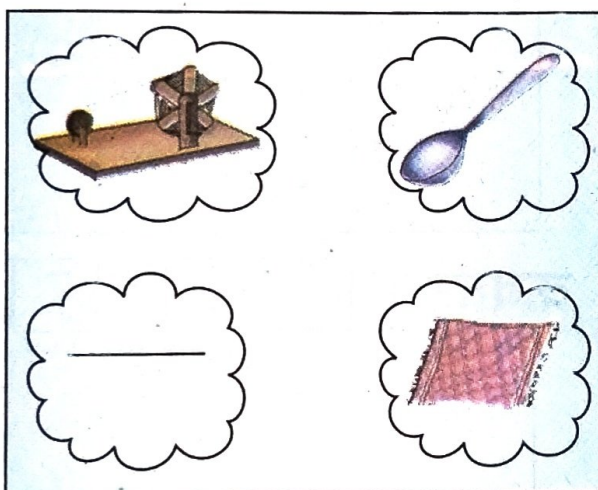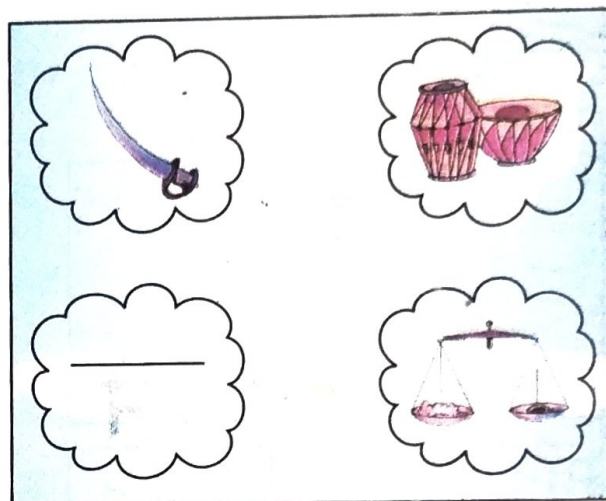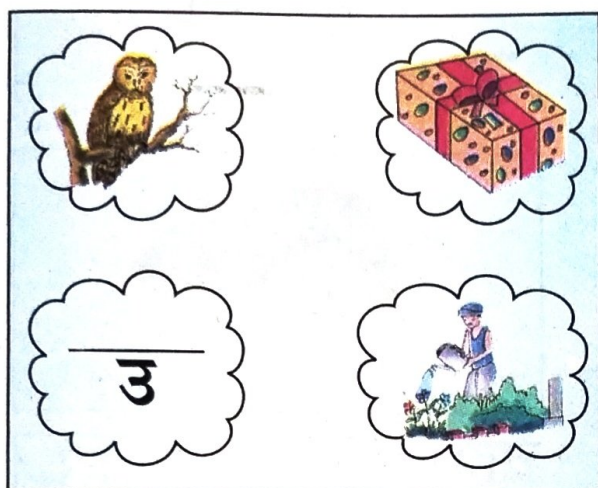
राहुल उपवन जा

उ	ु	ऊ	ू

मुनि	म	ु	ि	न

चूहा	च	ू	ह	ा

बुलबुल	ब	ु	ल	ब	ु	ल

कबूतर	क	ब	ू	त	र

गुलाब	ग	ु	ल	ा	ब

सूरज	स	ू	र	ज
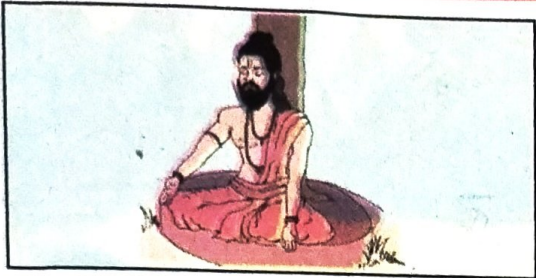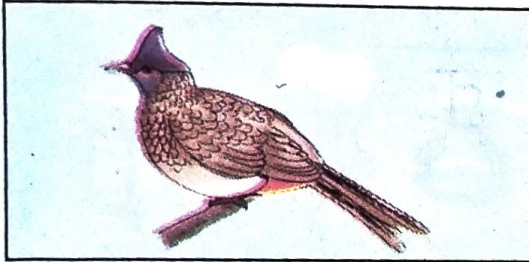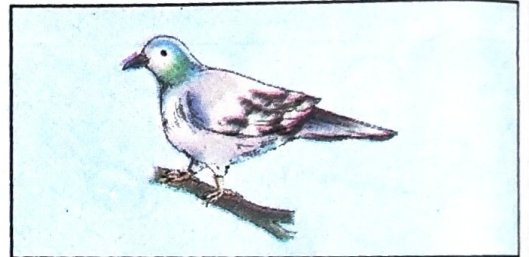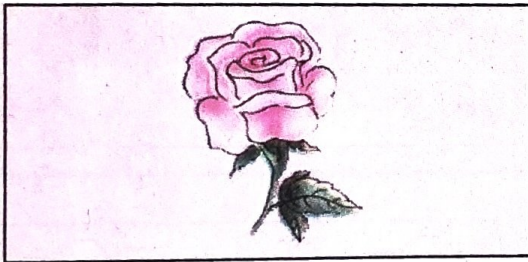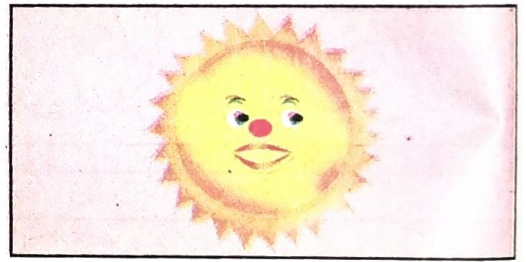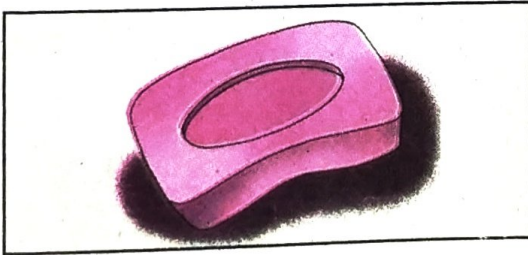
साबुन	स	ा	ब	ु	न
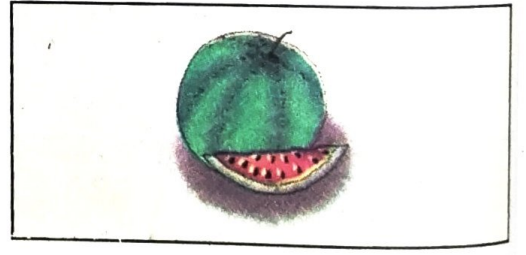
तरबूज	त	र	ब	ू	ज

शिक्षक संकेत :- 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा का परिचय करवाएँ। परिचित वर्णों तथा शब्दों के साथ उच्चारण करवाएँ।

शब्द रचना

उ ' ु ' की मात्रा का प्रयोग

चु खु दु मु बु गु कु

चुप खुल दुम मुख बुन गुल कुल

सुना खुला तुला बुला

दुकान पुकार बुखार हलुआ तुलसी

बुलबुल चुनमुन

'ऊ' ू की मात्रा का प्रयोग-

कू खू मू दू सू

कूद खून मूल दूब सूप

बालू आलू चाकू बापू

मूली सूती पूरी

कपूर पूरन चूरन सूरज चूनर
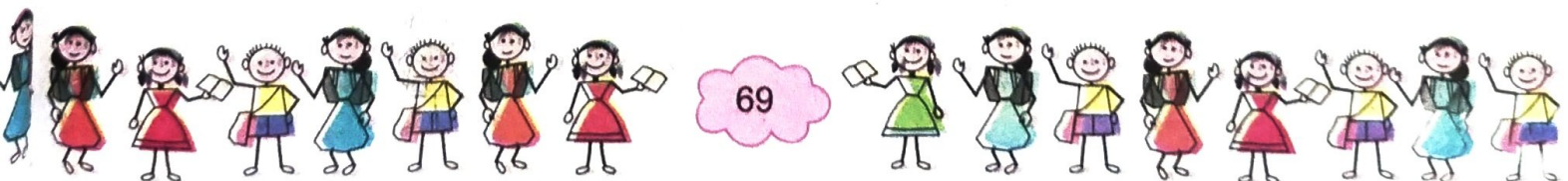
1. चित्र देखो और मात्रा लगाकर शब्द लिखो-

चहा

पल

झला

आल
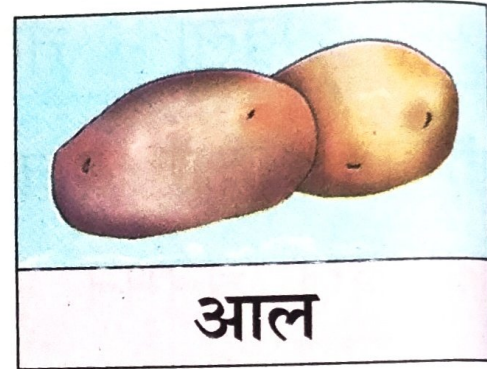
2. मात्रा लगाकर नए शब्द बनाओ-

		'उ' ु	'ऊ' ू
जैसे-	सत –	सुत	सूत
	कल –	______	______
	तल –	______	______
	सर –	______	______
	चन –	______	______
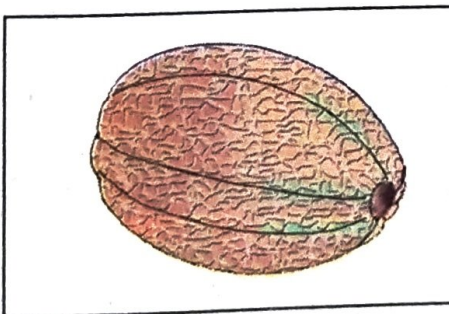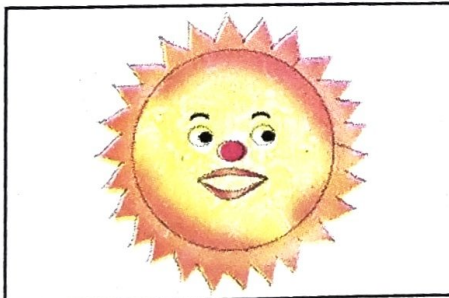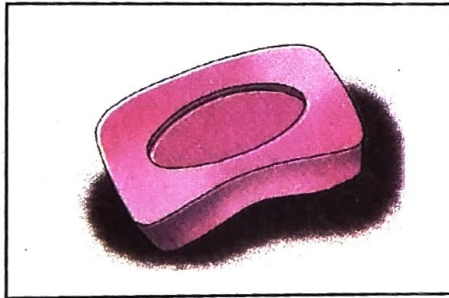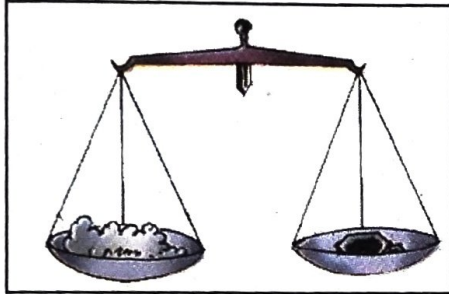
3. चित्र का शब्द से मिलान करो-

साबुन

सूरज

गुलाब

तराजू

तरबूज
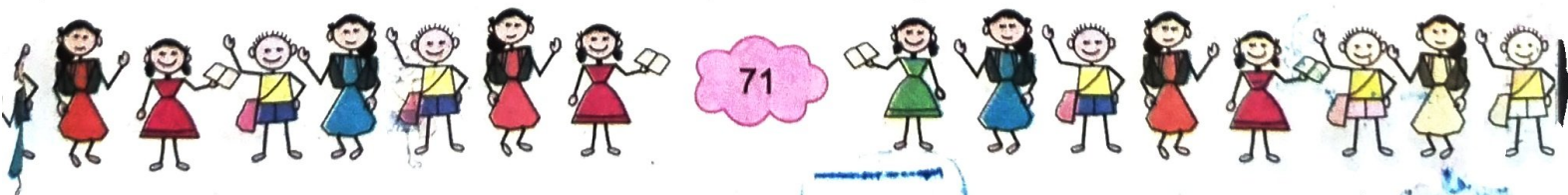
4. 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा लगाकर शब्द पूरे करो-
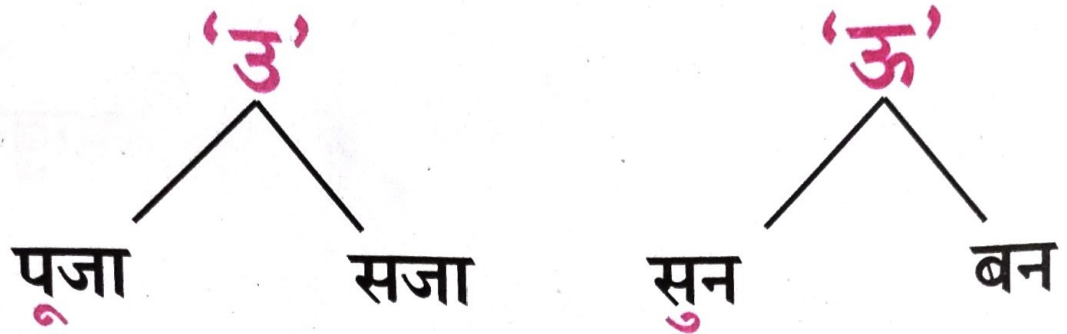
5. 'उ' तथा 'ऊ' की मात्रा वाले शब्द पर गोला लगाओ-

उ	– आलू, मुख, पूरी
ऊ	– तनु, टापू, पुल, बापू
उ	– सुर, खून, चुन, मूल
ऊ	– पुकार, कपूर, रुक, चूरन
ऊ	– बुलबुल, पतलून, तुलसी, करतूत

6. 'उ' व 'ऊ' के शब्द छाँटकर दिए गए स्थान पर लिखो-

कुसुम

उजाला

पूजा

ऊन

सुन

दूध

पुल

ऊपर

पुराना

उजाला

उपला

कूद

'उ'

'ऊ'
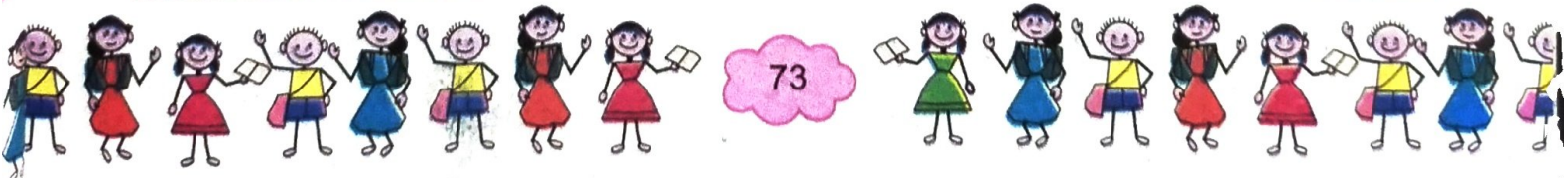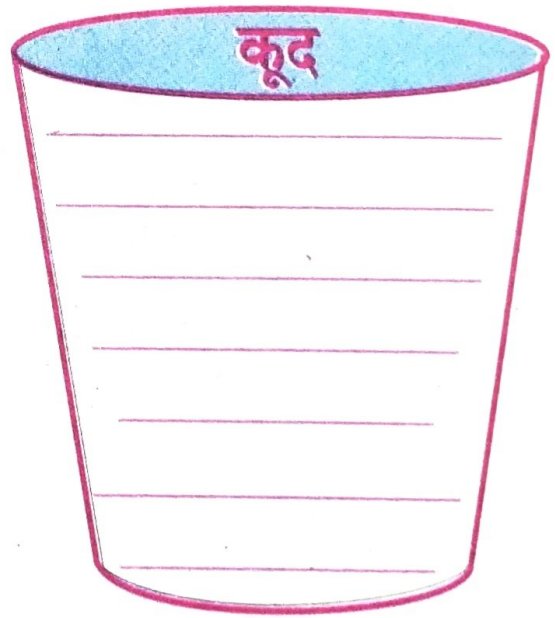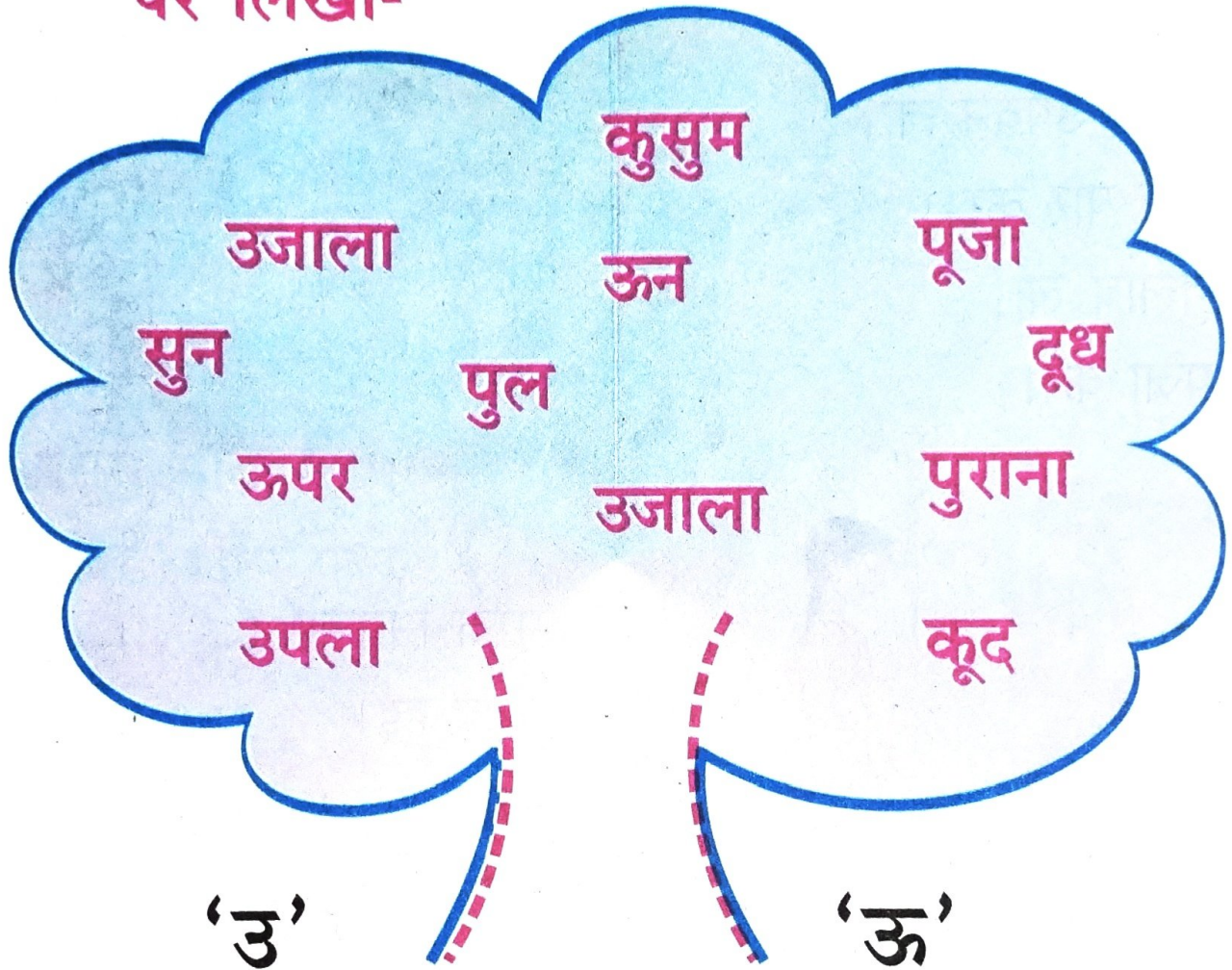
राहुल उपवन जा

राहुल उपवन जा।
पुल पार कर।
गुलाब ला।
पूजा कर।
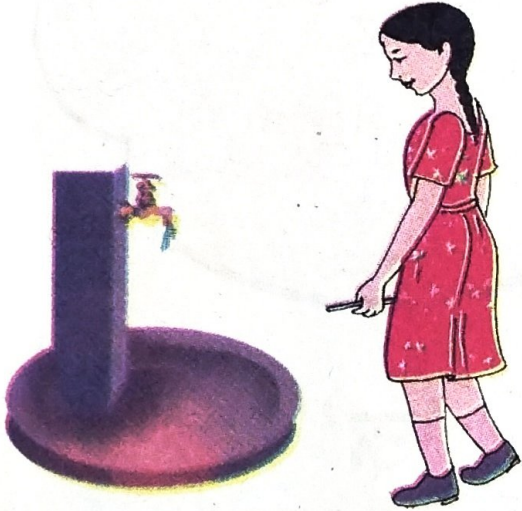
सूरज निकला।
सुबह हुई।
सुमन नल पर जा।
बबूल की दातून कर।

राहुल आ, सुमन आ।
मीनू आ, नीलू आ।
मिलजुलकर हलुआपूरी खा।

पाठ 18

फल

नारंगी से मीठा केला
उससे मधुर अनार।
पर अनार से भी मीठा है,
सेव ललाई दार।
है अंगूर सेव से मीठा,
उससे मीठा आम।
सबसे मीठा फल
मेहनत का,
डटकर करना काम।
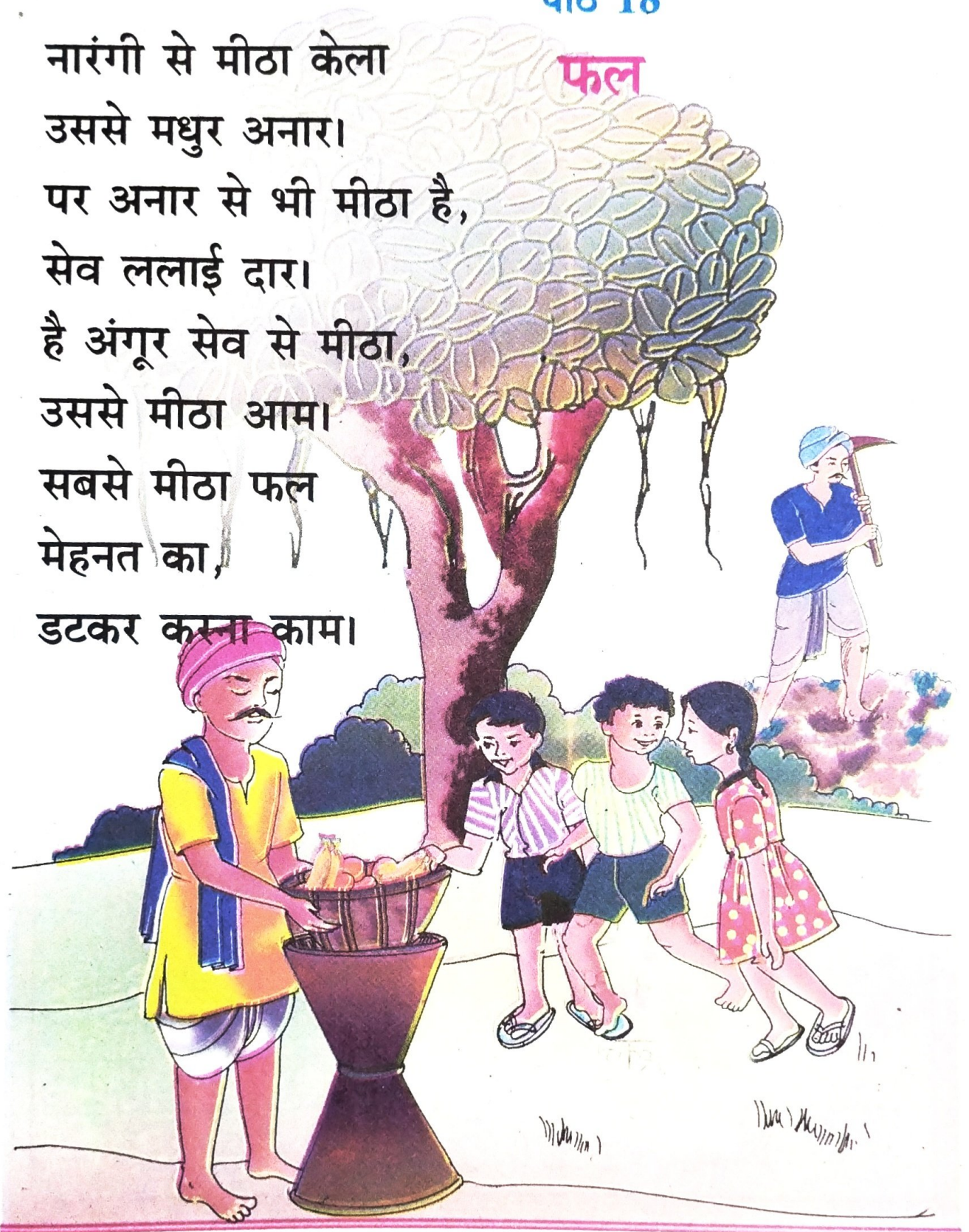
शिक्षक संकेत :- कविता लयताल के साथ याद करवाएँ। बच्चों से फलों के बारे में चर्चा करें। अन्य चित्र संकलित करवाएँ। मिट्टी के खिलौने बनवाएँ।
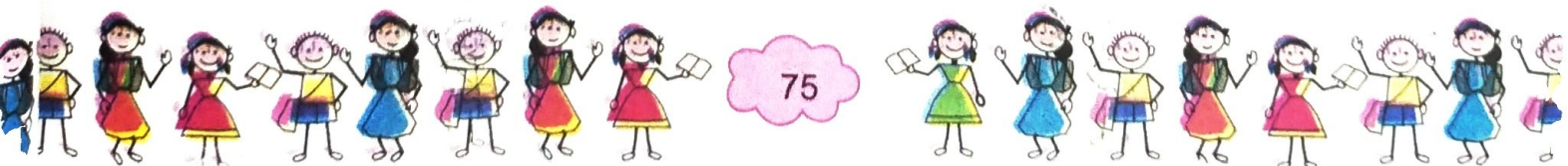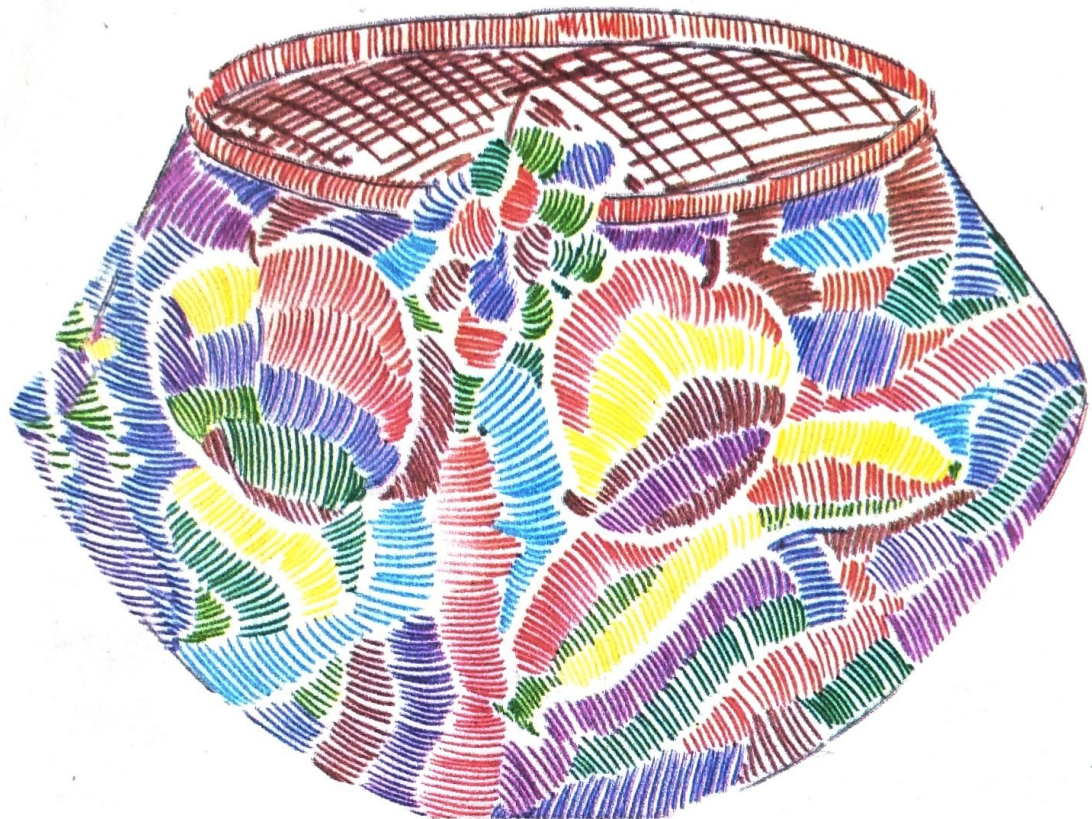
फल खोजो और उनके चित्र बनाओ-

शिक्षक संकेत :- बच्चों को फलों के चित्र खोजने को कहें। खोजे गए फलों के चित्र बनाने को कहें। उनसे बातचीत करें। उनके बनाए चित्रों को स्वीकार करें। प्रोत्साहित करें।

पाठ 18

ए	ऐ	फ	भ	ट	ठ

एक

ए	क

ए
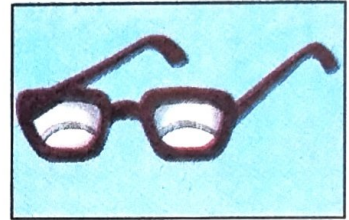
ऐनक

ऐ	न	क

ऐ

फल

फ	ल

फ
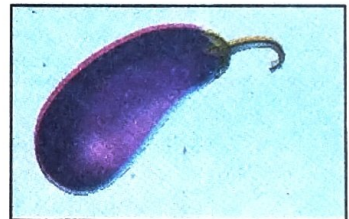
भटा

भ	टा

भ

टमाटर

ट	मा	ट	र

ट

ठठेरा

ठ	ठे	रा

ठ

शिक्षक संकेत:- दिए गए चित्रों पर बात-चीत करें। चित्रों के नाम बोलवाएँ, उसके रूप, रंग, आकार, उपयोगिता आदि पर चर्चा करें। पाठ में आए, ए ऐ, फ, भा, ट, ठ, वर्णों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

1. वर्ण पहचानो और गोला लगाओ-

ए —	प	ब	(ए)	भ
ऐ —	व	ऐ	न	ल
फ —	प	ब	फ	भ
भ —	भ	भ	न	ल
ट —	ड	ट	ठ	उ
ठ —	ट	र	प	ठ

2. पढ़ो-

एक	ऐनक	गए	एकल	फल	भवन
चटक	नभ	भरत	फाटक	कफ	फन
टमटम	ठकठक	टनटन	चटकन	फन	ठनक

3. 'ए' को 'ए' से तथा 'ऐ' को 'ऐ' से मिलाओ-
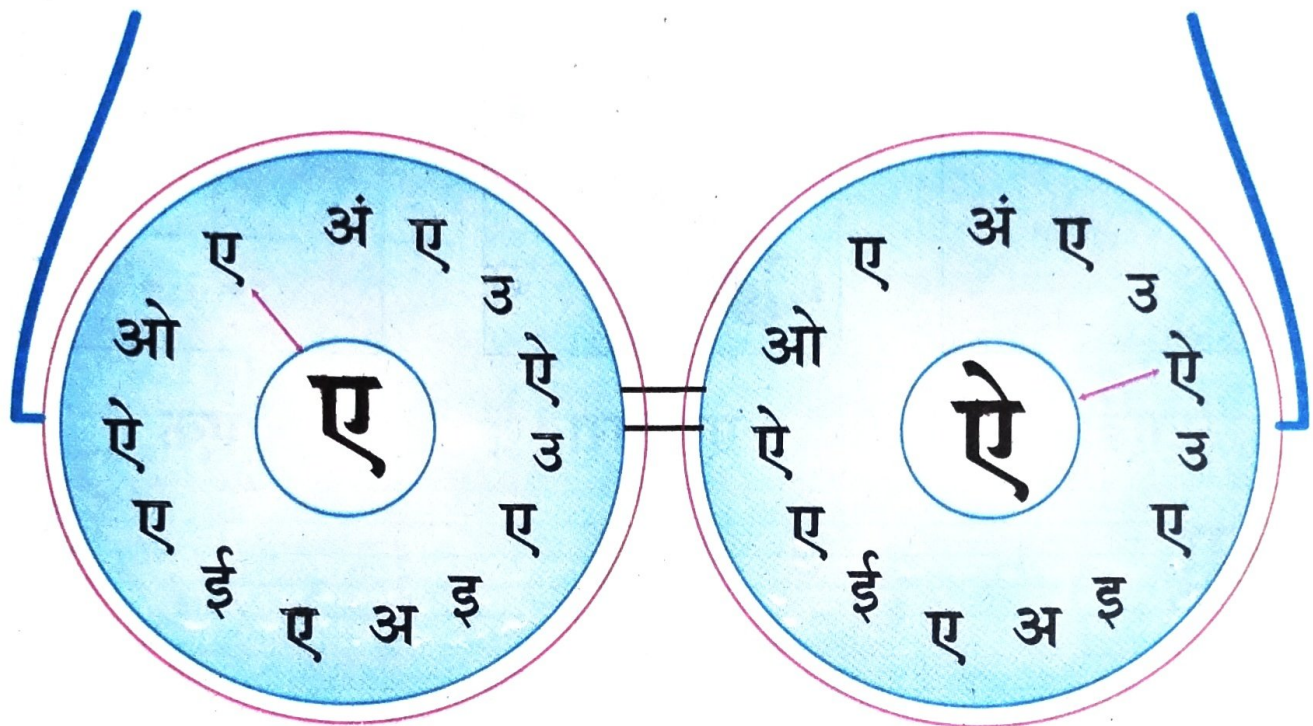
4. चित्र देखकर वर्ण पहचानो और लिखो-
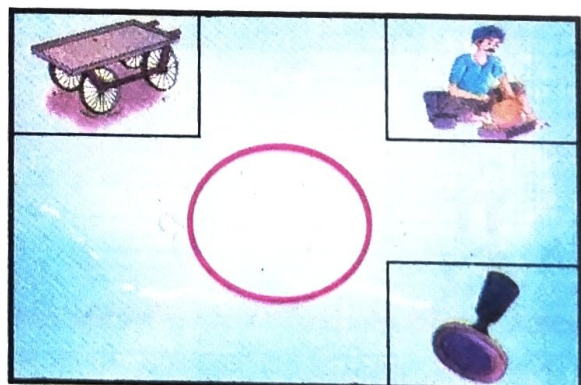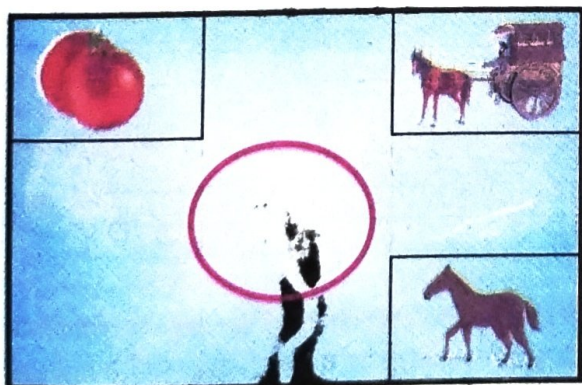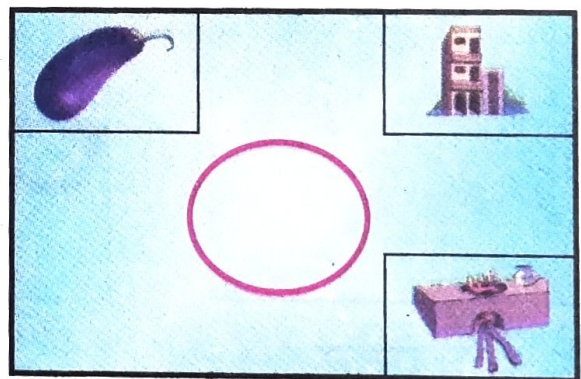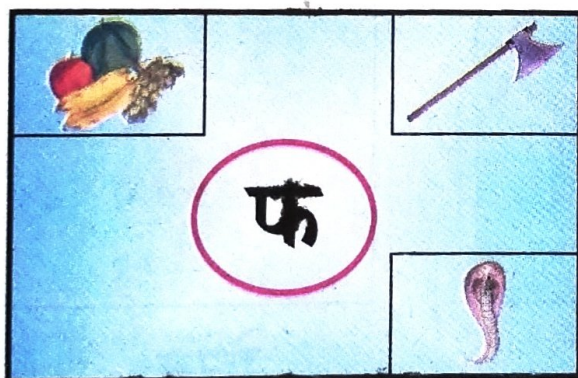
5. चित्र पहचानो, बोलो और लिखो-

एड़ी
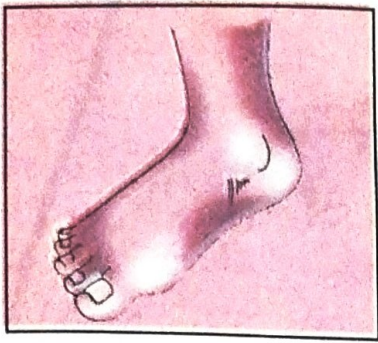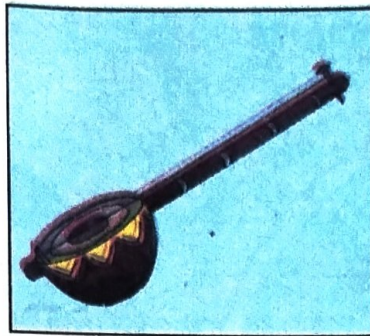
एकतारा

एक
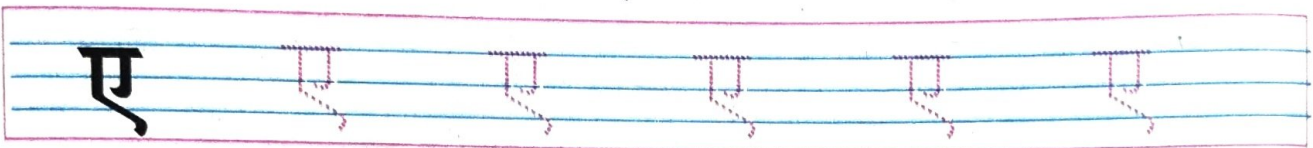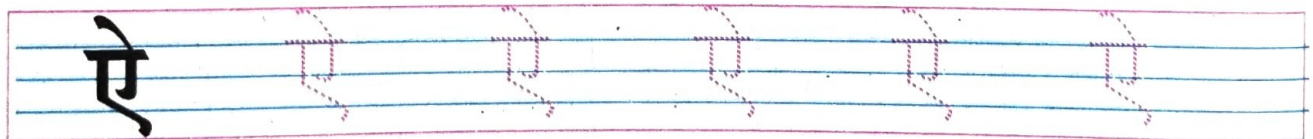
ए

ए

ऐरावत

ऐनक

ऐरन

ऐ

ऐ

शिक्षक संकेत:- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्रों पर चर्चा करें। दिए गए वर्ण के स्ट्रोक पर पेंसिल चलवाएँ एवं नीचे की पंक्ति देखकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

फरसा　　　　　　फसल　　　　　　फन
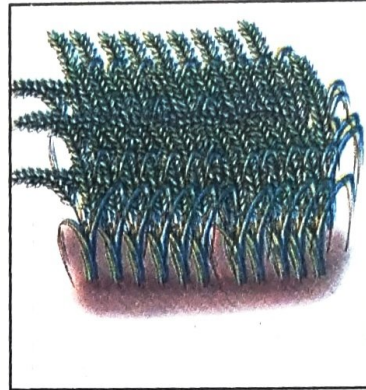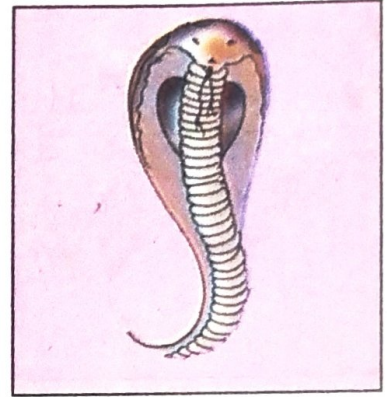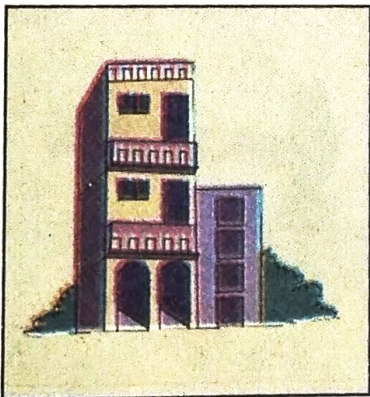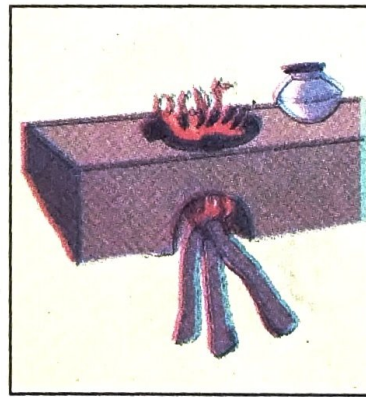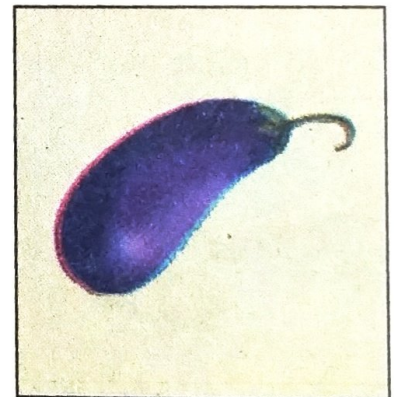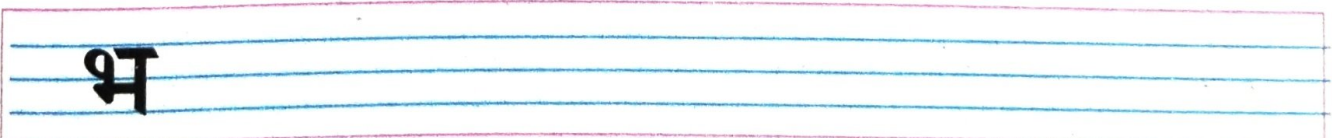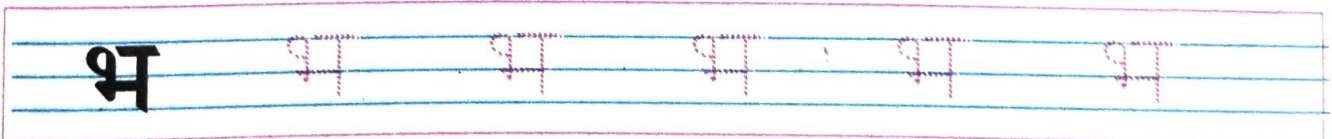
फ　फ　फ　फ　फ　फ

फ

भवन　　　　　　भट्टी　　　　　　भटा

भ　भ　भ　भ　भ　भ

भ

शिक्षक संकेत:- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्रों पर चर्चा करें। दिए गए वर्ण के स्ट्रोक पर पेंसिल चलवाएँ एवं नीचे की पंक्ति देखकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

टमटम टट्टू टहनी
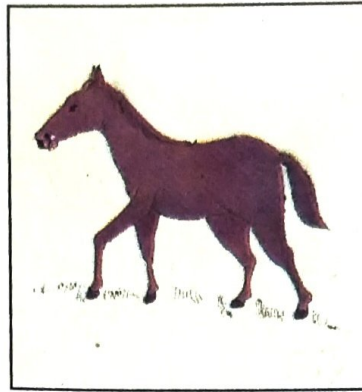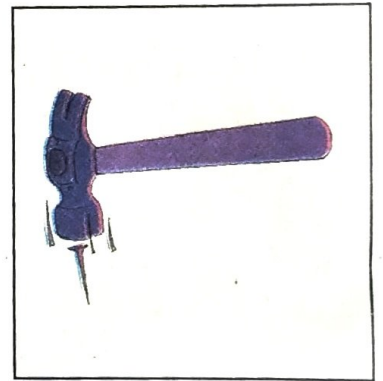
ट

ट

ठठेरा ठप्पा ठकठक

ठ

ठ

शिक्षण संकेत – बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्रों पर चर्चा करें। दिए गए वर्ण के स्ट्रोक पर पेंसिल चलवाएँ एवं नीचे की पंक्ति देखकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

पाठ 19

रेल

आओ हम सब खेलें खेल
इक इंजन बाकी सब रेल
बिन पैसे का खेल हमारा
मेले तक का सफर हमारा
कहीं लगा है चाट का ठेला
कोई बेच रहा है केला
पैसे देकर केले खाओ
वापस फिर सब रेल में आओ

शिक्षक संकेत:- इस कविता को रेल से खेल की गतिविधि के रूप में करवाएँ। बच्चों से यातायात के साधनों पर बातचीत करें।

1. जोड़ी मिलाओ-
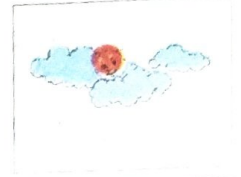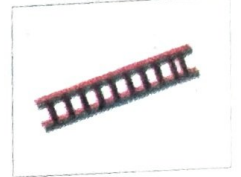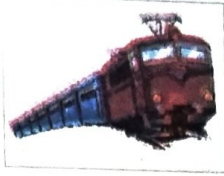
2. चित्रों को देखकर अंक लिखकर बताओ कि कौन सा वाहन पहले पहुँचेगा-

शिक्षक संकेत:- कौन सा वाहन कहाँ चलता है, कैसे चलता है, किस गति से चलता है आदि पर चर्चा करें। पहले पहुँचने वाले वाहन पर 1 अंक लिखवाएँ। इसी क्रम से सबसे बाद वाले पर 5 अंक लिखवाएँ।

पाठ 20

मेला

ए	े	ऐ	ै

सेव | स | े | व |

मैना | म | ै | ना |

केला | क | े | ल | ा |

पैर | प | ै | र |
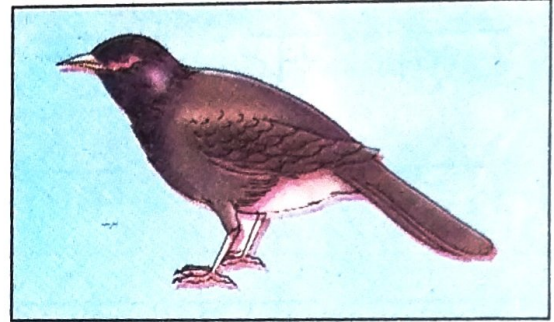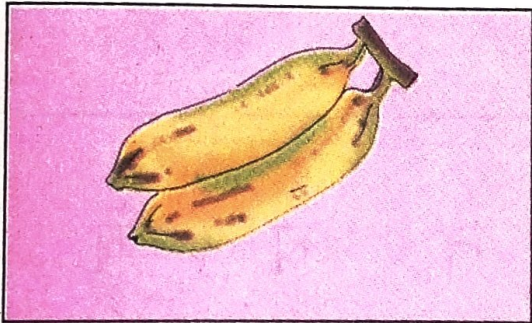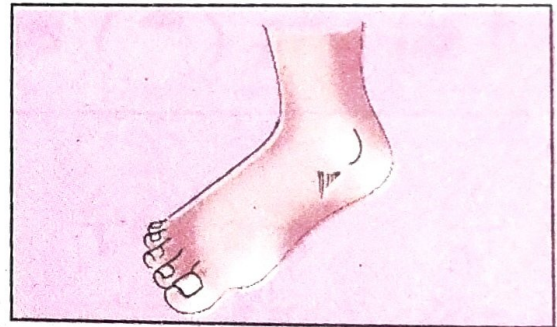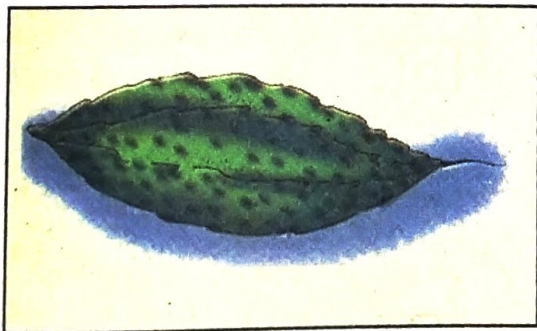
करेला | क | र | े | ल | ा |
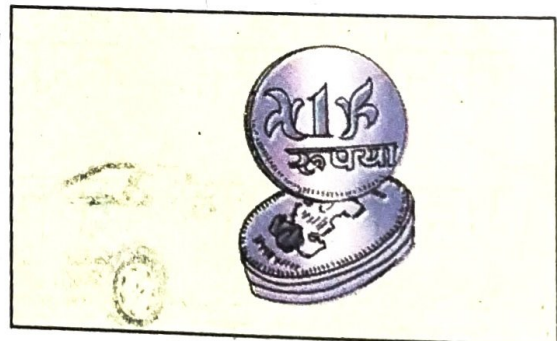
पैसा | प | ै | स | ा |

शिक्षक संकेत :- दिए गए चित्रों पर बात-चीत करें। चित्रों के नाम बुलवाएँ और उनमे आए स, प, भ, क, म वर्णों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ। सीखे गए वर्णों में ए की या े की और ऐ की मात्रा ै का प्रयोग कर उच्चारण करवाएँ तथा से, पै, के, मै आदि। इनसे बनने वाले शब्द बुलवाएँ।

ए की मात्रा (े) वाले शब्द

मे से टे ठे के ते

मेला सेट टेक ठेला केला तेल सेब

मेले ठेले केले हरे भरे पके सेव

बेसन केसर कनेर सपेरा बसेरा सफेद

ऐ की मात्रा (ै) वाले शब्द

फै कै गै मै तै बै पै

फैला कैद गैर मैला तैर बैगा पैर

कैसा जैसा तैरा पैसा मैना

पैदल वैभव मैकल तैराक तैनात

कैसे जैसे तैसे वैसे पैसे

शिक्षक संकेत :- इस पृष्ठ में ए और ऐ की मात्रा का उपयोग कर नए शब्द बनाए गए है। दोनो मात्राओं को अलग रंग से दर्शाया गया है। शिक्षक दोनो मात्राओं को ध्वनि भेद के आधार पर अलग से पहचान कराएँ एवं नए शब्दों को पढ़वाएँ।
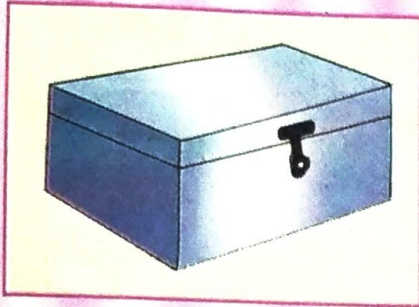
1. चित्र देखकर शब्द पूरा करो-

पटी रल नवला
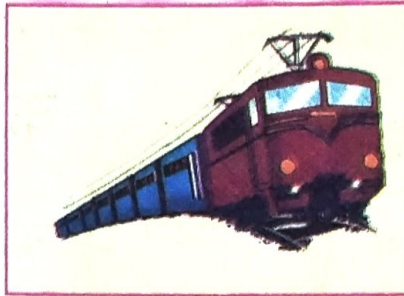
पसा बलगाड़ी बल
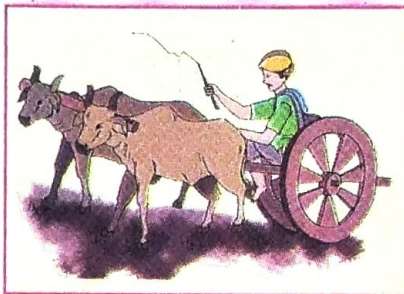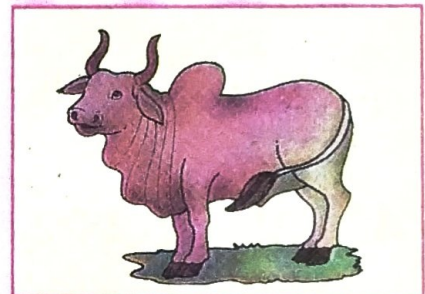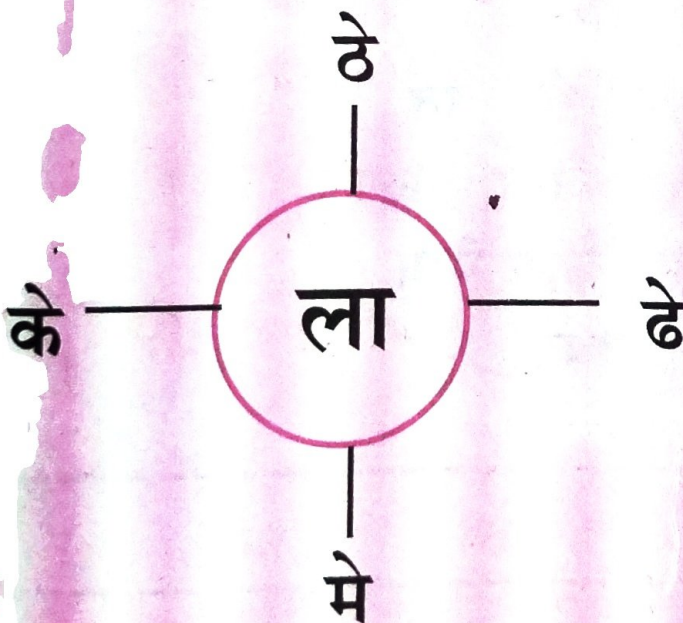
2. नए शब्द बनाओ-

शिक्षक संकेत:- चित्रों पर बात-चीत करें। उसका नाम पूछे और चित्र के नीचे लिखे शब्द उसके नाम में क्रमशः ए की ओर ऐ की मात्रा लगवाकर शब्द पूरा करवाएँ और पढ़वाएँ। शुद्ध उच्चारण करवाएँ।

3. ऐ की मात्रा (ै) लगाकर शब्द बनाओ-
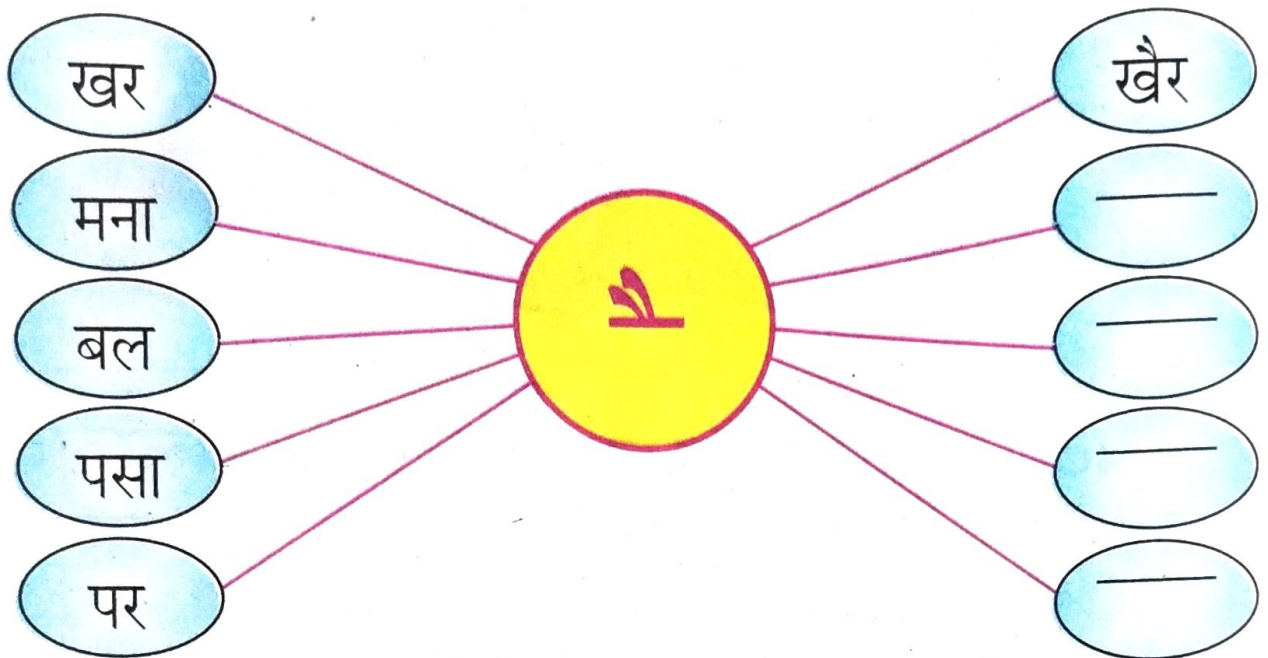
4. दिए गए शब्दो में से (े) एवं (ै) की मात्रा वाले शब्द छाँटकर अलग-अलग पंक्तियों में लिखो-

े तेल -----------------------------------

ै तैयार -----------------------------------

5. ए की मात्रा (े) लगाकर शब्द पूरा करो-

कला	केला	सबरा	सबेरा
मला	———	सपरा	———
ठला	———	बसरा	———
तल	———	करला	———

ऐ की मात्रा (ै) लगाकर शब्द पूरा करो-

मना	मैना	मदान	मैदान
मदा	———	सनिक	———
जसा	———	पदल	———
फला	———	तनात	———

6. शब्द पूरा करो-

(नै ले दै रे सै के)

जलेबी .... निक .... ला

.... निक क .... ला .... तिक
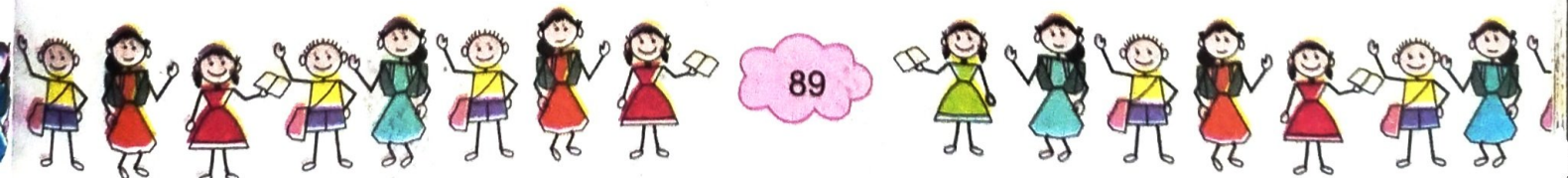
7. चित्र देख कर वाक्य पूरे करो-

जैसे - घर चल।	
.... चख।	
.... पहन।	
बाजार से .... ला।	
.... पहन।	
.... पर जल भर।	
.... निकला।	

मेला

नेहा व चेतन मेला देखने गए
नेहा ने पिता से पैसे लिए।
मेले में नेहा की सहेली बेला मिली।
मेले में बैजू भी मिला
बेला ने बेर खरीदे।
नेहा केले व सेव खरीद लाई।
चेतन ने सबके लिए जलेबी ली।
सबने गरम-गरम जलेबी खाई।
सभी ने देर तक मेले की सैर की।

पाठ 21

धूप गुन गुनी

घर-घर जाती धूप गुनगुनी,
सबको भाती धूप गुनगुनी।
यहाँ-वहाँ दौड़ती फिरती,
है इठलाती धूप गुनगुनी।
सब छोटों और बड़ों को,
गले लगाती धूप गुनगुनी।
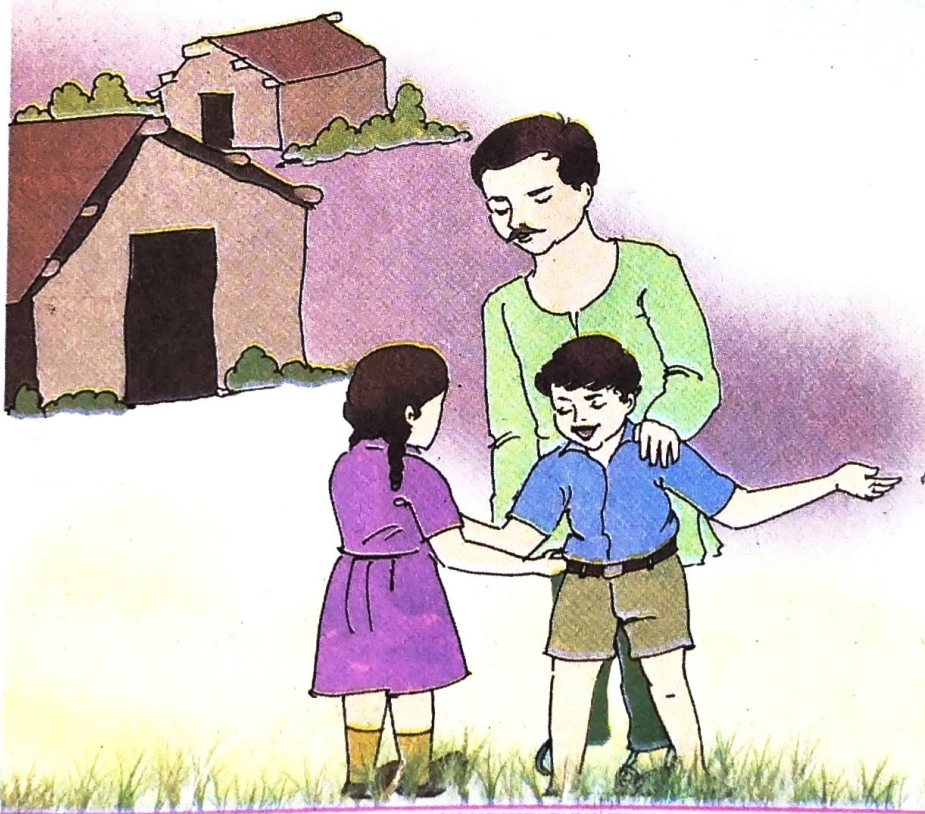
शिक्षक संकेत – कविता याद करवाएँ। हावभाव लयताल के साथ गायन करवाएँ। मौसम के अनुसार धूप कैसी बदलती है इस पर चर्चा करें। धूप कब अच्छी लगती है आदि।

पाठ 21

ओ	औ	ड	ध	घ	थ

ओखली

ओ	ख	ली

ओ

औरत

औ	र	त

औ

डमरू

ड	म	रू

ड

धनुष

ध	नु	ष

ध

घड़ी

घ	ड़ी

घ
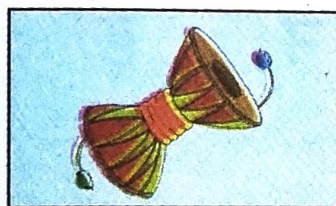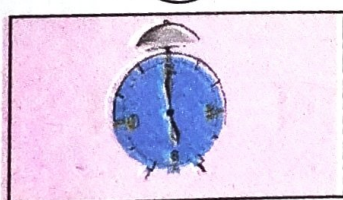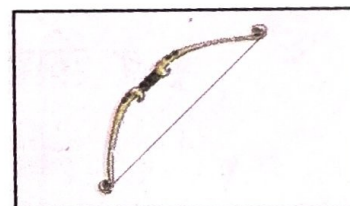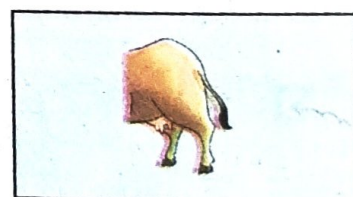
थन

थ	न

थ

शिक्षक संकेत :- दिए गए चित्रों पर बात-चीत करें। चित्रों के नाम बताएँ उसके रूप रंग, आकार, उपयोगिता आदि पर चर्चा करें। पाठ में आए ओ, औ, ड, ध, घ, थ, वर्णों का शुद्ध उच्चारण करवाएँ।
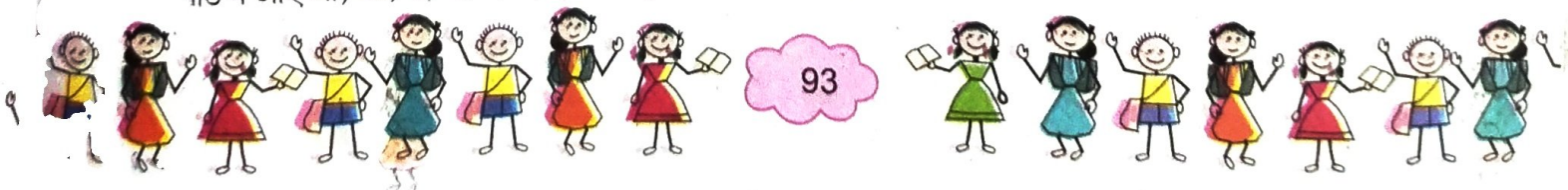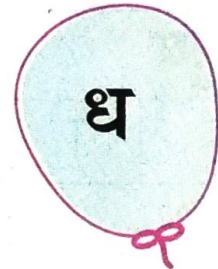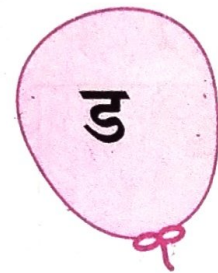
1. समान वर्ण में गोला लगाओ-

	अ	ओ	आ	क
	ओ	औ	आ	ख
	म	ड	न	ङ
	स	घ	छ	ध
	घ	ख	ध	ब
	घ	छ	फ	थ

ओ

ओ

औ

औ

ड

ड

ध

ध

घ

घ

थ
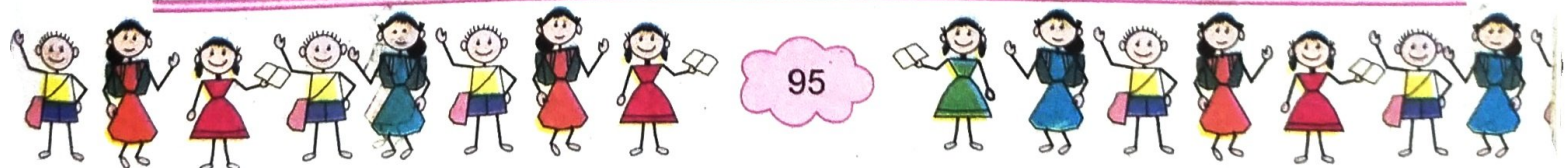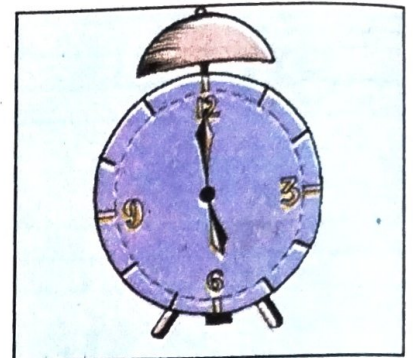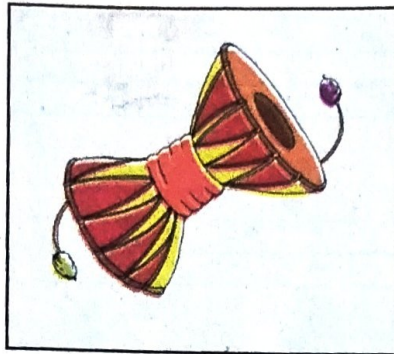
2. चित्र को वर्ण से मिलाओ-
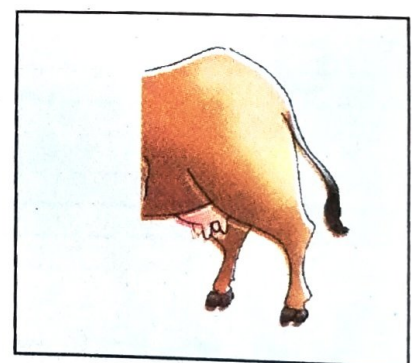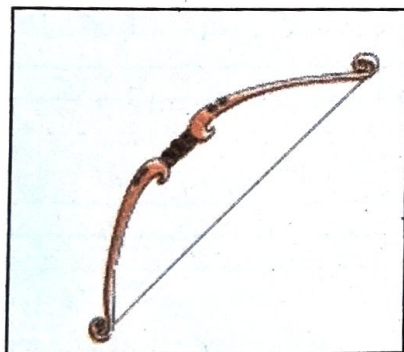
3. चित्र देखकर वर्ण पहचानो और लिखो-

ओ

______

______

______

______

______

4. दिए गए अक्षरों से शुरु होने वाले शब्दों को छाँटकर लिखो-

ओखली	थैला	डमरू	ओठ	घड़ा	डांडिया
धन	घर	औषधि	धनुष	थाली	औरत
थन	डंडा	ओढ़नी	घड़ी	धान	औजार

घ ______ ______ ______

ओ ______ ______ ______

ध ______ ______ ______

औ ______ ______ ______

थ ______ ______ ______

ड ______ ______ ______
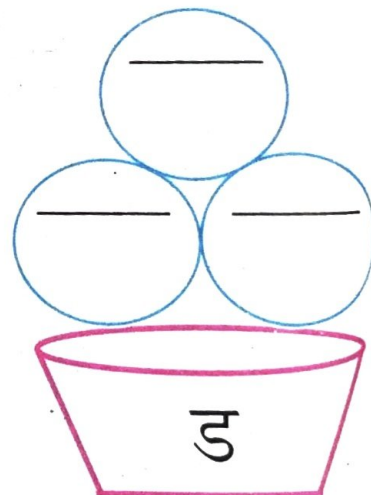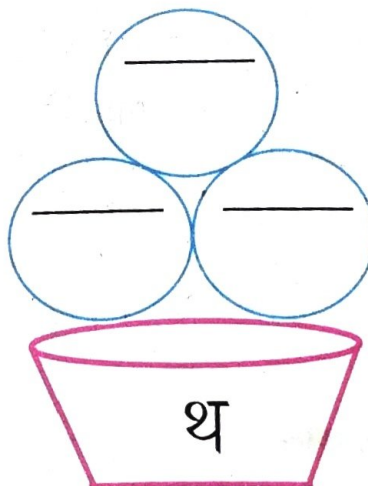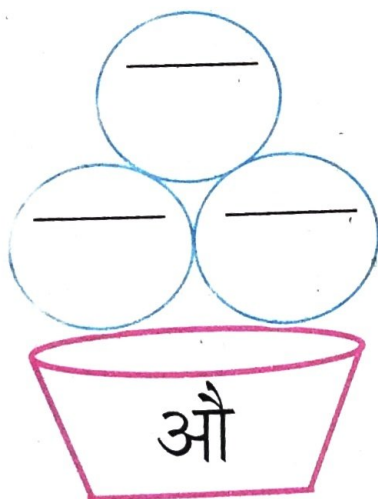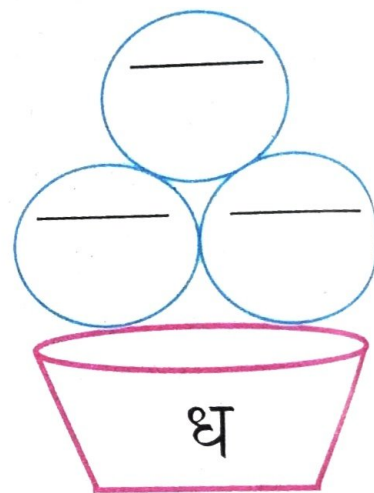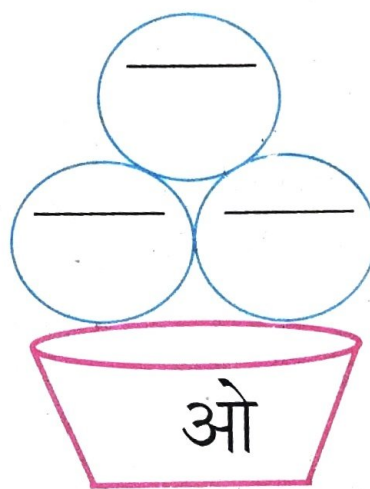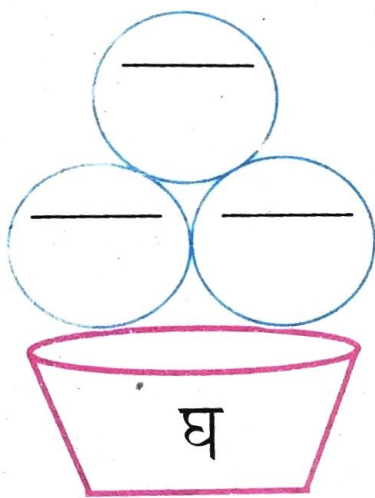
विविध प्रश्नावली-2

मौखिक प्रश्न पूछें-

प्रश्न-1 पाँच फलों और सब्जियों के नाम बताओ।

प्रश्न-2 गरमी के मौसम के उपयोग की चार वस्तुओं के नाम बताओ।

प्रश्न-3 यातायात के साधनों के नाम बताओ। (वाहनों की गति के बारे में प्रश्न पूछें)

प्रश्न-4 शिक्षक बच्चों से कोई कविता सुनाने के लिए कहें ।

प्रश्न-5 शिक्षक बच्चों से कोई कहानी सुनें।

प्रश्न-6 शिक्षक बच्चों से साफ-सफाई पर प्रश्न पूछें।

जैसे - (1) दातून करना क्यों जरूरी है ?

(2) नहाना क्यों जरूरी है?

(3) नाखून काटना क्यों जरूरी है?

(4) गंदे कपड़े क्यों नहीं पहनना चाहिए?

प्रश्न-7 किसी देखे गए मेले, खेल या त्यौहार के बारे में पूछें, चर्चा करें।

प्रश्न-8 निम्नलिखित शब्दों को पढ़ो-

(शिक्षक श्यामपट पर शब्द लिखकर सभी वाक्यों से पढ़वाएँ)

गमला, गिलास, पपीता, बुलबुल, सूरज

करेला, तैराक, लोटा, लौटा

शिक्षक कुछ मात्रा वाले शब्द बोलकर बच्चों से लिखवाएँ

प्रश्न-9 कालम 'अ' तथा कालम 'आ' में दिए गए शब्दों की समान मात्राओं के आधार पर जोड़ी बनाओ-

अ	आ
कान	बेला
किला	चील
कील	शोर
केला	पिता
भोर	जान

प्रश्न 1. चित्र देखों, बिखरे हुए वर्णों को मिलाकर शब्द बनाओ -
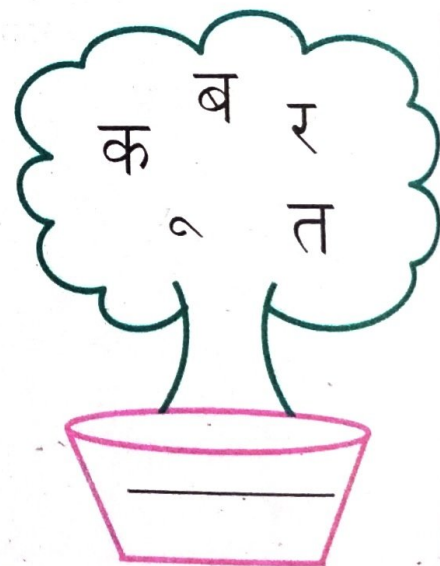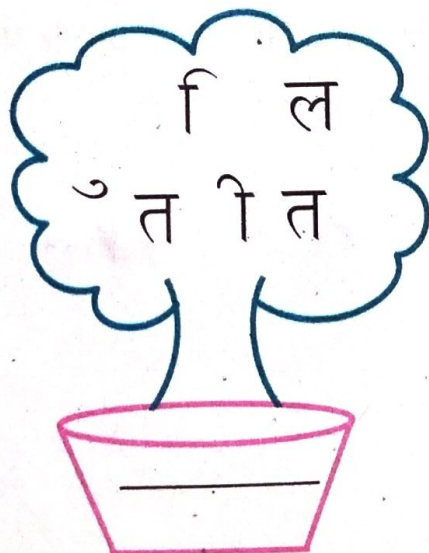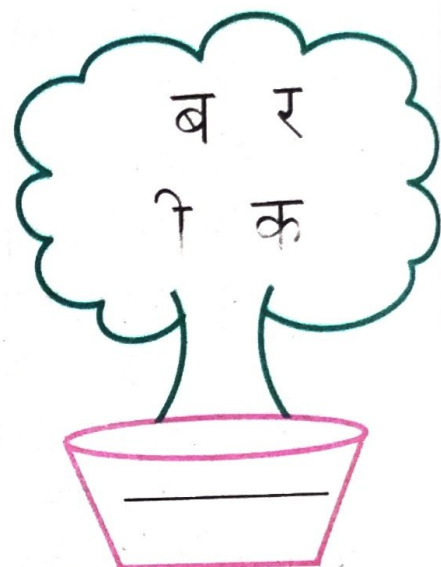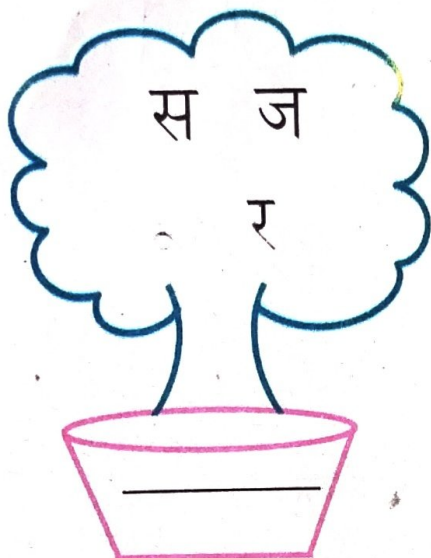
प्रश्न 2. चित्र देखकर शब्दों में उचित मात्रा लगाओ-

ग म ल
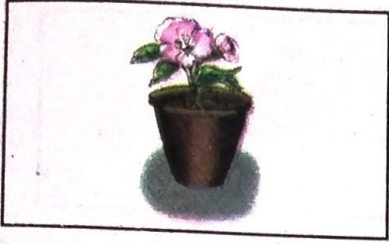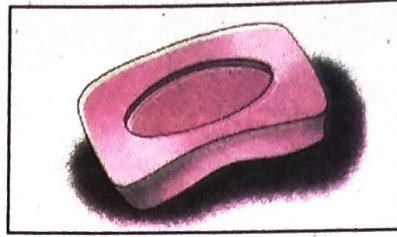
स ब न

ब क र
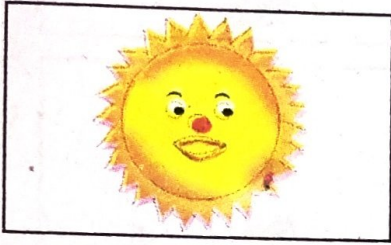
स र ज
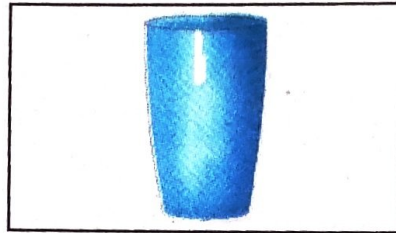
ग ल स
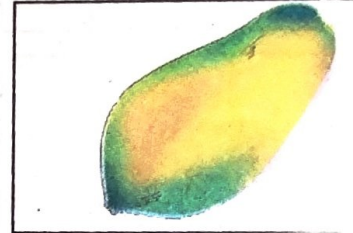
प प त

प्रश्न 3. चित्र देखकर वाक्य पूरा करो-

...............................चल

...............................चख

बाजार से ....ला
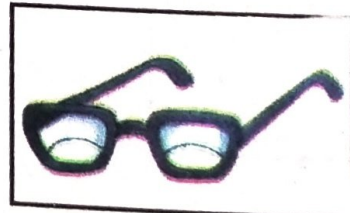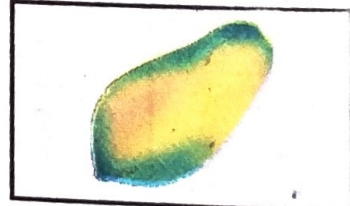
प्रश्न-4. प्राणियों को उनके निवास स्थान तक पहुँचाओ -
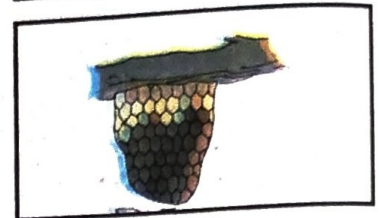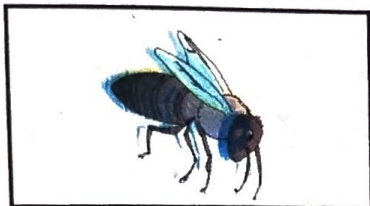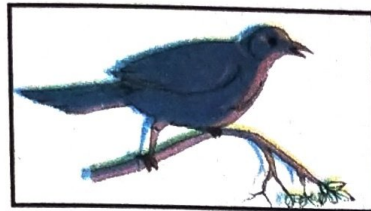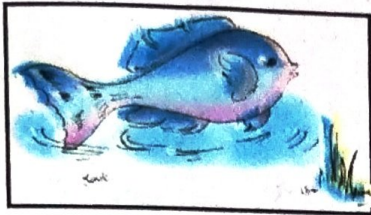
प्रश्न-5. कोष्ठक में से सही वर्ण चुनकर खाली जगह में लिखो -

------------खली (ओ/औ)

------------नक (ऐ /ए)

------------रत (औ /ओ)

------------क (ए / ऐ)

प्रश्न-6. समान वर्णों को मिलाओ -

त्र

त्र

क्ष प

ष त्र

त्र त्र

श

पाठ 22

गौरी की मौसी की नाव

नाव चली रे नाव चली
लगती कितनी भली-भली।
छपक-छपक कर चलती जाए
इस पर मेरी मौसी आए।
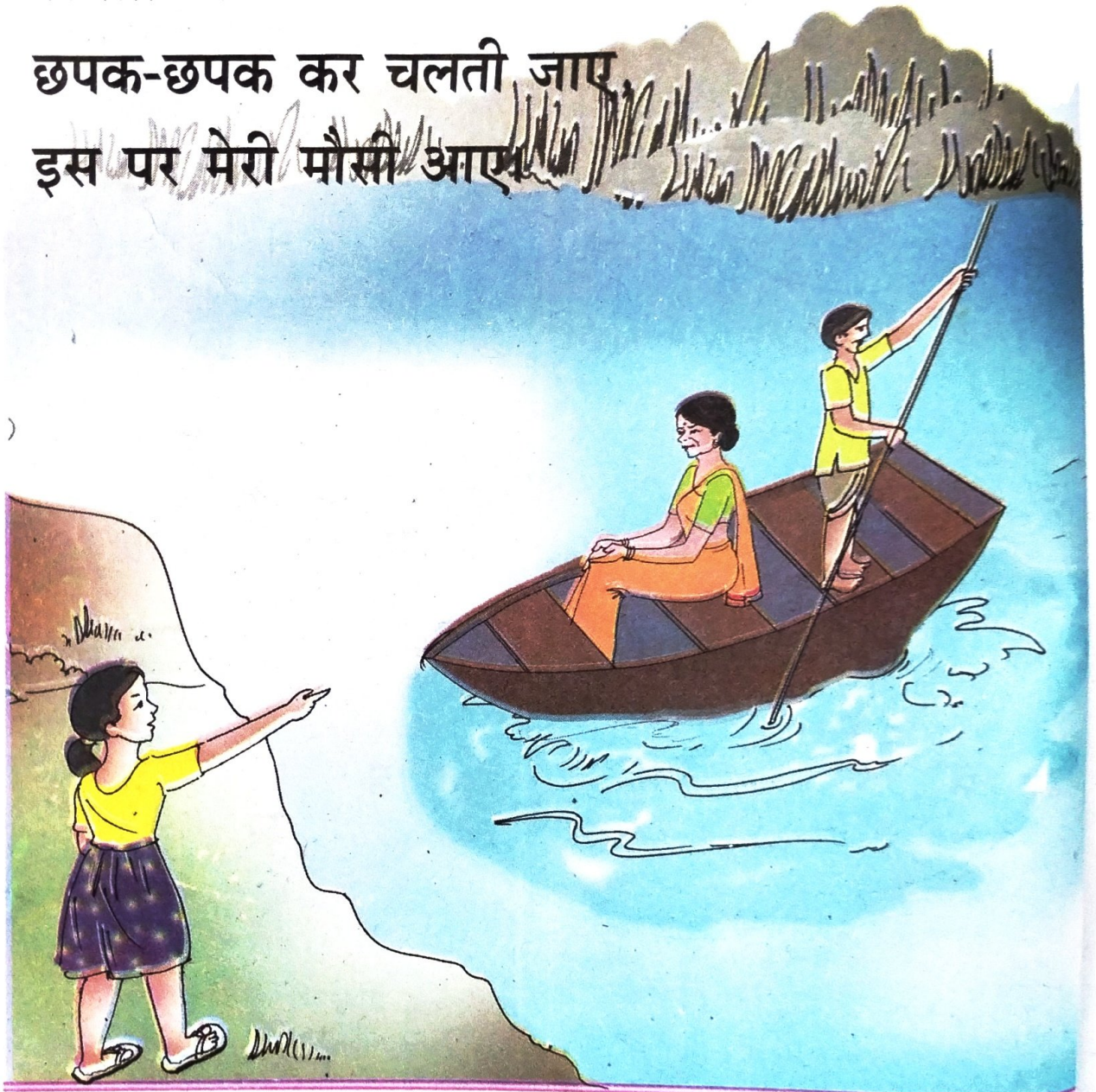
शिक्षक संकेत :- बच्चों को कविता याद करवाएँ। पढ़ने के लिए भी प्रेरित करें। 'मौसी' शब्द 'छपक' शब्द लिखकर पहचान करवाएँ। लयताल के साथ गायन करवाएँ।

पाठ 22

ओ	ो	औ	ौ
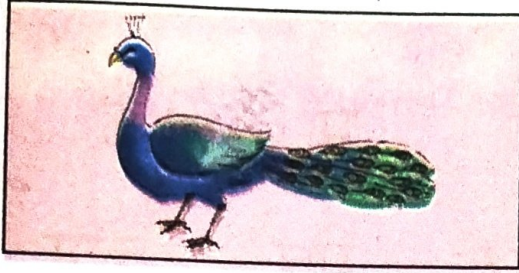
मोर | म | ो | र |
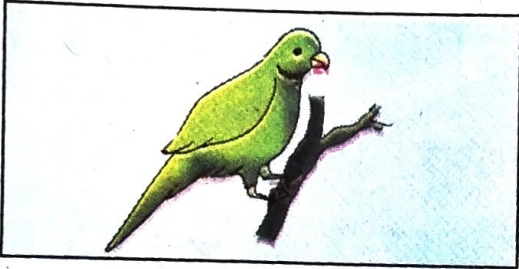
कौआ | क | ौ | अ | ा |

तोता | त | ो | त | ा |

पौधा | प | ौ | ध | ा |

बोरा | ब | ो | र | ा |

लौकी | ल | ौ | क | ी |

लोटा | ल | ो | ट | ा |
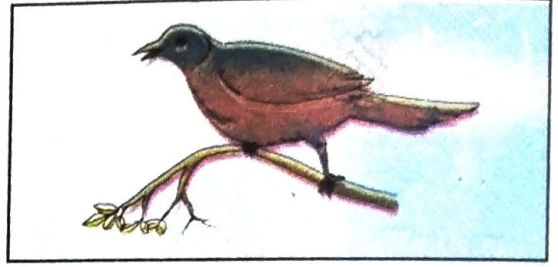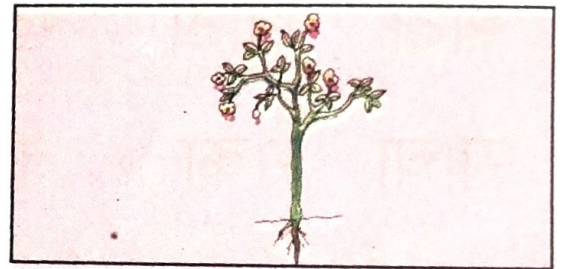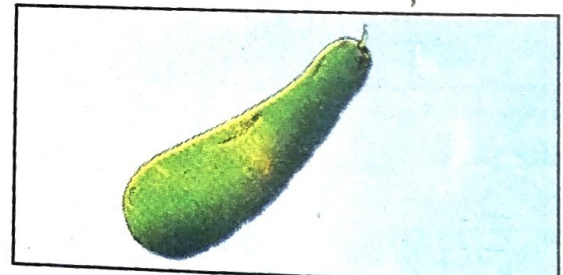
औरत | अ | ौ | र | त |

शिक्षक संकेत :- यह पाठ मात्रा सिखाने के लिए है। इसमें 'ो' एवं 'ौ' की मात्रा से परिचय कराया जा रहा है। मात्रा सिखाने में ह्रस्व एवं दीर्घ मात्राओं को एक साथ सिखाने का उपक्रम किया गया है। शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

ओ की मात्रा (ो) वाले शब्द-

घो छो डो भो मो को

घोर छोर डोर भोर मोर कोट

मोटा लोटा खोटा सोटा रोना

सोचा रोका बोला खोला

औ की मात्रा (ौ) वाले शब्द-

चौ दौ फौ मौ औ

चौक दौर फौज मौज और

नौका पौधा चौड़ा मौसा

औजार चौराहा सरौता भगौना

शिक्षक संकेत:- सीखे गए वर्णों में ओ की मात्रा 'ो' और औ की मात्रा 'ौ' लगाकर शब्दों को बुलवाएँ/पढ़वाएँ।
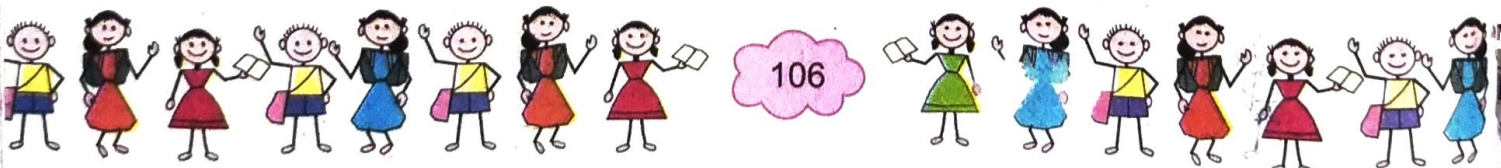
मोहन और गौरी की शाला नदी के पास है।
वे शाला से घर आ रहे थे तभी गौरी ने नौका देखी
वह मोहन से बोली!
देखो भैया, मौसी आ रही है। मौसी का घर
धौलपुर में है। मोहन और गौरी, मौसी के
साथ घर आ गए।

मौसी ने अपने झोले से, खिलौने निकाले।
खिलौने देखकर दोनों, खूब खुश हुए।

चलो खिलौने खेलें हम
तोता-मैना ले लें हम।
मोर नाच दिखलाता है
बंदर ढोल बजाता है।
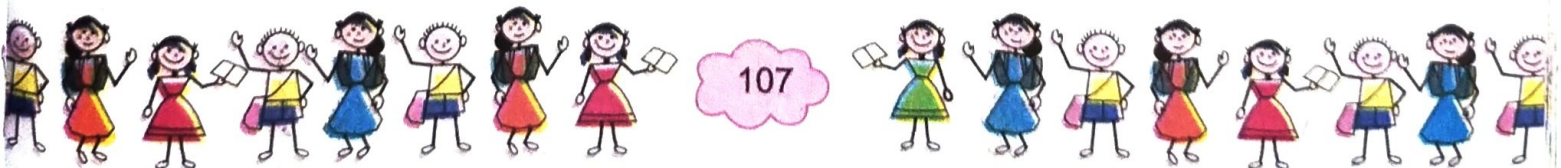
1. ओ (ो) व 'औ' (ौ) की मात्रा लगाकर शब्द बनाओ-

2. शब्द के प्रथम अक्षर में 'ओ' (ो) व औ (ौ) की मात्रा लगाकर नए शब्द बनाओ-

शब्द		ओ' (ो)	औ (ौ)
अर	-	ओर	और
गरी	-	____	____
कर	-	____	____
बर	-	____	____
मर	-	____	____

3. शब्द बनाओ-

ओ — र, ट, ला, खली, ढ़नी
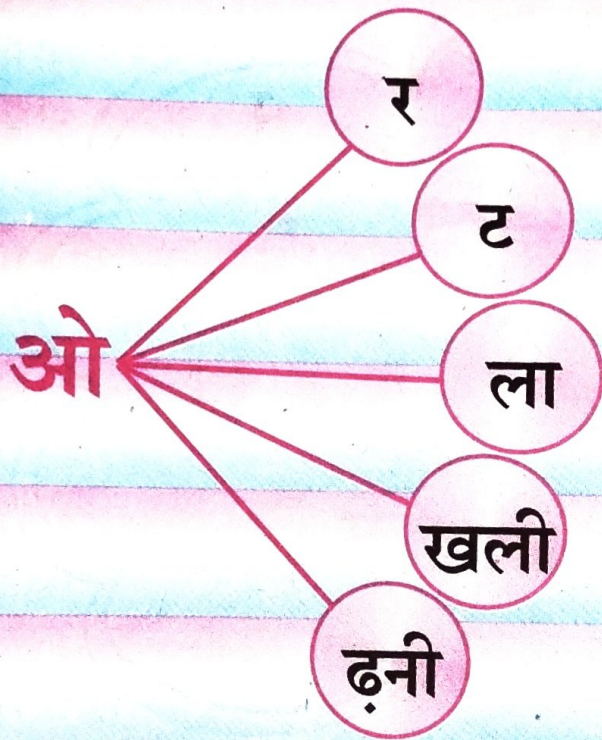
ओर

______

______

______

______

4. 'चौ' जोड़ो और शब्द बनाओ-
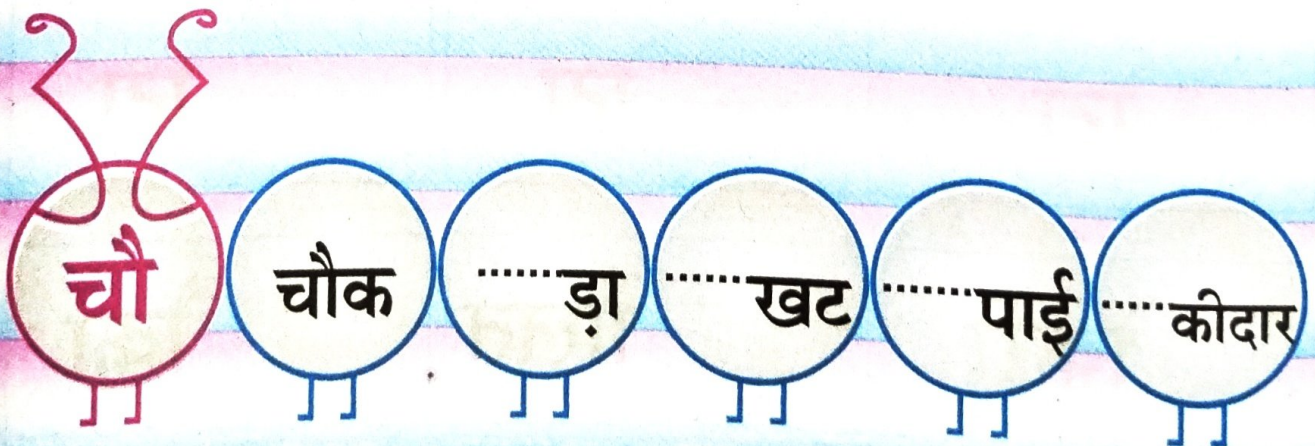
5. दिए वर्णों से उचित शब्द बनाइए :-

म　　प　　द

न　　छ

ल　　क

ट
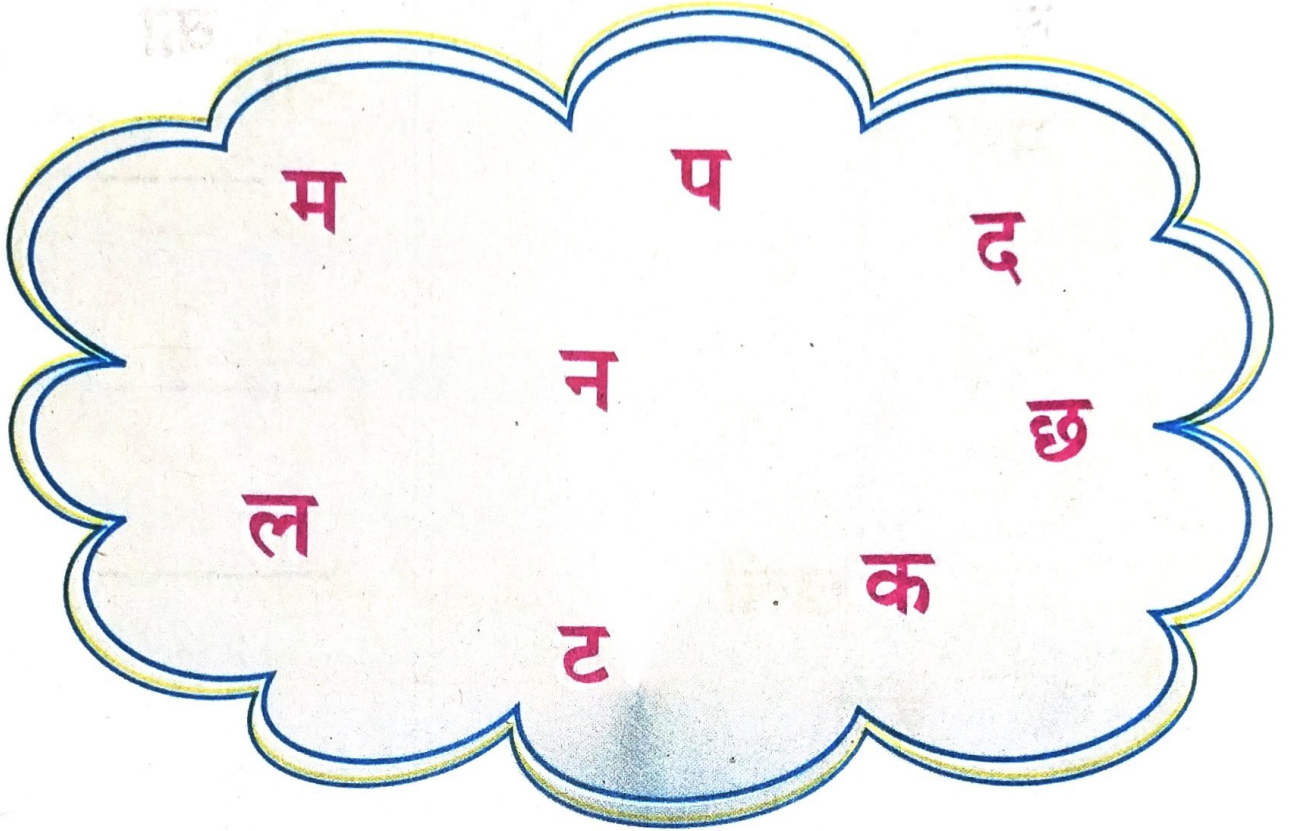
......ौका	......ौधा	......ौआ
......ोटा	......ोटा	......ोटा
......ोकरी	......ौलत	......ौका

6. मात्रा लगाकर वर्ण लिखो और पढ़ो -

क	—	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ
म	—	मा	—	—	—	—	—	—	—	—
स	—	—	—	सी	—	—	—	—	—	—
ध	—	—	—	—	—	—	—	दै	—	—
घ	—	—	—	—	—	—	—	—	—	घौ
छ	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
ग	—	—	—	—	—	—	—	—	गो	—
प	—	—	—	—	—	—	—	—	पो	—
न	—	—	—	—	—	—	ने	—	—	—
ज	—	—	जि	—	—	—	—	—	—	—
ल	—	ला	—	—	—	—	—	—	—	—
प	—	—	—	—	पु	—	—	—	—	—
त	—	—	—	—	—	—	ते	—	—	—
ख	—	—	—	—	—	खू	—	—	—	—
ह	—	—	—	—	—	—	—	है	—	—
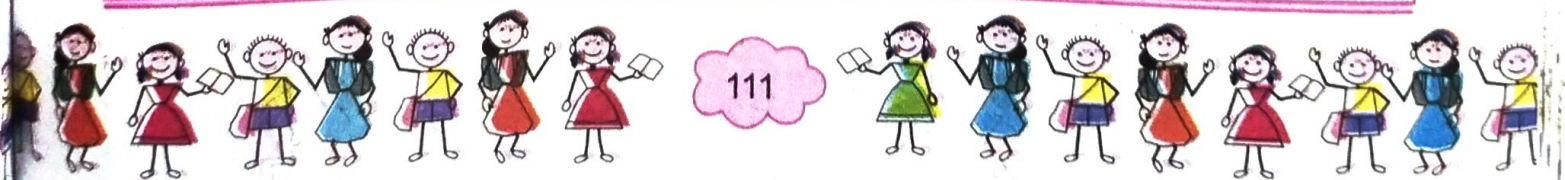
पाठ 23

चंदा मामा

नानी कहती चंदा मामा,
मम्मी कहती चंदा मामा।
दादी कहती चंदा मामा,
हम भी कहते चंदा मामा।
अरे अकेले चंदा मामा,
पर कैसे हैं सबके मामा?

अपनी मम्मी के जो मामा,
कहलाते हैं अपने नाना।
अपने हैं जो राजा मामा,
नहीं अजी मम्मी के मामा।
किन्तु अकेले चंदा मामा,
कैसे हैं जो सबके मामा?

शिक्षक संकेत :- कविता याद करवाएँ। लय ताल के साथ गायन करवाएँ। रिश्तों के बारे में बातचीत करें।

टीना का परिवार
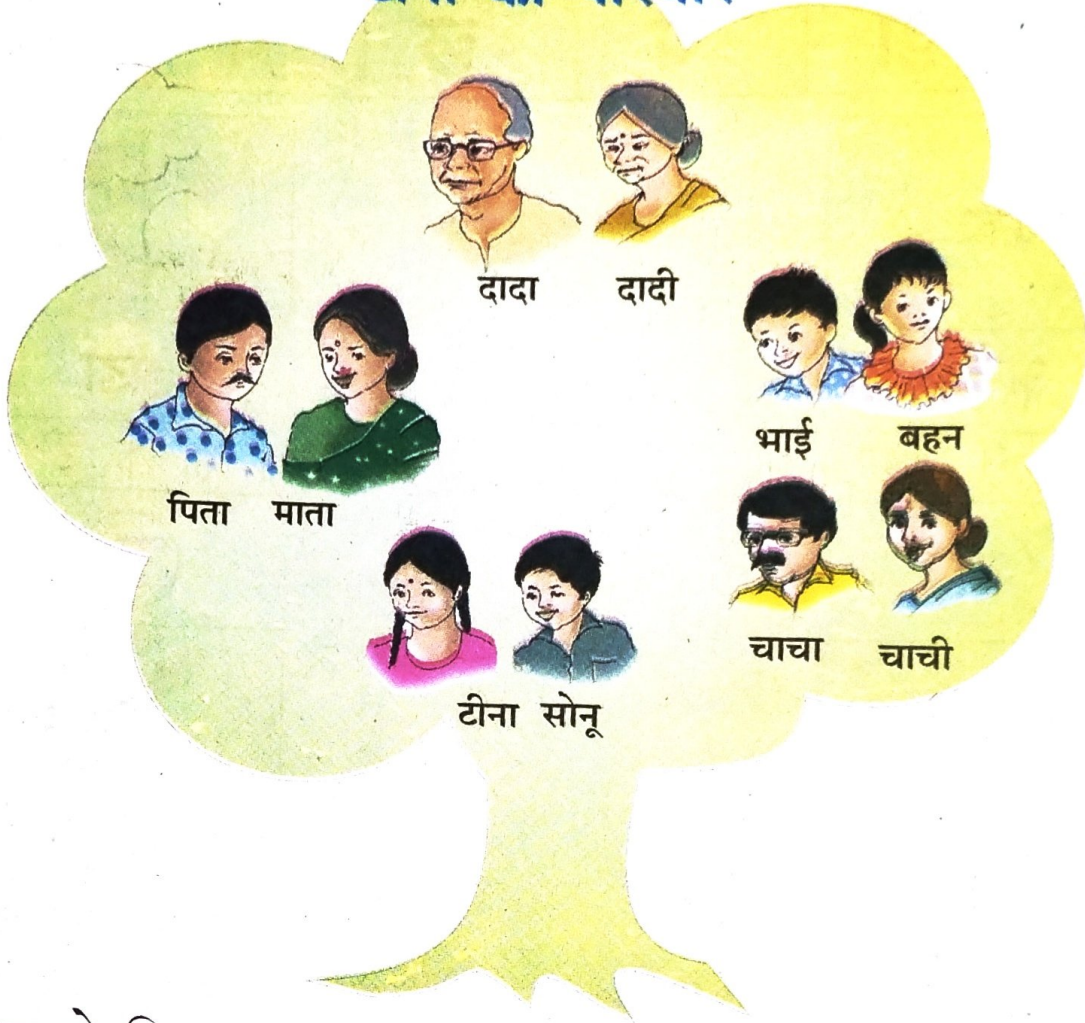
पिता के पिता ....

पिता के भाई ....

पिता की बहन ....

माता के पिता ....

माता के भाई ....

माता की बहन ....

शिक्षक संकेत :- बच्चों से परिवार तथा सम्बन्धों पर चर्चा करें, लिखवाएँ।

पाठ 23

अं	झ	य	छ	ष	ढ़

अंगूर

अं	गू	र

अं

झंडा

झं	डा

झं

यज्ञ

य	ज्ञ

य

छतरी

छ	त	री

छ

षटकोण

ष	ट	को	ण

ष
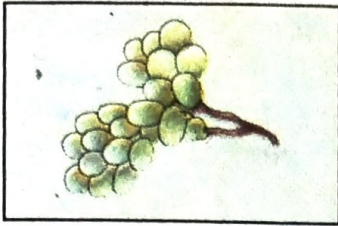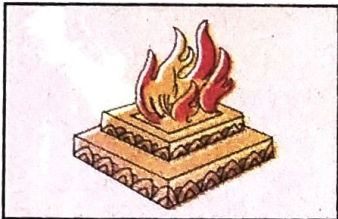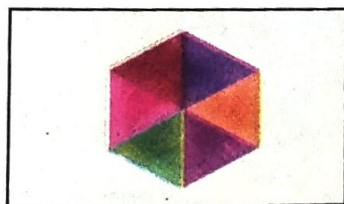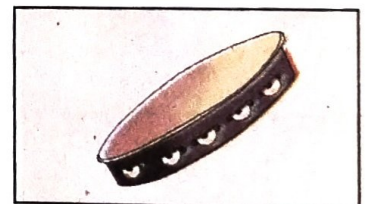
ढपली

ढ	प	ली

ढ

शिक्षक संकेत :- पहले चित्र देखने को कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात् वर्ण से परिचय करवाएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।

1. अं पहचान कर गोला लगाओ और लिखो-

अंडा

....

....

....
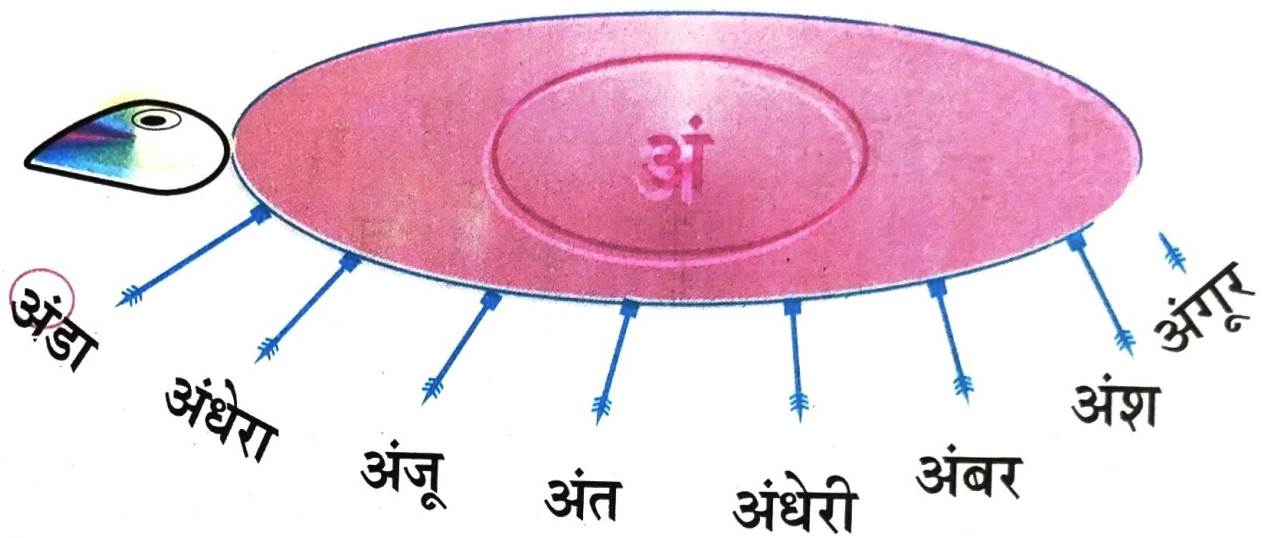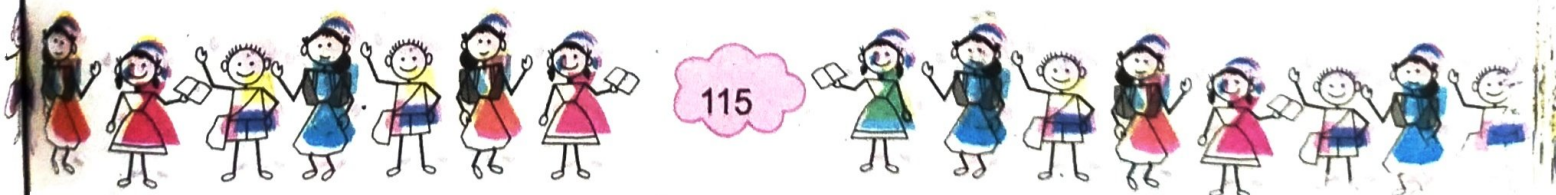
2. दिए गए वर्ण को घड़े के अंदर के वर्णों में खोजकर गोला लगाओ

झ

च झ छ
ज झ
झ

य

प य फ
र व त ल
य न प
य

छ

छ छ द
न य ध र
ल छ छ
य

ष

प ष प
य र न
ष ष थ
त ध

ढ

न ढ
ध द ल
ढ
क ध ढ
ट ठ
ढ
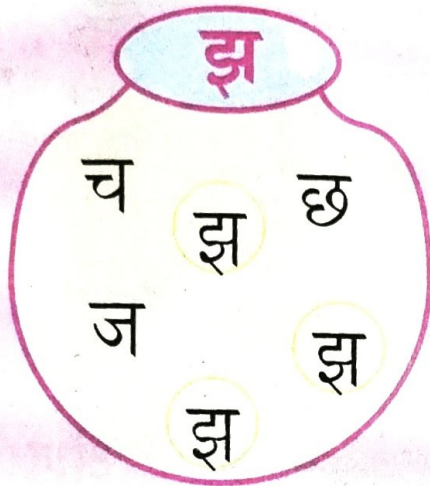
शिक्षक संकेत:- इस पाठ में झ, य, छ, ष, ढ वर्ण से परिचय कराया गया है। इन वर्णों की समझ के लिए घड़े के ऊपर लिखे वर्णों को घड़े के अन्दर के वर्णों से पहचान कर गोला लगवाएँ।

3. चित्र पहचानो, बोलो और लिखो

छलनी

छप्पर

छाया

छ

छ

झरोखा

झरना

झबला

झ

झ
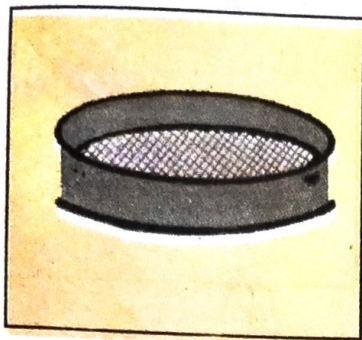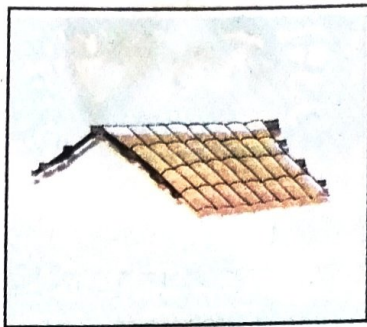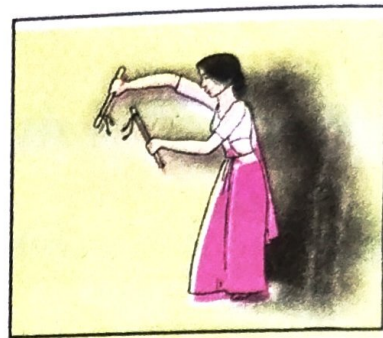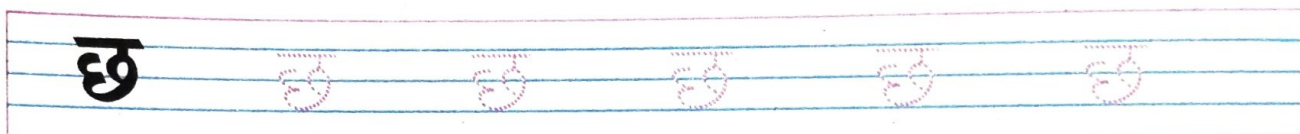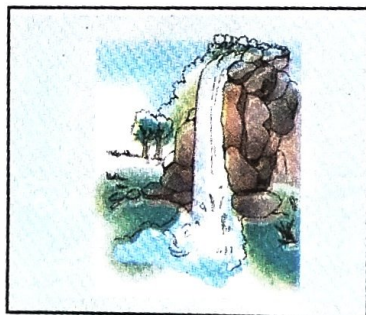
शिक्षक संकेत :- चित्रों की पहचान कराएँ तथा बातचीत करें। उनके नाम बुलवाएँ। वर्ण को लिखना सिखाने के लिए बड़े मोटे वर्ण के स्ट्रोक पर पेंसिल चलवाएँ फिर नीचे की पंक्ति में देखकर लिखने का अभ्यास करवाएँ।
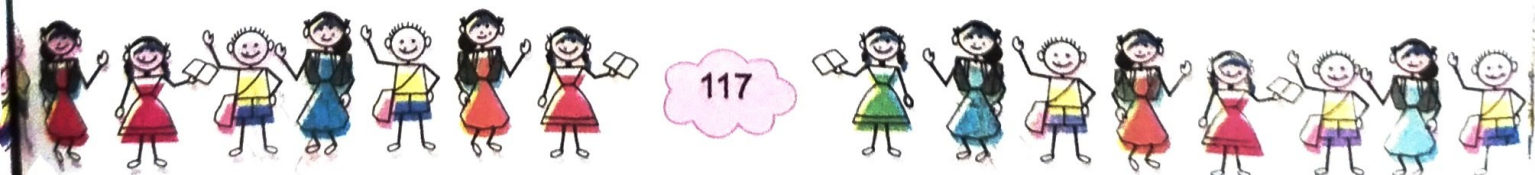
ढक्कन
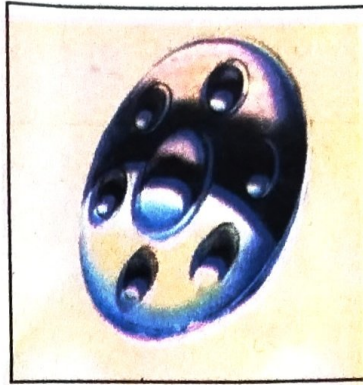
ढाल
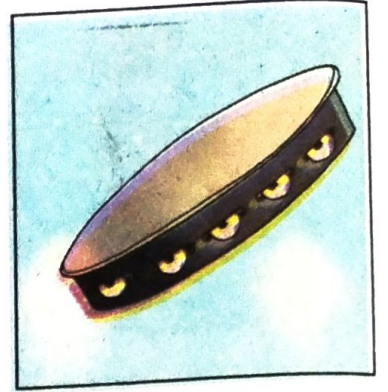
ढपली
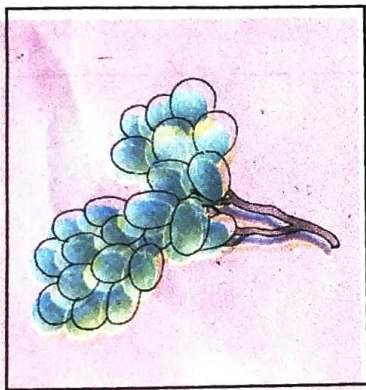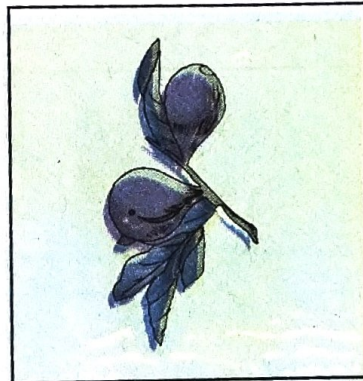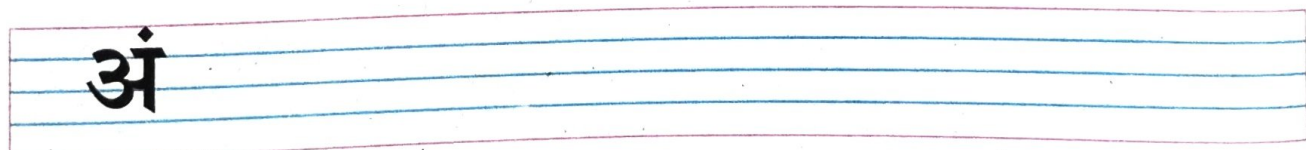
ढ

ढ

अंगूर

अंजीर

अंक

अं

अं

शिक्षक संकेत:- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों में स्ट्रोक के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

यज्ञ
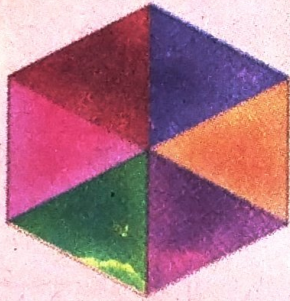
य

षटकोण

शिक्षक संकेत :- बच्चों को चित्र दिखाकर उनकी पहचान कराएँ, उनका नाम बताएँ तथा चित्र के बारे में चर्चा करें। दिए गए वर्णों में स्ट्रोक के ऊपर पेंसिल चलवाकर लिखने का अभ्यास कराएँ।

4. पढ़ो

अंत	समझ	यह	थन	षटरस
ढक	अंतर	झट	झनक	झंपट
नथ	थल	दशरथ	झलक	झटपट
अक्षर	अथक	पवन	नयन	रक्षक

5. वाक्य पूरे करो-

अंगूर चख।

____________ पहनाओ।
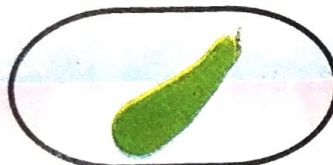
____________ का साग खाओ।

यह ____________ है।

यह ____________ है।

यह ____________ है।

शिक्षक संकेत :- सीखे गए वर्णों से बने शब्दों को पढ़वाएँ। अभ्यास पाँच में एक ओर चित्र बने हैं दूसरी ओर शब्द लिखे हैं। खाली स्थान में चित्रों के नाम लिखवाकर वाक्य पूरा करवाएँ और पढ़वाएँ।

पाठ 24

सब्जी दरबार

सिंहासन पर लाल टमाटर,
पंखा झलते मूली गाजर।
दरबारी हैं गोभी आलू,
बैंगन, शलजम, प्याज, कचालू।
लौकी, भिंडी, तोरी, टिंडे,
मटर, लोबिया, सेम, चचिंडे,।
मेथी, पालक, मिर्ची, परमल,
पहरा देते कद्दू, कटहल।
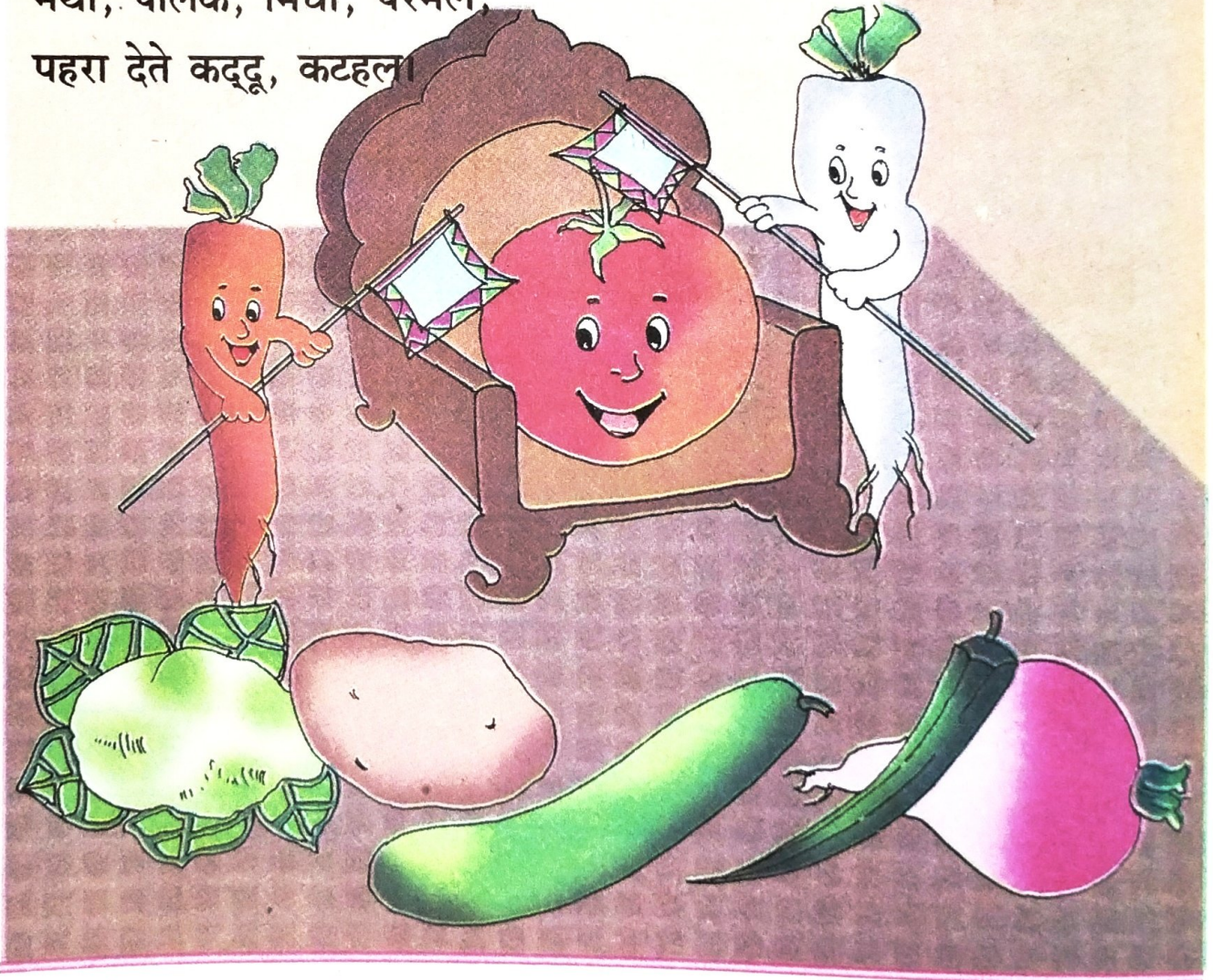
शिक्षक संकेत : कविता याद करवाएँ। लयताल के साथ गायन करवाएँ। सब्जियों के नाम पूछें। स्थानीय नामों पर चर्चा करते हुए मानक शब्दावली से परिचय करवाएँ।

1. सब्जियों के नाम ढूँढकर गोला लगाओ और लिखो-

च	श	प	त	ग	अ	ए	च	शि	स	गो
ल	ल	क	ट	ह	ल	भा	श	म	म	भी
ख	ज	द्	ष	छ	ज	लौ	की	ला	र	ग
भ	म	टू	झ	ण	च	म	ग	मि	क	च
ट	क	प	ट	ठ	प्या	ज	भ	र	आ	लू
च	म	ल	मा	र	ज	ठ	ग	ची	ल	ग
ख	म	ब	ट	म	ठ	अ	गा	ज	र	ज
र	ट	ल	र	ग	म	ट	ल	ओ	म	च
प	र	फ	ग	म	ट	ज	ल	म	भिं	डी

कटहल ....

....

....

....

....

पाठ 24

श	क्ष	त्र	ज्ञ	ड़	ढ़

शलजम

श	ल	ज	म

श

क्षत्रिय

क्ष	त्रि	य

क्ष

त्रिशूल

त्रि	शू	ल

त्र

ज्ञानी

ज्ञा	नी

ज्ञ

ज**ड़**

ज	ड़

ड़
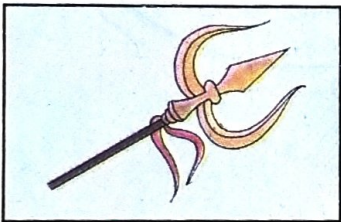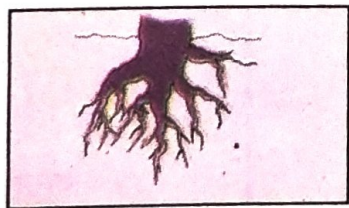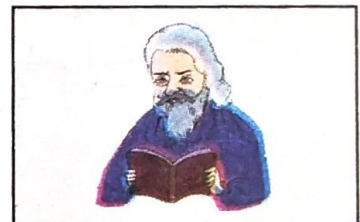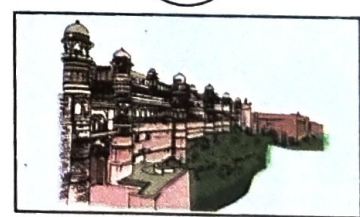
ग**ढ़**

ग	ढ़

ढ़

शिक्षक संकेत :- पहले चित्र देखने के कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात् वर्ण से परिचय कराएँ। इसी प्रकार वर्णों का ज्ञान कराना है।

1. समान वर्णों को मिलाओ

ज्ञ
क्ष
क्ष
थ
क्ष
क
क्ष
ख
य

ट
त्र
त्र
द
त्र
प
घ
त्र
र

ट
ज्ञ
ड़
द
ज्ञ
प
ज्ञ
ज्ञ
र

शिक्षक संकेत:- समान वर्ण पर गोला लगाकर गतिविधि पूरी कराएँ।
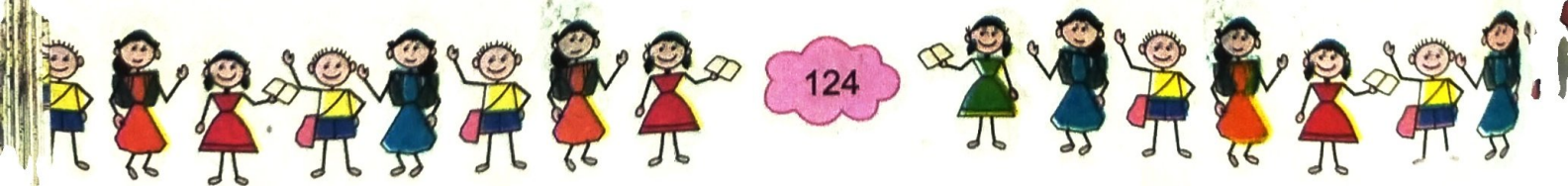
2. नए शब्द

श	शत	ता........	........क
क्ष	........त	........मा	क........
ज्ञ	य........	........न	
ड़	ज........	पे........	स........क
ढ़	प........	च........	ग........
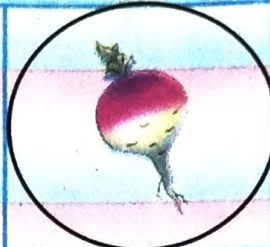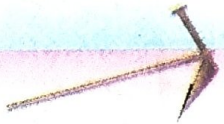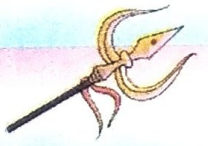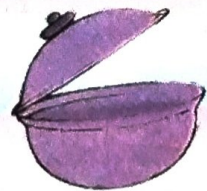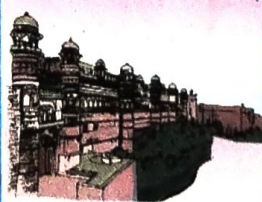
शिक्षक संकेत :- यह गतिविधि सीखे गए वर्णों का प्रयोग कर नए शब्द निर्माण की है। मोटे वर्णों को खाली स्थान में भरवा कर नए शब्द बनवाएँ और पढ़वाएँ।

3. वर्ण को पहचानकर उनसे शुरू होने वाले चित्र पर गोला बनाइए :-

श			
क्ष			
त्र			
ज्ञ			
ड़			
ढ़			

शिक्षक संकेत :- यह गतिविधि नए सीखे गए वर्णों की पहचान के लिए है। दिए गए वर्ण को पहचानकर उससे शुरु होने वाले नाम के चित्रों पर गोला लगवाएँ।
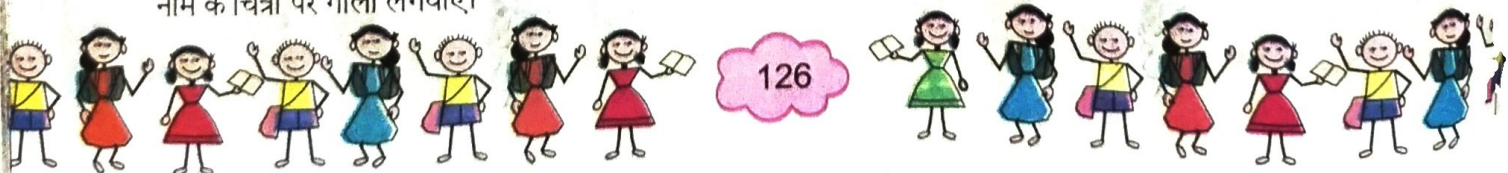
5. शब्दों को छाँटकर संबंधित वर्ण के नीचे लिखो-

यज्ञ ज्ञात
सड़क चढ़ शरीफा
पत्र शलजम धड़
पढ़ क्षत्रिय सत्र
शरबत ज्ञानी

जैसे-

श	क्ष
शलजम	

त्र	ज्ञ
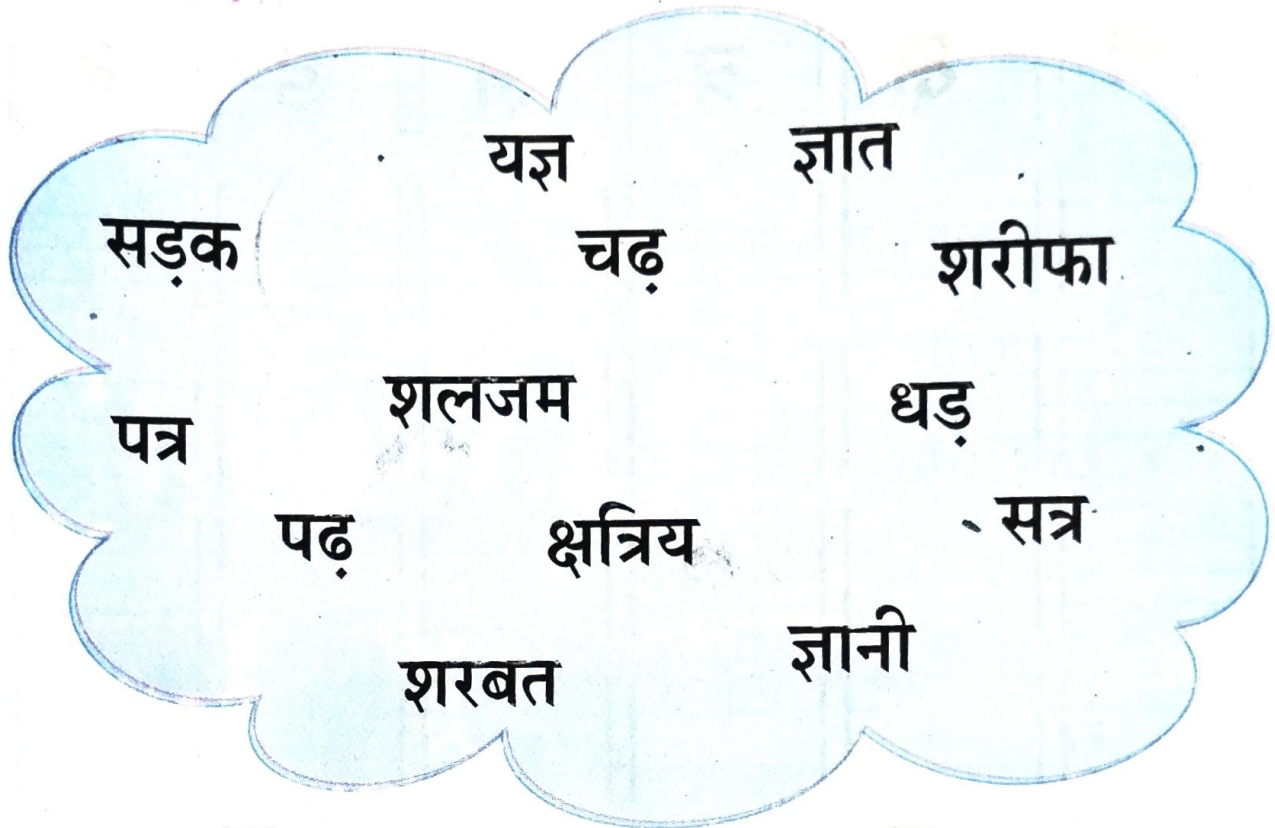
ड़	ढ़

पाठ 25

गुब्बारे

गाल फुलाए गुब्बारे,
घूम रहे मारे-मारे।
कोई लम्बा कोई गोल,
कोई मोटा जैसे ढोल।
सुई इन्हें चुभाना न,
खुल जाएगी इनकी पोल।
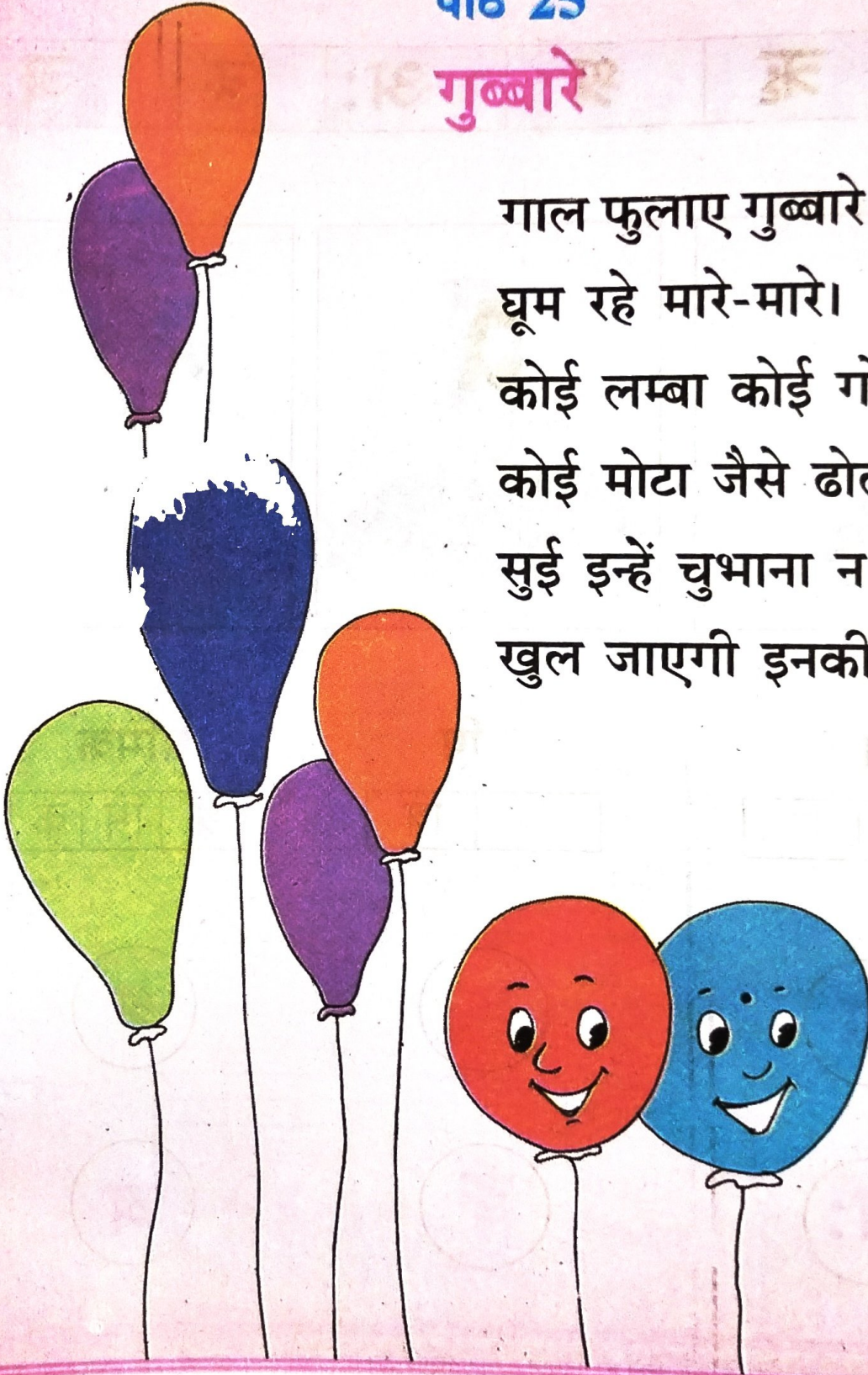
शिक्षक संकेत :- कविता याद करवाएँ। लयताल के साथ गायन करवाएँ। गुब्बारों के रंग के बारे में बात-चीत करें।
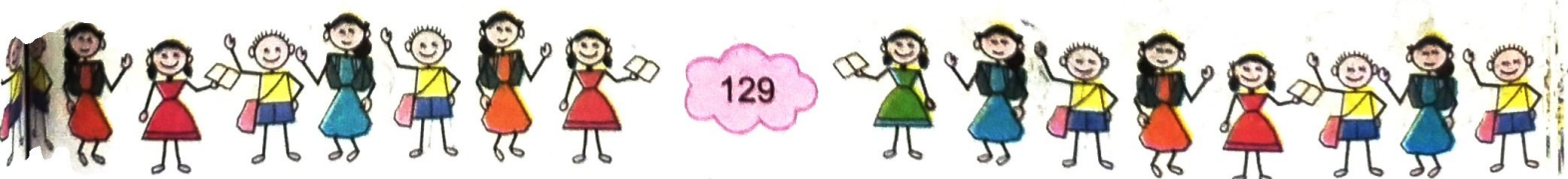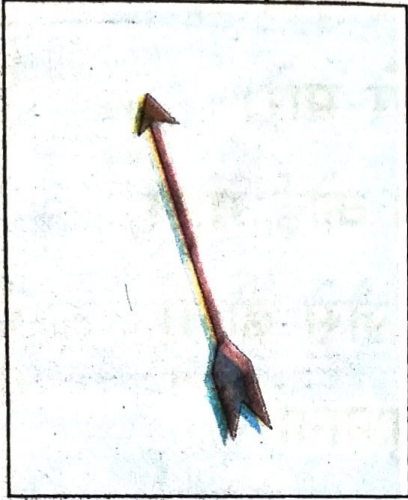
पाठ 25

बाण | **ऋषि** | **श्रमिक**

बा	ण

ऋ	षि

श्र	मि	क

ण ऋ श्र

अः ङ ञ

शिक्षक संकेत :- पहले चित्र देखने को कहें। चित्र की पहचान करवाएँ तत्पश्चात् वर्ण से परिचय करवाएँ। इसी प्रकार सभी वर्णों का ज्ञान कराना है।

1. लिखो-

ण

ॠ

श्र

अः

ङ

ञ
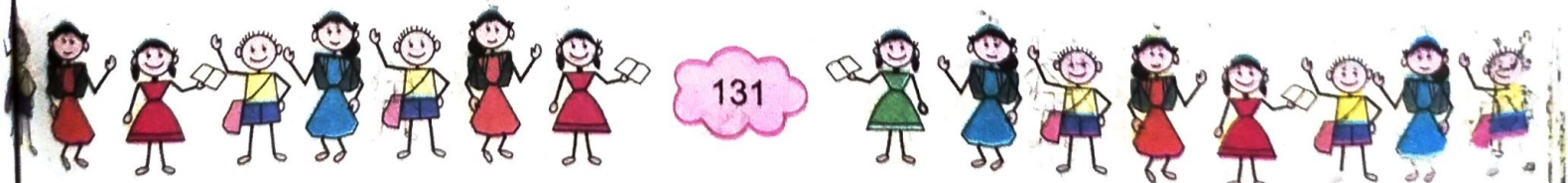
2. नीचे लिखे वर्णों को 'ण' वर्ण से जोड़कर शब्द बनाओ-
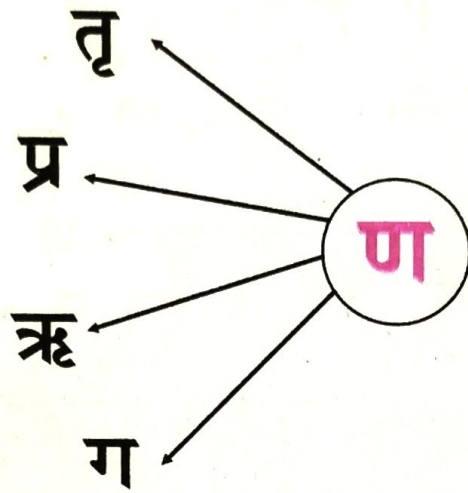
3. नीचे लिखे शब्दों को 'तः' वर्ण से जोड़कर लिखो-

पाठ 26
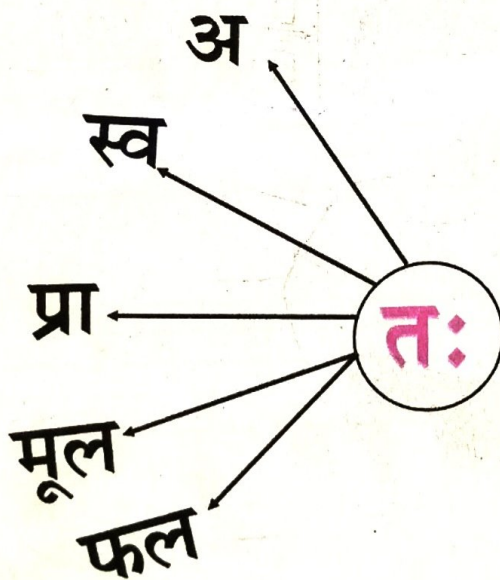
मेरा गाँव

बड़ा निराला मेरा गाँव
हरा-भरा है मेरा गाँव
गाँव मेरा है खेतों का
खेतों का खलियानों का
करते काम किसान यहाँ
मेहनत है दिन रात यहाँ
हरे-भरे पेड़ों की छाँव
बड़ा निराला मेरा गाँव ।
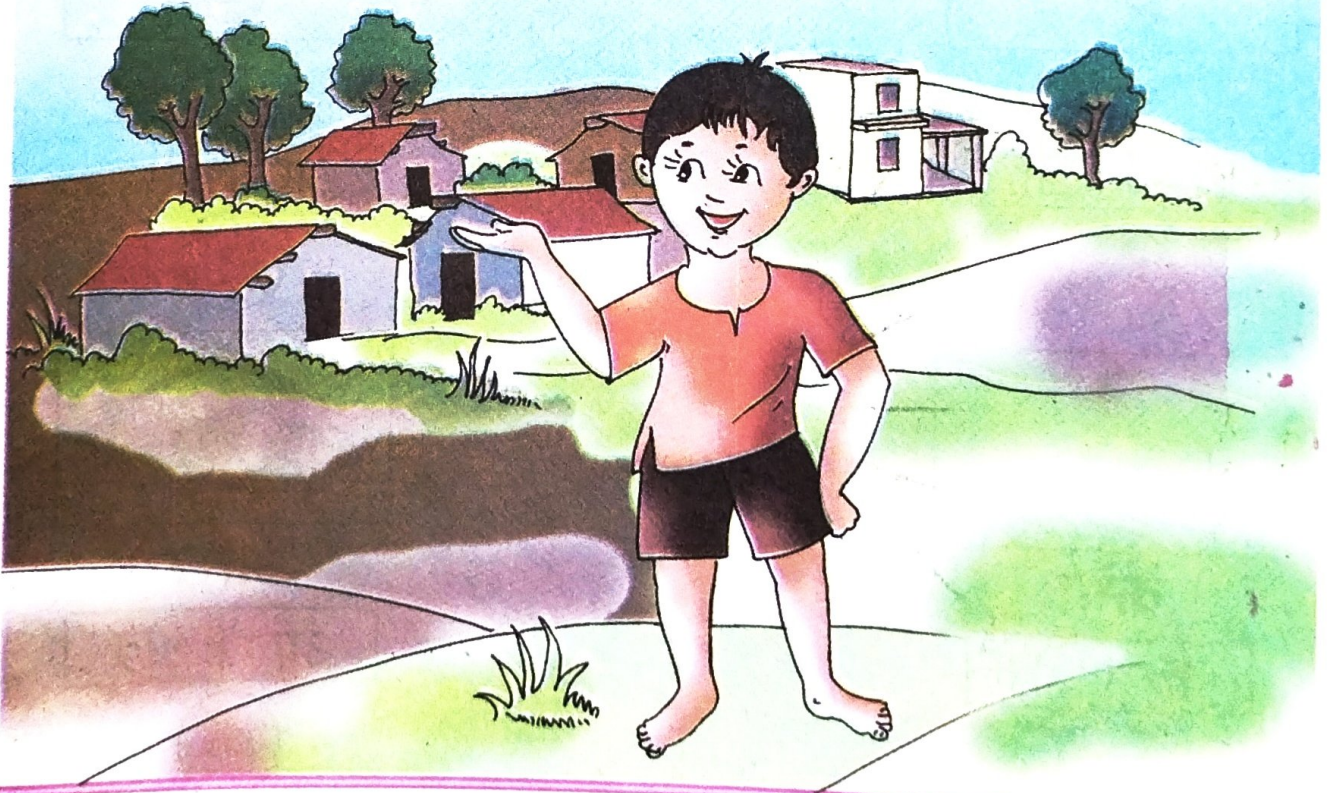
शिक्षक संकेत : कविता का गायन हाव-भाव के साथ करें। बच्चों को कविता पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करें। गाँव, यहाँ, छाँव शब्दों का उच्चारण करवाएँ।

पाठ 26

ं	ँ

अंगूर

अं	गू	र

ं

पंखा

पं	खा

ं

कंधा
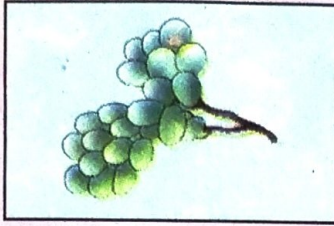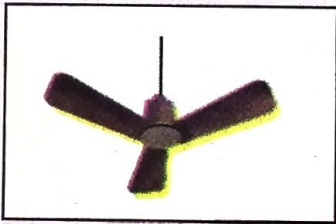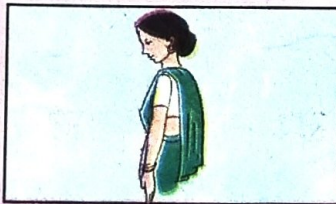
कं	धा

ं
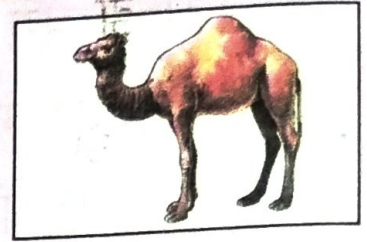
ऊँट

ऊँ	ट

ँ

साँप

साँ	प

ँ

आँख

आँ	ख

ँ

शिक्षक संकेत :- दिए गए चित्रों पर बात-चीत करें। चित्रों के नाम बुलवाएँ अं, ऊ, प, स वर्णों का शुद्ध उच्चारण कराएँ। सीखे गए वर्णों के साथ अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग करते हुए वर्ण का उच्चारण करावाएँ। इससे बनने वाले शब्द बुलवाएँ।

ं की मात्रा वाले शब्द (पहचाने और बोले)

डं	झं	अं	कं	ठं	शं	पं
डंडा	झंडा	अंग	कंस	ठंड	शंख	पंख
मंदा	घंटा	गंदा	दंगा	ठंडा	गंगा	पंखा
सुरंग	उमंग	तिरंगा	चंचल	पतंग		

ँ की मात्रा वाले शब्द (पहचाने और बोले)

आँ	काँ	गाँ	साँ	चाँ	माँ	माँ
आँ	काँच	गाँव	साँप	चाँद	माँग	माँग
यहाँ	वहाँ	जहाँ	पाँव	कहाँ	साँच	डाँट
बाँसुरी	लहँगा	हँसना	पाँच	महँगा	बँगला	दाँत
ऊँट	घूँट	पूँछ	तहाँ	मूँछ	फूँक	सूँड

शिक्षक संकेत: अनुस्वार ं और अनुनासिक ँ वाले वर्णों का उच्चारण करावाएँ।

1. उचित वर्ण पर (ं) की मात्रा लगाकर शब्द पूरा करो

सुरग	—	सुरंग	रग	—	रंग
अगूर	—	———	ढग	—	———
मदिर	—	———	पच	—	———
उमग	—	———	हस	—	———
सतरा	—	———	सब	—	———

2. उचित वर्ण पर (ँ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरा करो

बासुरी	—	बाँसुरी	आख	—	आँख
आगन	—	———	बूद	—	———
महगा	—	———	काच	—	———
हसना	—	———	गाव	—	———
अगूठी	—	———	साप	—	———

3. चित्रों के नाम लिखो-
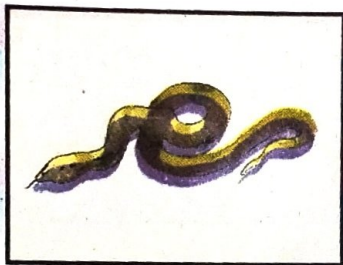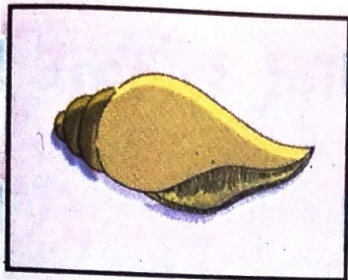
4. सही शब्द पहचानकर (✓) का चिह्न लगाओ-

मूंछ | मूँछ

अँगूठी | अंगूठी
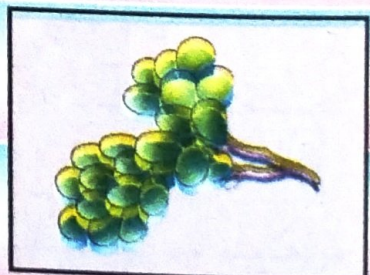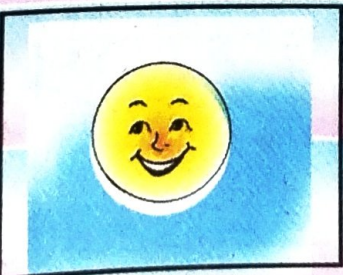
चाँद | चांद

अँगूर | अंगूर

5. दिए गए शब्दों को पढ़ें, इन शब्दों में से (ं) की और (ँ) की मात्रा वाले शब्द छाँटकर अलग-अलग पंक्तियों में लिखें।

आँख चाँद दाँत

झंडा दाँत शंख

नारंगी अँगूठी संतरा

पलंग हँस जंगल शंकर

रंग सँपेरा ताँगा

ं	ँ
----- ----- ----- -----	----- ----- ----- -----
----- ----- ----- -----	----- ----- ----- -----

कृषक पाठ 27

ऋ (ृ) और अ (:)

मृग

मृ	ग

मृ

छः

छ	:

छः

गृह

गृ	ह

गृ

नमः

न	मः

मः

वृक्ष

वृ	क्ष

वृ
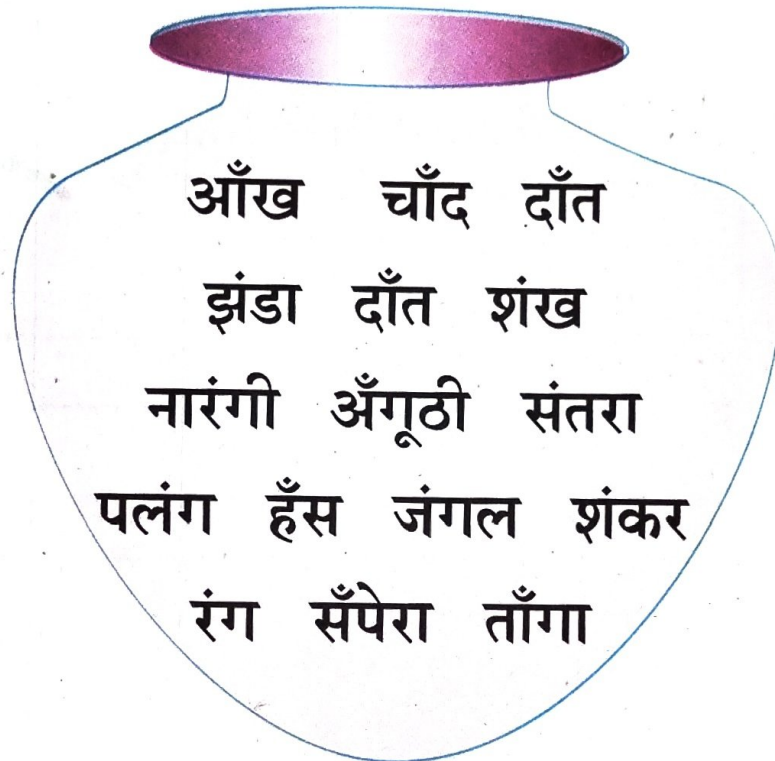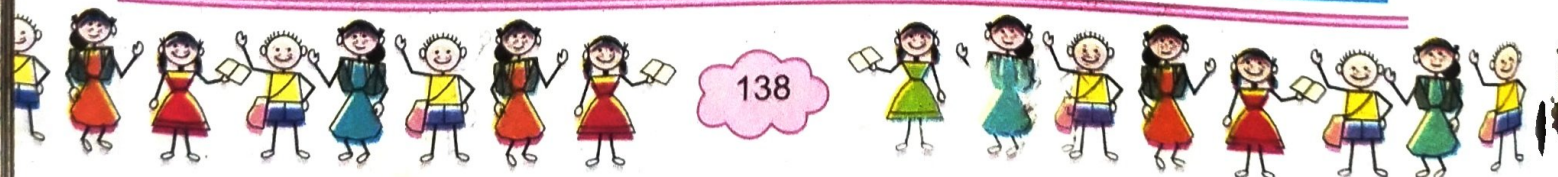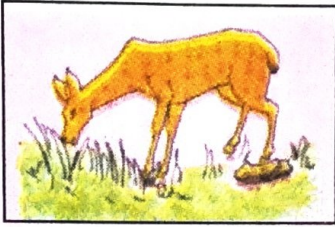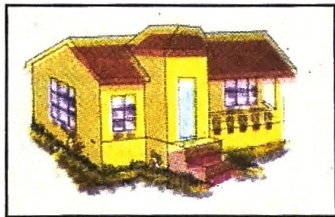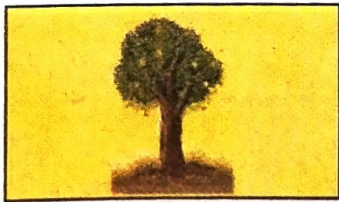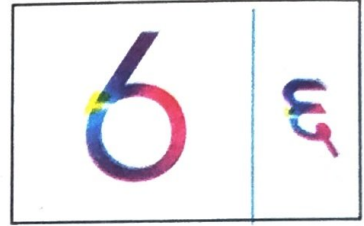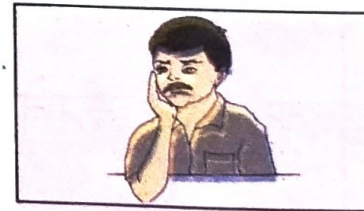
दुःख

दुः	ख

दुः

शिक्षक संकेत- दिए गए चित्रों पर बात-चीत करें। चित्रों के नाम बतलाएँ। मृ, गृ, वृ मः, दुः, तः वर्षों का शुद्ध उच्चारण कराएँ। उनसे मिलकर बनने वाले शब्द बोलवाएँ।

1. शब्द रचना

छ	त	न	द	ध	म
छः	तः	नः	दुः	धः	मः
प्रायः	अतः	पुनः	दुःख		नमः

2. नीचे लिखे शब्दों को (तः) शब्द के साथ जोड़कर लिखें-

अ
स्व
प्रा
मूल
फल

तः

अतः.......
....
....
....
....
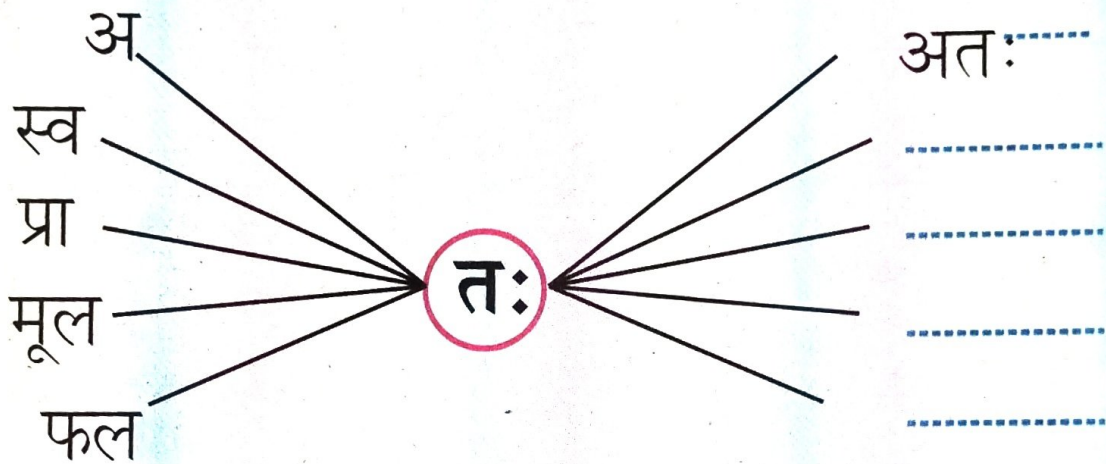
3. नीचे लिखे वाक्यों को पुनः लिखे

अमृत मृदंग बजाता है ------------------------------------

कृषक कृषि करते हैं ------------------------------------

मृग जंगल में रहते हैं ------------------------------------

अमृत वृक्ष नहीं काटता ------------------------------------

शिक्षक संकेत:- वर्णमाला और बारहखड़ी का क्रम बच्चों को याद करवाएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण करवाएँ।

पाठ 27

कृषक

अमृत एक कृषक है।
वह हर दिन सुबह छः
बजे उठता है।
वह कृषि करता है।
उसके गृह के पास बहुत
से वृक्ष हैं।

पाठ 28
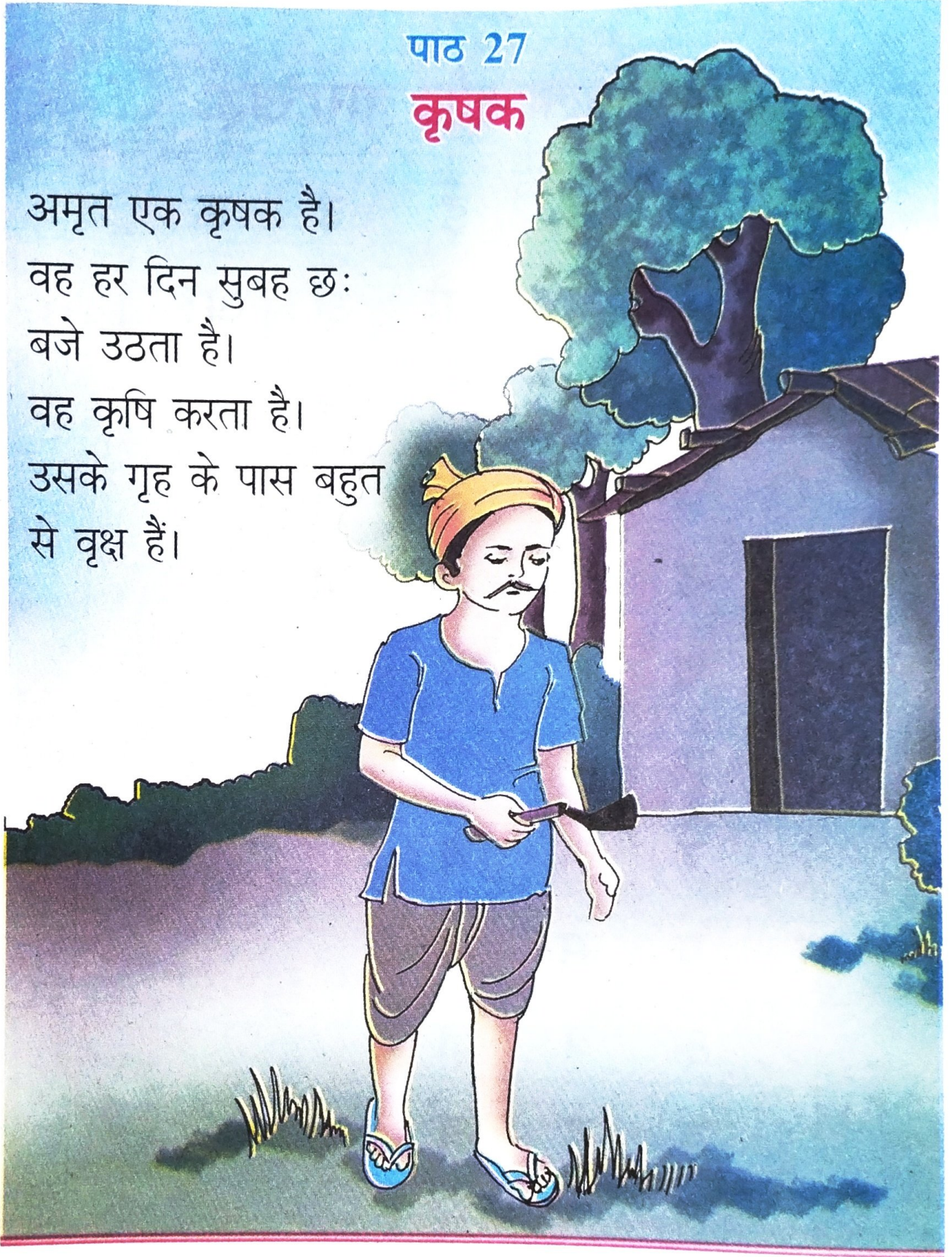
वर्णमाला और बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
	क्ष	त्र	ज्ञ			
	ड़	ढ़	श्र			

शिक्षक संकेत :- वर्णमाला और बारहखड़ी का क्रम बच्चों को याद करवाएँ। वर्णों की पहचान व उच्चारण करवाएँ।
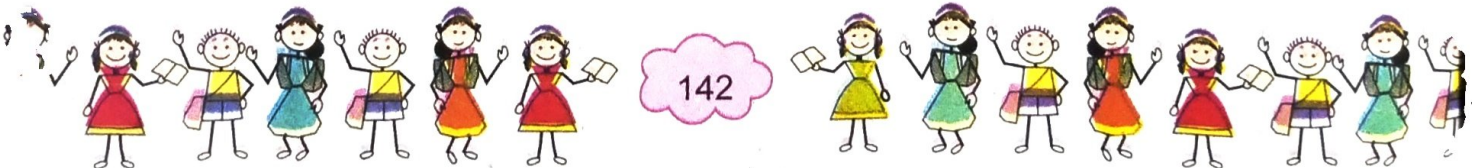
बारहखड़ी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छौ	छं	छः

ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झौ	झं	झः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टे	टै	टो	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठे	ठै	ठो	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डे	डै	डो	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढे	ढै	ढो	ढौ	ढं	ढः
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णौ	णं	णः
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तौ	तं	तः

थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भौ	भं	भः

म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
स	सा	सि	सी	सु	सू	से	सै	सो	सौ	सं	सः

ह	हा	हि	ही	हु	हू	हे	है	हो	हौ	हं	हः
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
त्र	त्रा	त्रि	त्री	त्रु	त्रू	त्रे	त्रै	त्रो	त्रौ	त्रं	त्रः
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः

पाठ 29

झंडा

तीन रंग का झंडा अपना
हम इसको फहराते हैं।
इसे तिरंगा कहते हैं हम
इसका गाना गाते हैं।

इसे देखते जब हम सब
कितने खुश हो जाते हैं।
इस झंडे को हम सब बच्चे
अपना शीश झुकाते हैं।,

शिक्षक संकेत :- कविता याद करवाएँ। हावभाव के साथ वाचन करवाएँ। झंडे के बारे में चर्चा करें।
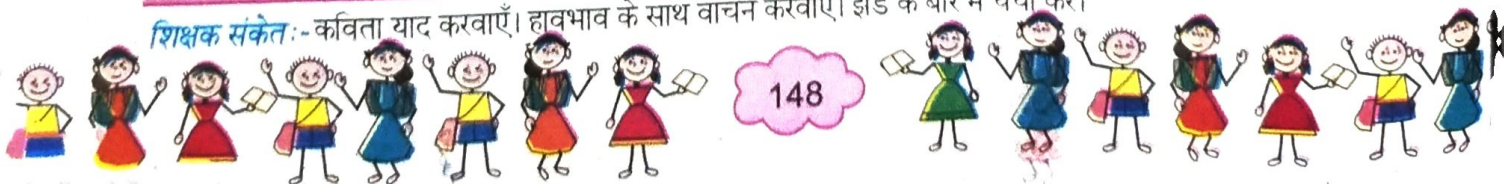
पाठ-30

संजय, मंजू और नीलकंठ

संजय और मंजू सारंगपुर में रहते थे। उनका गाँव हरा-भरा था। एक दिन दोनों घूमने गए।

मंजू ने नीले रंग का सुंदर पक्षी देखा। वह घायल था। दोनों उसे घर ले आए। माँ ने उसे दवा लगाई। कुछ दिनों में वह ठीक हो गया। वह अपने पंख हिलाता, फड़-फड़, फड़-फड़।
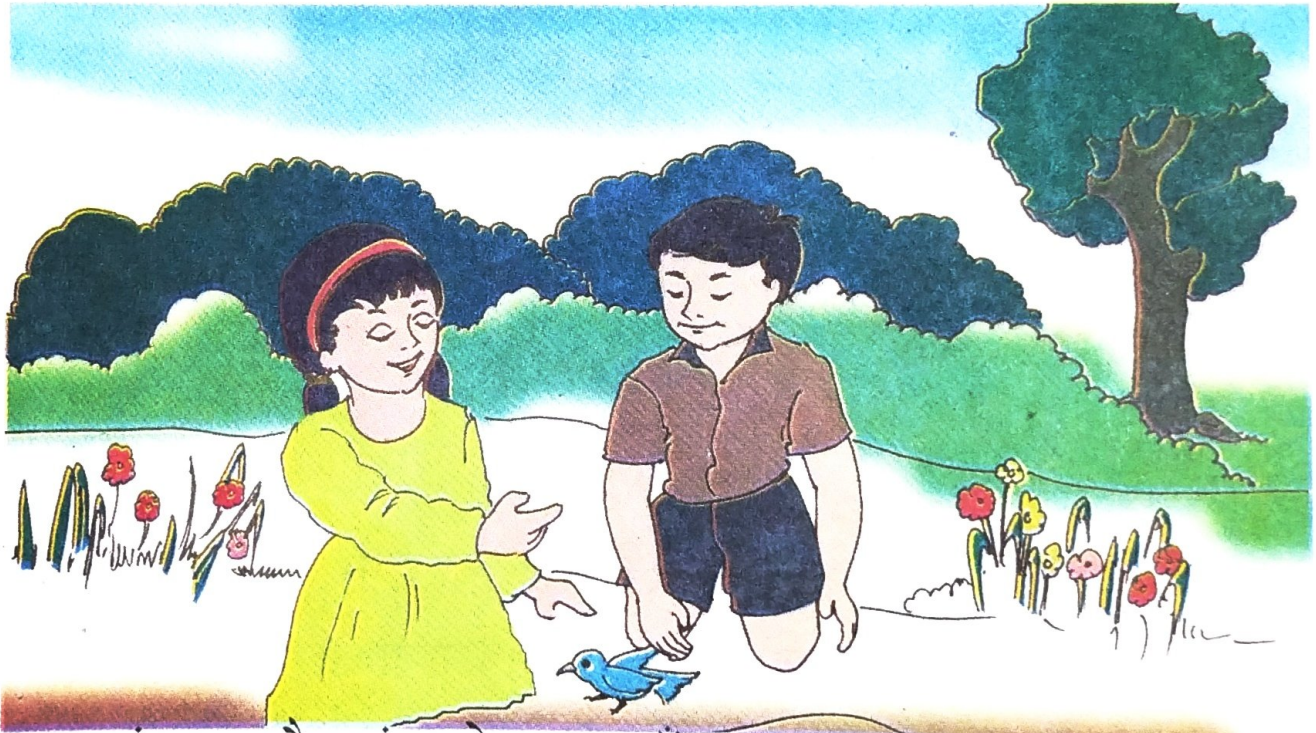
संजय और मंजू ने कहा-माँ यह बहुत सुंदर है। हम इसे पिंजरे में रखेंगे। माँ ने समझाया- पक्षी उड़ना पसंद करते हैं उसे उड़ने दो। दोनों ने माँ की बात मान ली। नीलकंठ खुशी से उड़ गया। उसे उड़ता देख सभी बहुत खुश हुए।

पाठ-31

मीठे-मीठे गुलगुले

नीलू की नानी बना रही थी गुलगुले । महक वाले गोल-गोल गुलगुले। गुलगुलों की महक चली नदी के पार, जंगल के पार, सीधे नीलू के घर।

नानी के गुलगुले! नीलू उछली- मैं खाऊँगी गुलगुले। और नीलू निकल चली नानी के घर। पहले आया जंगल। कैसे करें पार ! तभी वहाँ आई एक **नीलगाय।** 'नीलू ने कहा'-नीलगाय, नीलगाय, खाओगी गुलगुले?

नीलगाय ने कहा - वही गुलगुले, जिनकी महक आ रही है?

हाँ, नीलू ने कहा - गोल-गोल गुलगुले, गुड़ के गुलगुले।

शिक्षक संकेत :- बच्चों से पाठ पढवाएँ। शब्द ढुँढवाएँ। पाठ का वाचन स्वयं भी करें। नानी, नीलगाय, गुलगुले आदि पर चर्चा करें।

देर किस बात की, नीलगाय ने कहा- बैठो मेरी पीठ पर। दोनों ने किया जंगल पार। महक और भी तेज हो उठी थी। पर आगे थी नदी। कैसे करें पार?

उनको दिखी **लखन की नाव।** नीलू नें कहा-लखन-लखन खाओगे गुलगुले?

लखन ने कहा-वही गुलगुले, जिनकी महक आ रही है?

हाँ, नीलू ने कहा-गोल-गोल गुलगुले, गुड़ के गुलगुले!

देर किस बात की, लखन ने कहा-बैठो मेरी नाव में।

तीनों ने की नदी पार। पहुँचे नानी के घर। नानी खड़ी हँस रही थी। नानी ने कहा- खाओगे गुलगुले ?

तीनों ने कहा-हाँ! और वे खाने लगे गोल-गोल गुलगुले, गुड़ के गुलगुले।

अभ्यास

प्रश्न (1) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो-

(1) नानी क्या बना रही थी?

उत्तर - ________________________________

(2) जंगल किस-किस ने पार किया?

उत्तर - ________________________________

(3) नाव किसकी थी?

उत्तर - ________________________________

(4) गुलगुले किस-किस ने खाए?

उत्तर - ________________________________

प्रश्न (2) दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरो-

(गुड़, नाव, महक)

(1.) गुलगुलों की .... आ रही थी।

(2.) तीनों ने नदी .... से पार की।

(3.) गुलगुले .... के बने थे।

पाठ-32

कड़छी रानी

बेलन बोला करूँ सगाई,
मैं तो कड़छी रानी से।

कड़छी बोली जा-जा पहले,
मुँह तो धो आ पानी से।

करूँ सगाई मैं तो अपनी,
पलटामल हलवाई से।

दे दिन-रात मुझे खाने को,
भर-भर थाल मिठाई के।
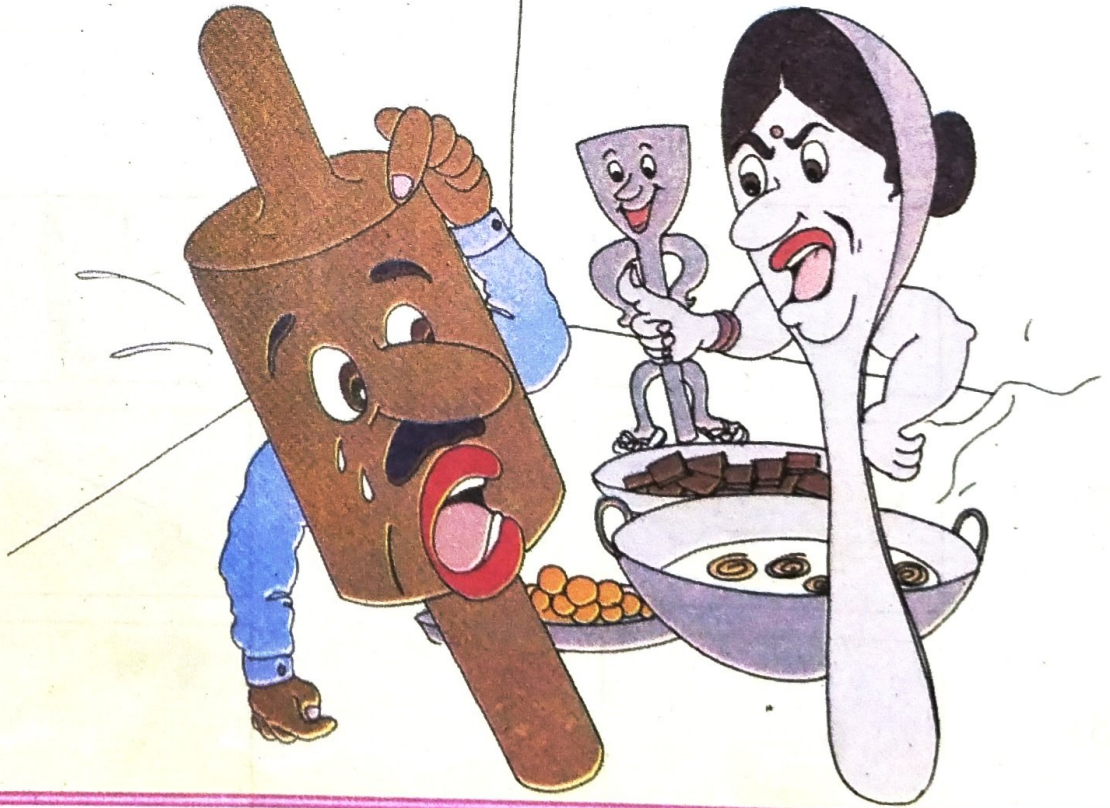
अभ्यास

प्रश्न (1) कविता को पढ़कर खाली स्थान पूरे करो-

बेलन बोला ....।

मैं ....।

कड़छी बोली ....।

.... पानी से ।

प्रश्न (2) गीत पढ़कर समान तुक वाले शब्द छाँटकर लिखो-

रानी ________ पानी

मिठाई ________

प्रश्न (3) ऐसे शब्द लिखो जिसमें अंत में (र) हो-

________ ________ ________ ________ ________

________ ________ ________ ________ ________

प्रश्न (4) सही जोड़ी बनाओ-

(1)

(2)

(3)
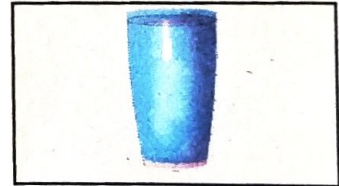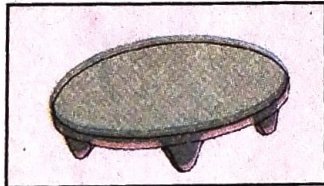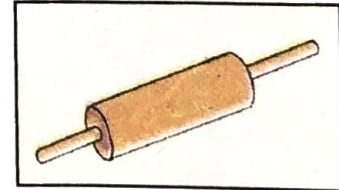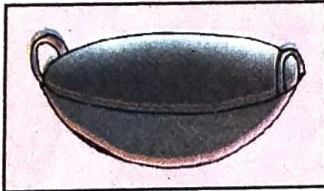
पाठ 33
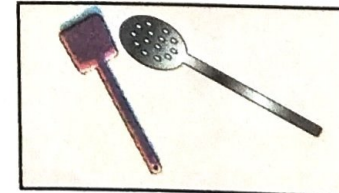
बगुला और पेंसिल

बाला को मिली एक पेंसिल। उसने लिया एक कागज और बनाने लगी एक बगुला। तभी पेंसिल उसके हाथ से छूटी। लुढ़ककर पेंसिल पलंग के नीचे चली गई।

बाला पेंसिल निकालने के लिए झुकी, पर उसका हाथ पहुँचा ही नहीं। वह फुटा लेकर आई, पर वह भी नहीं पहुँचा। फिर बाला लाई एक छड़ी, पर उससे घसीटते नहीं बना।

तभी कागज से बगुला बाहर आया। मैं लाऊँ? उसने कहा। वह पलंग के नीचे गया। पर सबसे पहले वह लाया, बाला की एक पुरानी गेंद। नहीं, बाला ने कहा-मेरी तो लंबी चीज गिरी है।
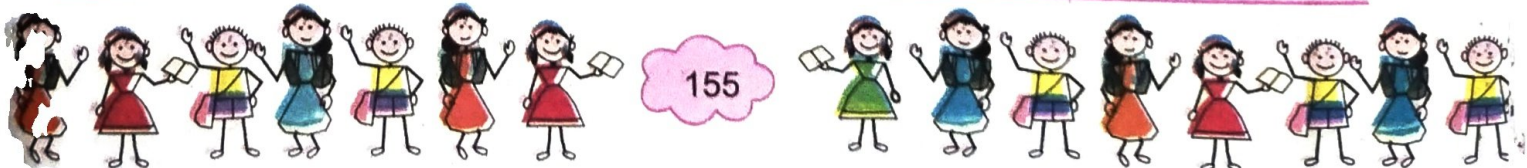
बगुला फिर गया। इस बार वह लेकर आया एक बाँसुरी। नहीं, बाला ने कहा "मेरी तो लिखने की चीज गिरी है।"

इस बार बगुला गया, तो पेंसिल ही लेकर आया। बाला बहुत खुश हुई। उसने कहा-मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकती हूँ? बगुले ने कहा-मेरे पंख बना दो ना।

बाला ने चित्र पूरा किया। फिर उसने अपने मित्र को उड़ जाने दिया।
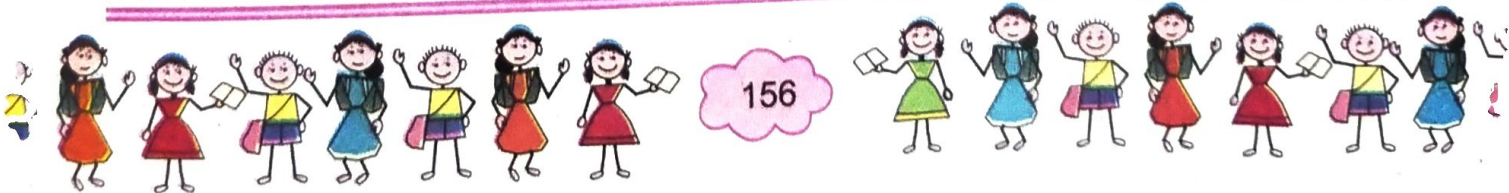
अभ्यास

प्रश्न : नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो -

(1) बाला ने किसका चित्र बनाया ?

उत्तर ______________________________

(2) पेंसिल लुढ़काकर कहाँ चली गई थी ?

उत्तर ______________________________

(3) कागज से निकलकर बाहर कौन आया ?

उत्तर ______________________________

प्रश्न 2 बगुला द्वारा लाई गई वस्तुओं को क्रम से जमाओ-

(बांसुरी पेंसिल गेंद)

(1)

(2)

(3)

प्रश्न-३ किसने किससे कहा ?

(1) मैं लाऊँ ______________________________

(2) मेरी तो लंबी चीज गिरी है ______________________________

(3) मेरे पंख बना दो ना ______________________________

पाठ 34
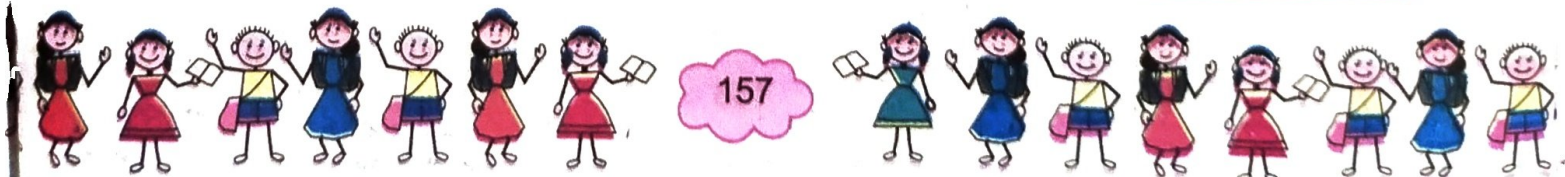
शेर साहब की पूँछ

एक था शेर। उसकी दोस्ती थी एक लोमड़ी से। शेर शिकार करता, खुद खाता और लोमड़ी को भी खिलाता। लेकिन अब शेर बूढ़ा हो चला था। शिकार करना कठिन हो रहा था। कई दिनों से लोमड़ी और शेर भूखे थे। तभी उनको दूर से एक खरगोश आता दिखाई दिया। लोमड़ी ने कहा-शेर साहब, झट मरने का बहाना कीजिए!

शेर लेट गया। लोमड़ी ने झट उसे सूखी घास से ढकना शुरू किया। अब शेर की मात्र पूँछ बाहर दिख रही थी। फिर लोमड़ी लगी रोने, जोर-जोर से।
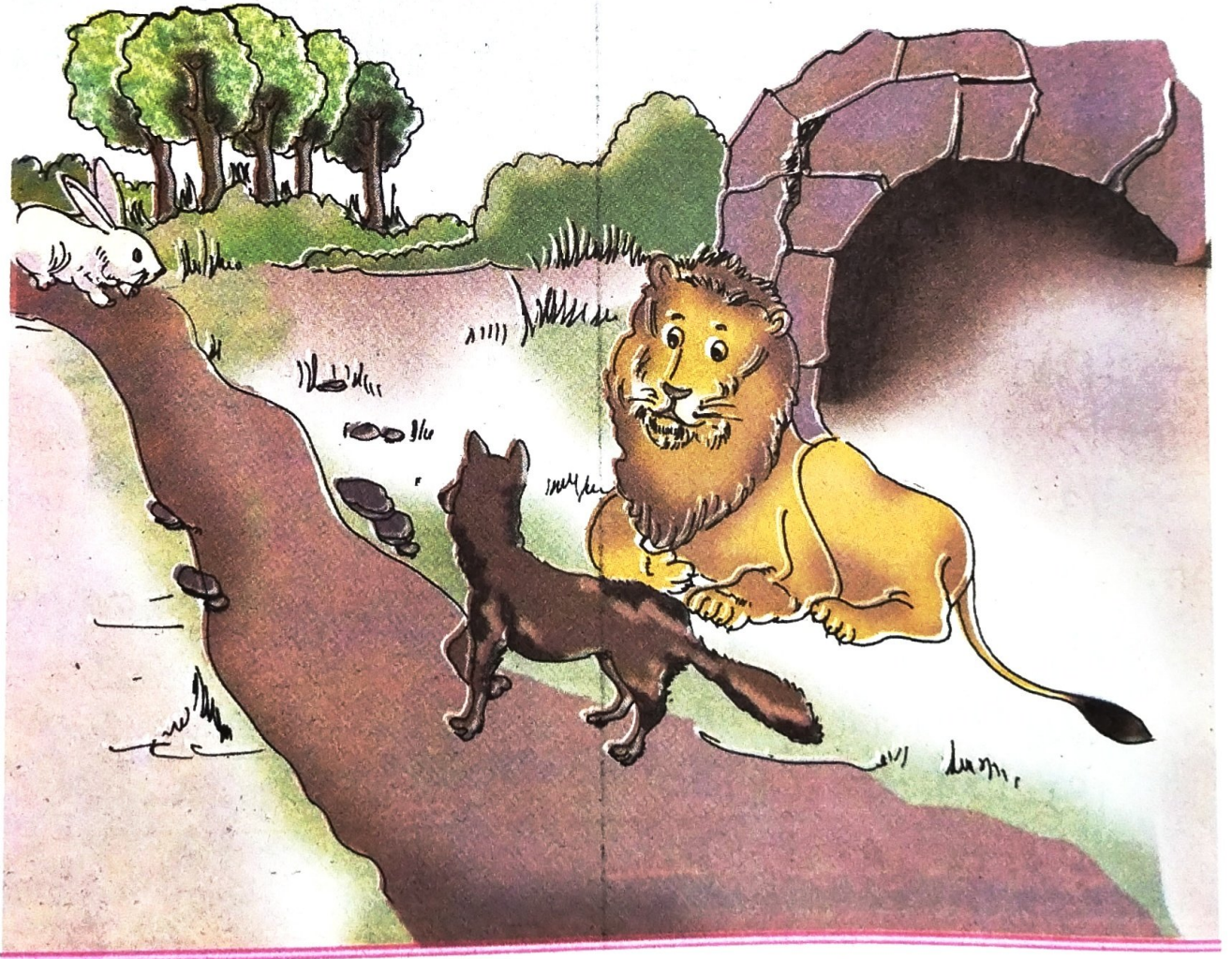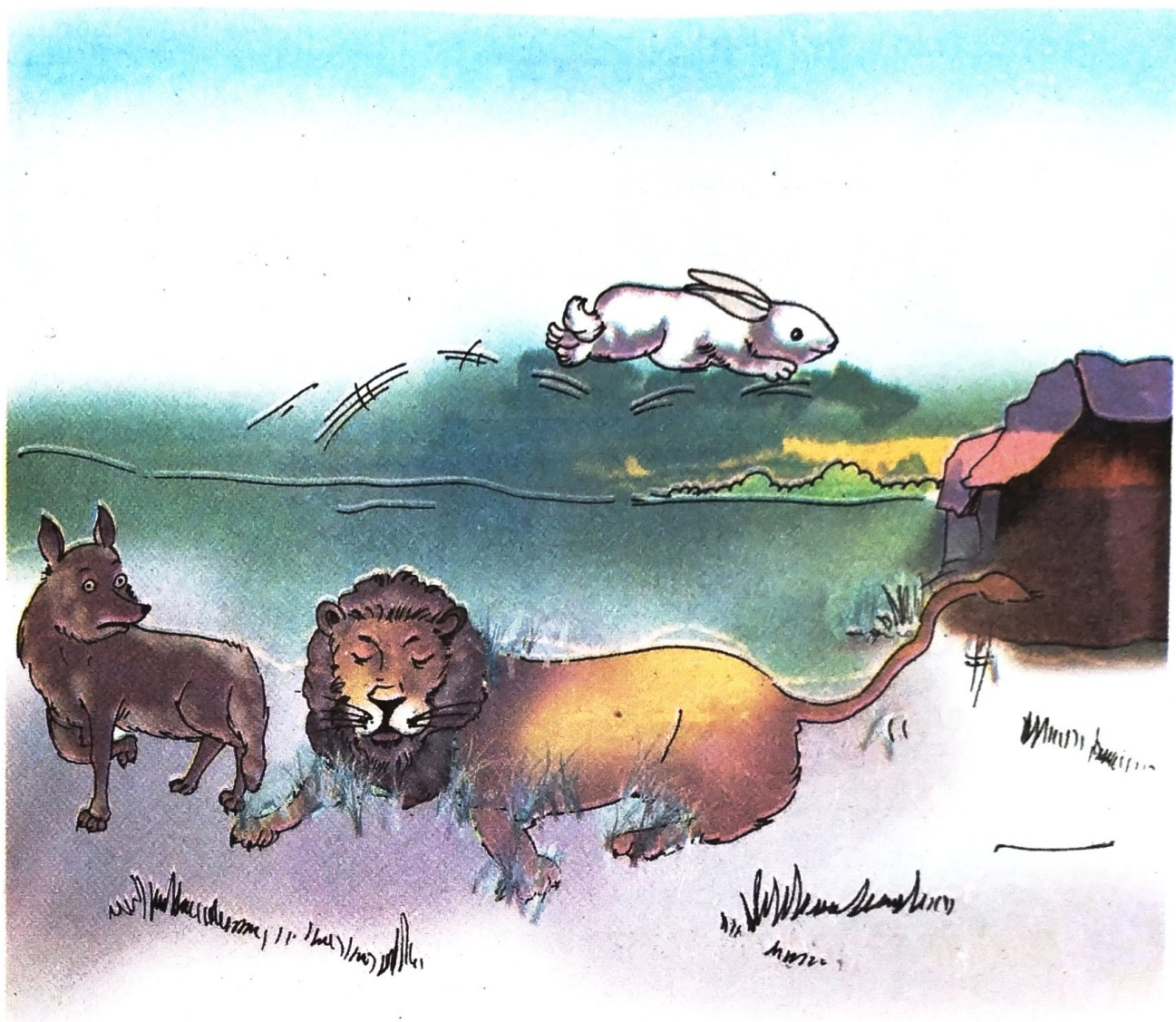
खरगोश ने लोमड़ी से रोने का कारण पूछा। हूँ, हूँ-देखते नहीं, मर गए शेर साहब, हूँ, हूँ, हूँ! आओ, आओ। ढकवा दो शेर साहब को, सूखी घास से ढकवा दो, हूँ, हूँ, हूँ!

खरगोश रुका। उसने थोड़ा सोचा, फिर कहा-अरे मौसी, मरने के बाद तो शेर की पूँछ हिलती है। शेर साहब की पूँछ तो हिल ही नहीं रही!

खरगोश की बात सुनते ही शेर पूँछ हिलाने लगा पूँछ का हिलना था कि खरगोश पल भर में भाग खड़ा हुआ।
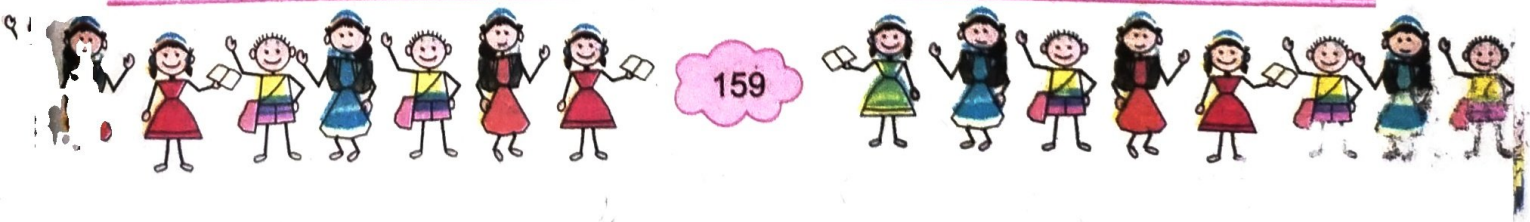
अभ्यास

प्रश्न (1) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दो

(1) शेर की मित्रता किससे थी?

....

(2) खरगोश को आता देखकर लोमड़ी ने शेर साहब से क्या कहा?

....

(3) शेर के शरीर का कौन सा भाग बाहर दिख रहा था?

....

(4) शेर की पूँछ हिलने पर खरगोश ने क्या किया?

....

प्रश्न (2) किसने किससे कहा?

(1) झट मरने का बहाना कीजिए

....

(2) अरे मौसी मरने के बाद तो शेर की पूँछ हिलती है

....

प्रश्न (3) दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरो।

(लोमड़ी पूँछ, बूढ़ा)

(1) शेर .... हो चला था बूढ़ा।

(2) अब शेर की .... बाहर दिख रही थी।

(3) शेर की दोस्ती .... से थी।

प्रश्न- कॉलम (अ) के आधार पर (आ) में वाक्य बनाओ-

अ	आ
(1) मैं खाऊँगा।	मैं खाऊँगी
(2) मैं खेल रहा हूँ।	______________
(3) मैं गा रहा हूँ।	______________

पहेली में छिपे हुए जानवरों के नाम ढूंढो और लिखो।

हि	झू	ख	ब	गा	य
शे	र	ज	र	ठ	च
उ	स	न	री	गो	न
ऊ	कु	घ	क	ध	श
ब	फ	त्ता	छ	ग	ह
गि	ल	ह	री	झ	धा

हिरण

....

....

....

....

....

पाठ 35

आया कूटे धान

भद्दक भद्दक
भद्दक भद्दक ....
आया कूटे धान!
बड़े बिहाने उठकर
बूबा जाते हैं
मरहान ।
छप्पक-छप्पक
चलता नाँगर
बदन समूचा
कीचड़ से तर।
सूरज जब
चढ़ आता सिर पर
जाकर करते स्नान।
लकदक-लकदक
पेज राँधती
आया झट से
मेड़ फाँदती
टुकने में
रख कर ले जाती
तूंबा, दोना-पान।

-पयोधि

शब्दार्थ: आया - माँ। बिहान-सबेरे। बूबा-पिता। मरहान-ऊसर। नाँगर-हल। राँधती-पकाती। पान-पत्ते।

विविध प्रश्नावली-3

(शिक्षक सभी बच्चों से मौखिक प्रश्न पूछें)

प्रश्न-1 'जिसने सूरज चाँद बनाया' कविता की चार पंक्तियाँ सुनाओ ।

प्रश्न-2 मेरा गाँव कविता की चार पंक्तियाँ सुनाओ ।

प्रश्न-3 (1) गाँव कैसा है?

(2) खेतों में काम कौन करता है?

प्रश्न-4 गुलगुले किसने बनाए ?

प्रश्न-5 जंगल किस-किसने पार किया?

प्रश्न-6 बाला ने किसका चित्र बनाया ?

प्रश्न-7 बगुला द्वारा लाई गईं बस्तुओं के नाम क्रम से बताओ।

प्रश्न-8 शिक्षक बच्चों से 'शेर साहब की पूँछ' कहानी सुनकर उस पर प्रश्न पूछें।

प्रश्न-9 सुनो और लिखो -

शिक्षक छोटे-छोटे वाक्य बोलकर लिखवाएँ ।

प्रश्न-10 देखो और लिखो -

शिक्षक कुछ वाक्य श्यामपट पर लिख दें फिर उसे देखकर लिखने को कहें।

प्रश्न-11 उचित वर्ण पर (ं) मात्रा लगाकर शब्द पूरा करो -

सुरग

अगूर

उमग

प्रश्न-12 उचित वर्ण पर (ँ) की मात्रा लगाकर शब्द पूरा करो

बासुरी आख

महगा गाव

प्रश्न-13 कालम ' अ ' और ' ब ' में दिए गए अनुसार शब्द बनाओ ।

अ	ब
नाना	नानी
मामा	....
दादा	....
काका	....
चाचा	....

प्रश्न-14 किसने किससे कहा -

मेरी तो लम्बी चीज गिरी है-

....

मेरे पंख बना दों-

....

प्रश्न-15 दिए गए शब्दों से खाली स्थान भरों

गुड़ **नाव** **महक**

(1) गुलगुलों की .... आ रही थी।

(2) तीनों ने नदी .... से पार की।

(3) गुलगुले .... के बनें थे ।

वर्णों का स्थान बदलकर नए शब्द बनाओ -

जेब ....

थन ....

ओला ....

चित्र देखकर नाम लिखो -

..........र

..........ढ़नी
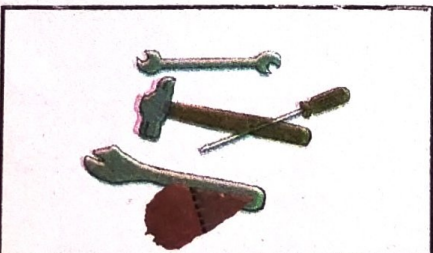
..........जार
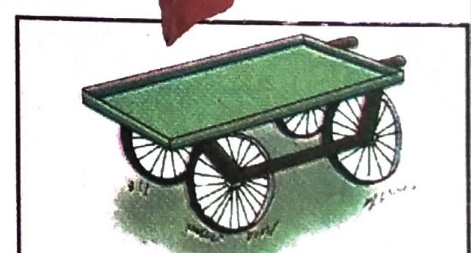
..........ला

जोड़ियाँ बनाओ -
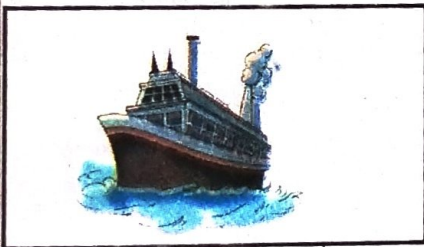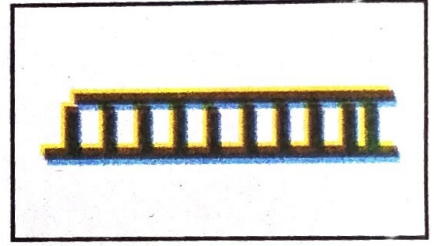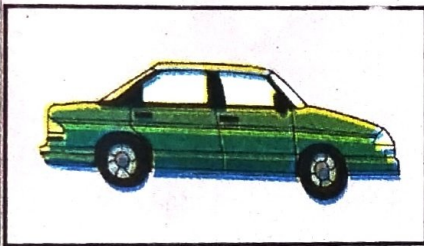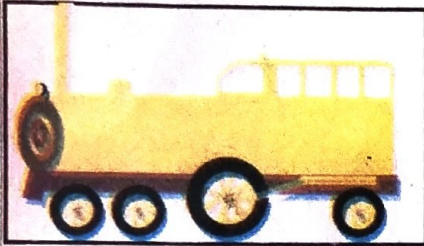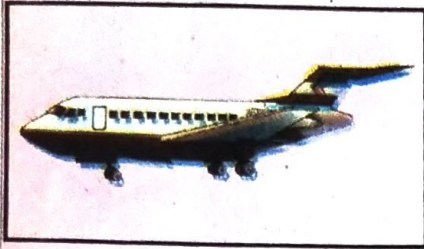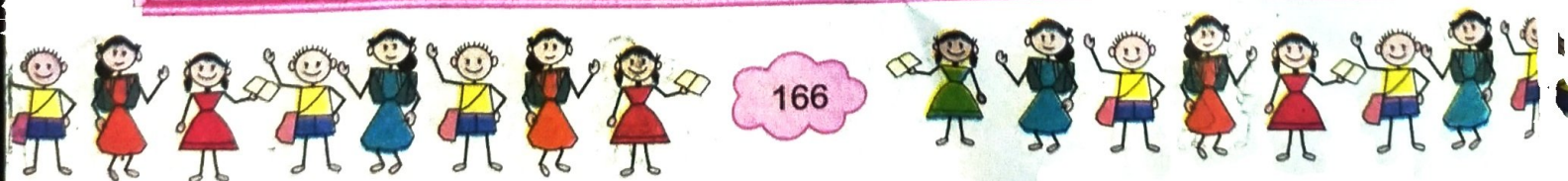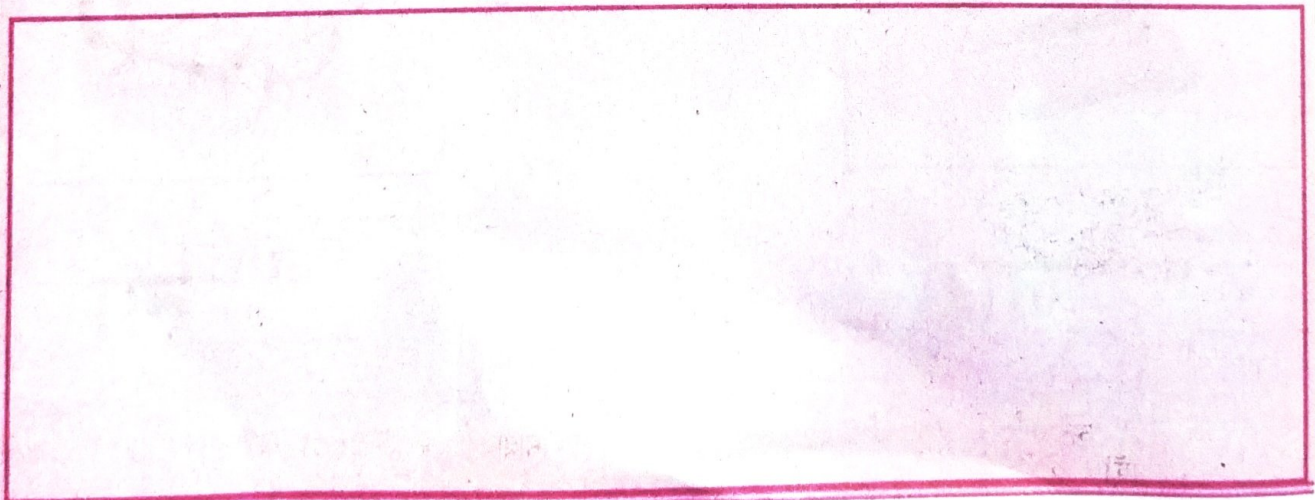
अपनी पसंद का चित्र बनाओ-

चित्र देखकर शब्द को रिक्त स्थान में लिखे-

कमला ________ पकाओ ।
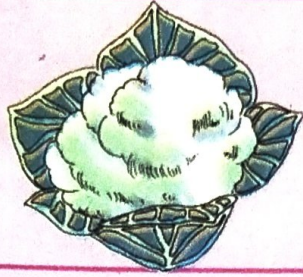
________ आम खाता है ।

________ घास खाता है ।

________ पानी में तैरती है ।

________ काली होती हैं ।

शिक्षक संकेत:- अब तक सीखे गए वर्णो की मा 'ो' और 'ौ' की मात्रा 'ौ' लगाकर शब्द पूरे करवाएँ और छोटे वाक्य बनवाकर पढ़वाएँ।

चित्रानुसार सही वर्ण पर गोला ◯ लगाओ-

प	र	फ	(श)
त्र	क्ष	म	ज्ञ
त्र	ज्ञ	ज	म
स	ज्ञ	ज	म
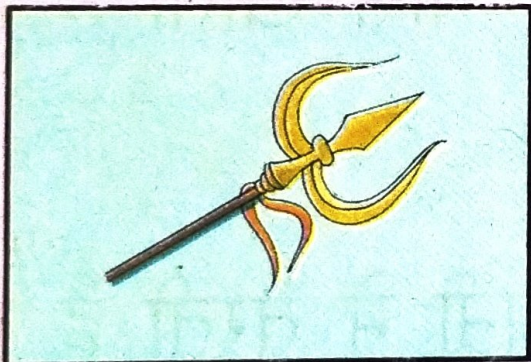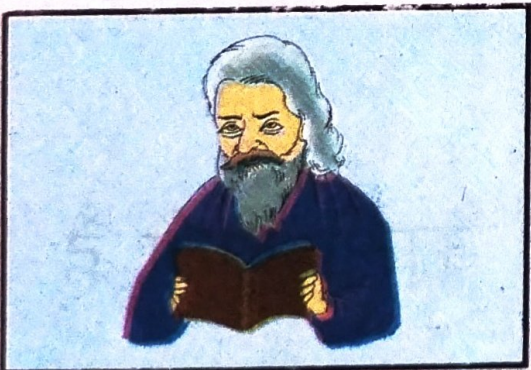
शिक्षक संकेत :- यह गतिविधि नए सीखे गए वर्णों की पहचान को पुख्ता करने के लिए है इसमें चित्र के नाम के प्रथम वर्ण को दिए गए वर्णों में पहचानकर गोला लगाएँ।

प्रारूप प्रश्न पत्र

कक्षा-1

अंक - 100

मौखिक खण्ड 80 अंक

प्रश्न 1 पाठ्य पुस्तक में आई कविता अथवा अन्य कोई कविता सुनाओ। (5)

प्रश्न 2 कोई कहानी सुनाओ जो तुम्हें याद हो। (5)

प्रश्न 3 पाँच पालतू एवं पाँच जंगली जानवरों के नाम बताओ। (5)

प्रश्न 4 शेर और चूहा की कहानी में शेर ने चूहे को पंजे में पकड़कर क्या कहा होगा ?
(चित्रकथा को दिखाकर पूछें) (5)

प्रश्न 5 अपने घर और परिवार के सदस्यों के बारे में बताओ। (5)

या

(घर-परिवार का चित्र दिखाकर पूछें)

बताओ - (10)

(क) शेर कहाँ रहता है?

(ख) जंगल का राजा कौन होता है?

(ग) जल की रानी कौन होती है ?

(घ) मोर कहाँ रहता है?

(ङ) मोर कब नाचता है?
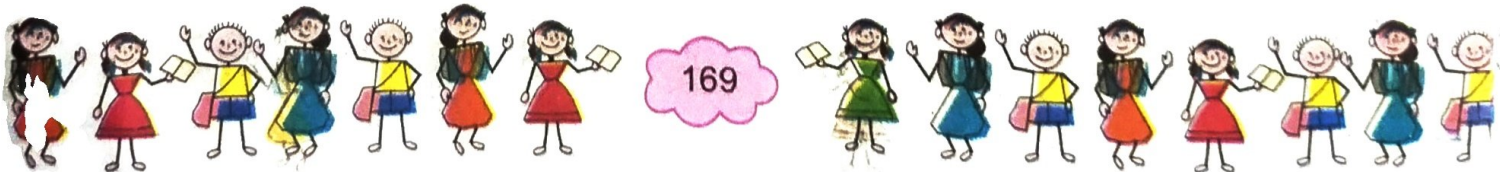
प्रश्न 6 (क) इन जानवरों की बोली बताओ (5)

कुत्ता, बिल्ली, शेर, कोयल, बकरी

(ख) पा. पु. का कोई अंश पढ़ो । (5)

प्रश्न 7 (क) पूरी वर्णमाला बोलकर सुनाओ। (5)

या

(क) 'क' अथवा 'च' की बारहखड़ी बोलकर सुनाओ । (5)

(ख) बारहखड़ी में अपना नाम ढूँढो।

प्रश्न 8. समान वर्ण में गोला लगाओ- (6)

प्रश्न-9. प्राणियों को उनके घर तक पहुँचाओ - (4)
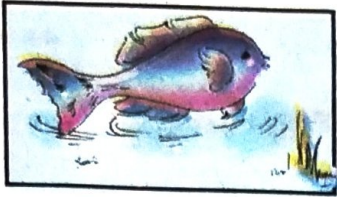
प्रश्न-10. प्राणियों को उनके भोजन तक पहुँचाओ- (6)
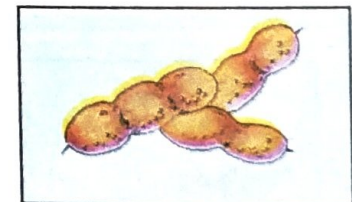
11. चित्रों को देखकर अंक लिखकर बताओ कि कौन सा वाहन पहले पहुँचेगा- (5)

प्रश्न 12. चित्र देखकर वर्ण पहचानो और लिखो- (4)
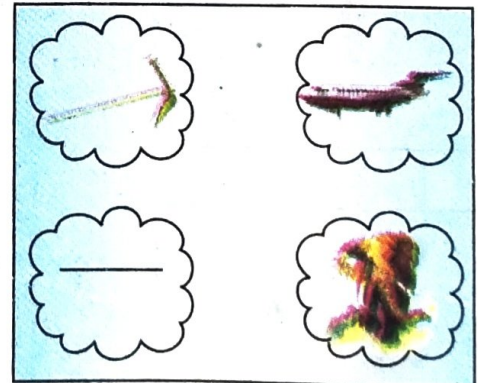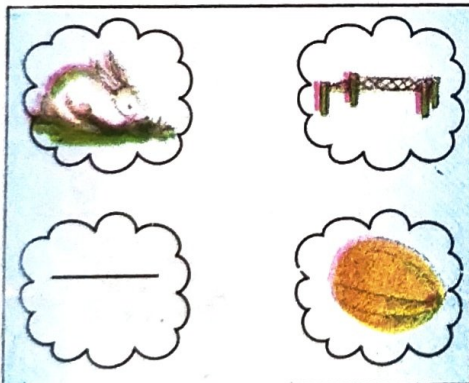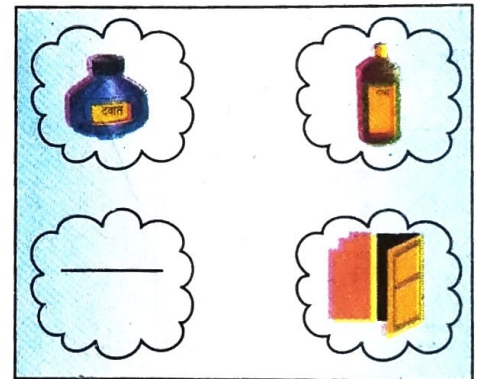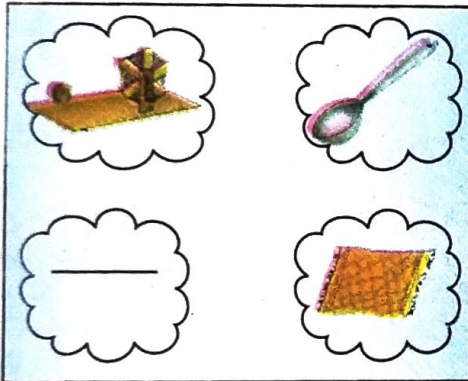
प्रश्न 13. चित्र देखकर नाम लिखो (5)

प्रश्न 14 मात्रा लगाकर शब्द बनाओ (5)

(1) लड़क (2) खरग श

(3) सब (4) धनष (5) घड
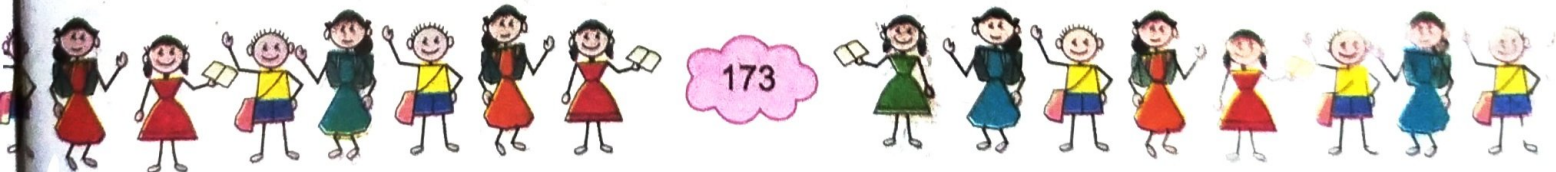
प्रश्न 15. चित्र देखकर वाक्य पूरा करो- (4)

................................**चल**
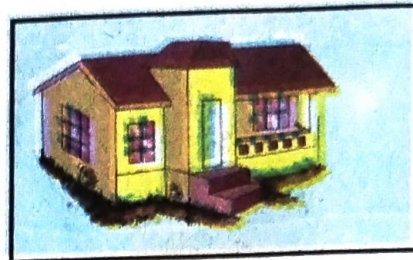
................................**चख**

बाजार से ....**ला**

................................**पहन**

प्रश्न 16. कविता की पंक्तियाँ पूरी करो। (6)

बेलन बोला ,

मैं तो ।

करूँ सगाई ,

मैं तो ।

आओ
साँप और सीढ़ी
का खेल खेलें

विकलांग साथियों को अपना भरपूर सहयोग और प्यार दें... ये उनका हक है...

समग्र स्वच्छता अभियान संदेश

1. खाना खाने के पहले हाथ धोयें।

2. शौच के बाद साबुन से हाथों को अवश्य धोयें।

3. शौच के लिए शौचालय में ही जायें।

4. घड़े में से पानी डंडी वाले लोटे से ही निकालें, पानी में उंगलियॉ नहीं डुबाना चाहिये।
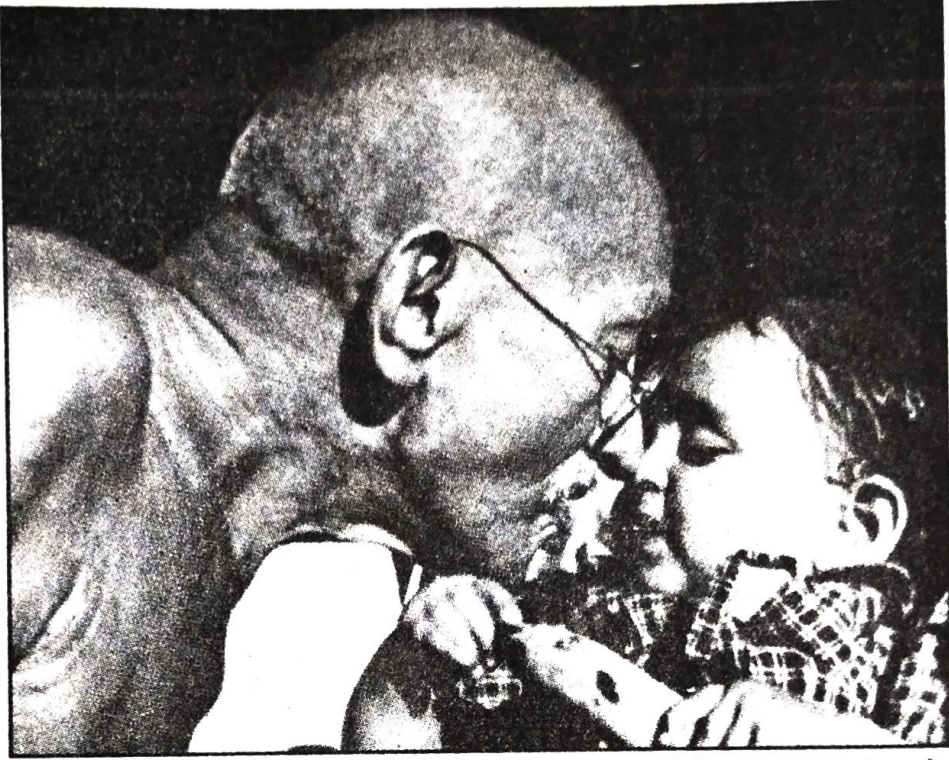
विद्यार्थियों को ऐसी तालीम दी जानी चाहिए जिससे वे संसार के महान धर्मों को आदर के साथ सीख सकें।
—महात्मा गांधी

— * —

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्

श्री बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय : आनन्दमठ

वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम् मातरम्।। वन्दे०।।
शुभ्र ज्योत्स्ना – पुलकित यामिनीम्,
फुल्ल कुसुमित – द्रुमदल – शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।। वन्दे०।।
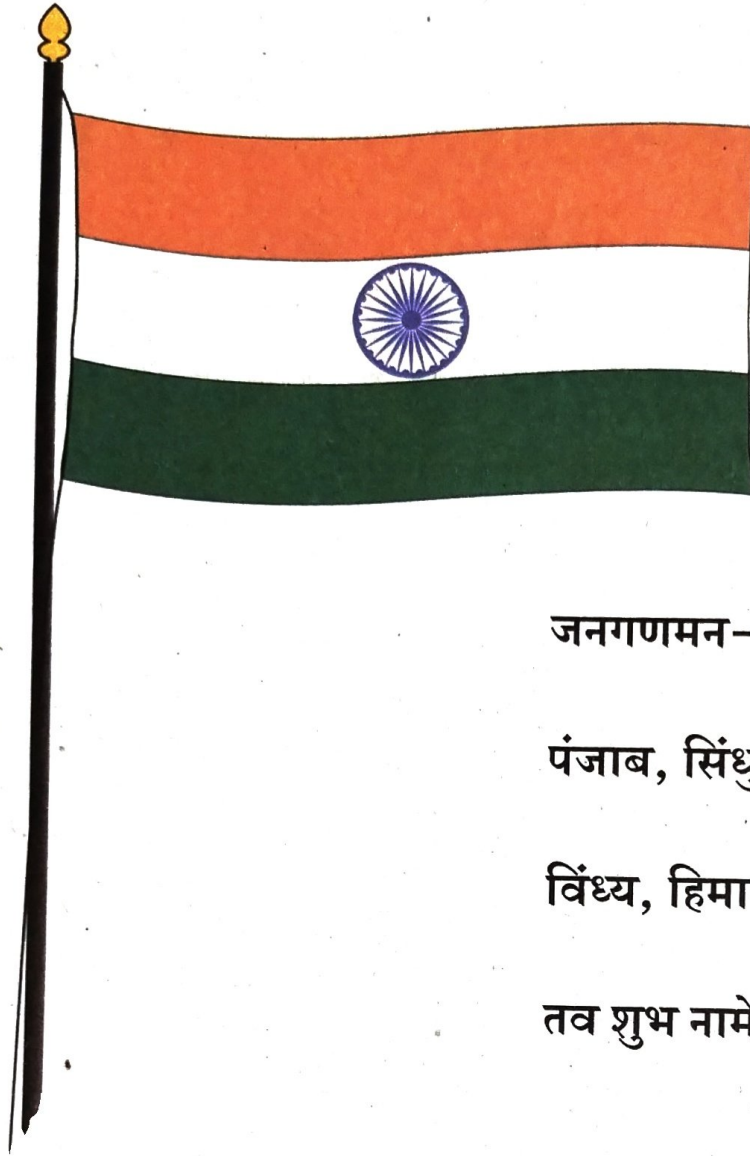
राष्ट्रगान

जनगणमन-अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता!
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग!
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे,
गाहे तव जयगाथा।
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय जय जय, जय हे!

(हर देश का अपना एक विशिष्ट झंडा और राष्ट्रगान होता है। ''तिरंगा झंडा'' भारतवर्ष का राष्ट्रध्वज है और ''जनगणमन'' राष्ट्रगान। राष्ट्रध्वज में ऊपर की पट्टी केसरिया रंग की और नीचे की हरे रंग की होती है। बीच की सफेद पट्टी के बीचों बीच २४ शलाकाओं का नीले रंग में गोल-चक्र होता है। केसरिया रंग त्याग का, सफेद शांति का और हरा रंग प्रकृति की सुन्दरता का प्रतीक है। चक्र का स्वरूप अशोक की सारनाथ-स्थित सिंहमुद्रा में अंकित चक्र की भाँति है यह चक्र सत्य और सब धर्मों का प्रतीक है।

राष्ट्रगान की रचना गुरूदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने की थी। इसमें संपूर्ण देश के लिए मंगल-कामना है। राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। जब राष्ट्रगान गाया जाय या उसकी धुन बजाई जाये अथवा राष्ट्रध्वज फहराया जाय, तब हमें सावधान की स्थिति में खड़े होकर इसे सम्मान देना चाहिए।)